CMYK

अधिकतम : 33°C
न्यूनतम : 19°C

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

बरेली, शनिवार 18 अप्रैल 2026 बरेली संस्करण: वर्ष 23 अंक 137 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | बैसाख शुक्ल पक्ष 1 विक्रमी सम्वत् 2083 | 29 शव्वाल 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

उप्र में अपराध नियंत्रण के लिए 500 फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स तैयार पेज 2

बेंगलुरु-दिल्ली के बीच बड़े मुकाबले में विराट पर रहेंगी सबकी नजरें खेल टाइम्स

धरोहरों में धड़कता भारतीय इतिहास सम्पादकीय

ईरान से समझौते के लिए खुद पाकिस्तान जाएंगे ट्रम्प ! पेज 12

संक्षिप्त समाचार

यूपी में भीषण गर्मी का दौर शुरू, बांदा में पारा 44 डिग्री के पार

नई दिल्ली। देश के मैदानी राज्यों में भीषण गर्मी जारी है। यूपी के बांदा में पारा 44.4 डिग्री सेल्सियस, एमपी के नर्मदापुरम में 43 डिग्री सेल्सियस, राजस्थान के बाड़मेर में 42.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली, पंजाब, चंडीगढ़ और हरियाणा में पारा 40 डिग्री सेल्सियस से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच है। इधर, राजस्थान के हनुमानगढ़ में बारिश के साथ ओले गिरने से मंडी में रखा अनाज भीग गया। मौसम विभाग के मुताबिक, जयपुर समेत 5 से ज्यादा जिलों में बरसात हो सकती है। हरियाणा में भी शुक्रवार दोपहर को बारिश और ओले गिरे। छत्तीसगढ़ में हीटवेव के कारण 11 दिन पहले स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर दी गई हैं। मध्य प्रदेश के अनूपपुर-डिंडोरी में भी स्कूलों का समय बदलकर सुबह 7 से 12 बजे तक कर दिया गया है। गुजरात, महाराष्ट्र, झारखंड में अगले 3 दिन लू का अलर्ट है।

सबरीमाला मंदिर केस में 5वें दिन भी सुनवाई जारी रही

नई दिल्ली। केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री को लेकर सुप्रीम कोर्ट में 5वें दिन भी सुनवाई जारी रही। याचिकाकर्ता की तरफ से एडवोकेट राजीव धवन ने कोर्ट से कहा कि आस्था या विश्वास समय के साथ हमेशा बदलते रहते हैं। यह बदलाव सिर्फ किसी कानून के बन जाने से नहीं आता, बल्कि यह बदलाव तो लोगों के बीच से ही उभरकर आता है। इससे पहले 9 जजों की बेंच ने 15 अप्रैल की सुनवाई में कहा था कि करोड़ों लोगों की आस्था को गलत ठहराना सबसे मुश्किल कामों में से एक है। साथ ही यह भी कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता। वहीं मंदिर प्रशासन त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) ने कहा कि सबरीमाला कोई खिलौने की दुकान या रेस्टोरेंट का मामला नहीं है। यहां के देवता ब्रह्मचारी हैं। भारत में अयप्पा के लगभग 1,000 मंदिर हैं। अगर महिलाओं को दर्शन करना है, तो वहां जाएं।

सेना को सशक्त बनाने व रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर बल

नई दिल्ली। सेना के शीर्ष कमांडरों के सम्मेलन में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे सैन्य संघर्षों और ऑपरेशन सिंदूर के अनुभवों के आधार पर सेना को हर तरह से सशक्त बनाने तथा उसकी जरूरतों को देश में ही पूरा करने के लिए रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर बल दिया गया। सैन्य नेतृत्व ने मानव रहित हवाई प्रणालियों और ड्रोन रोधी प्रणालियों के उपयोग सहित संचालन क्षमता बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को वक्तव्य जारी कर कहा कि सेना के कमांडरों के 13 अप्रैल से शुरू हुए चार दिन के सम्मेलन की अध्यक्षता सेना प्रमुख ने की और इसमें शीर्ष सैन्य नेतृत्व ने भाग लिया। सम्मेलन को कैबिनेट सचिव, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष, रक्षा सचिव, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष तथा नौसेना प्रमुख सहित सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने संबोधित किया। 'भविष्य के लिए तैयार बल' बनने के दृष्टिकोण के अनुरूप, सेना ने वर्ष 2026 को नेटवर्किंग और डेटा केंद्रितता का वर्ष घोषित किया है।

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट खोला, डोनाल्ड ट्रम्प बोले शुक्रिया

तेहरान/वाशिंगटन। पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव और लेबनान में लागू युद्धविराम के बीच ईरान ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। ईरान ने सीजफायर के दौरान होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह खोल दिया है।

विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि सभी कमर्शियल जहाजों को गुजरने की इजाजत होगी। यह फैसला लेबनान में युद्धविराम के बाद लिया गया है। उन्होंने बताया कि जहाज एक सुरक्षित रास्ते से गुजरेंगे, जिसे ईरान के पोर्ट्स और मैरीटाइम ऑर्गेनाइजेशन ने पहले से तय कर रखा है, ताकि सफर के दौरान कोई खतरा न हो। अराघची ने कहा कि इस दौरान जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी, ताकि समुद्री व्यापार प्रभावित न हो। विदेश मंत्री के अनुसार, यह निर्णय युद्धविराम अवधि के शेष समय के लिए लागू रहेगा और पहले से घोषित समन्वित मार्ग के तहत सभी व्यापारिक जहाजों को गुजरने की अनुमति दी जाएगी। यह मार्ग ईरान के पोर्ट्स एंड मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन द्वारा निर्धारित किया गया है। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक माना जाता है, जहां से वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ऐसे में इस मार्ग को खोलने का निर्णय अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा बाजार और शिपिंग उद्योग के लिए राहत भरा माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम क्षेत्रीय तनाव को कम करने और व्यापारिक स्थिरता बनाए रखने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है। इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर ईरान को शुक्रिया कहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही होर्मुज स्ट्रेट खुल गया है, लेकिन ईरान पर अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी जारी रहेगी और यह सिर्फ ईरान पर लागू होगी। ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान अपने एनरिच्ड (संवर्धित) यूरेनियम का भंडार अमेरिका को सौंपने के लिए तैयार हो गया है।

- लेबनान में युद्धविराम के बाद फैसला, लेकिन ईरान की नाकाबंदी जारी रहेगी
- जहाज एक सुरक्षित रास्ते से गुजरेंगे

ट्रम्प ने दिल्ली के एलजी बनने पर तरनजीत संधू को दी बधाई

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को दिल्ली के उपराज्यपाल का पदभार संभालने पर तरनजीत संधू को बधाई दी।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि दिल्ली के नए उपराज्यपाल बनने पर तरनजीत संधू को बधाई। एक अनुभवी राजनयिक और अमेरिका में पूर्व राजदूत के रूप में तरनजीत संधू ने हमेशा अमेरिका-भारत संबंधों को मजबूत करने के लिए गहरी प्रतिबद्धता दिखाई है। दिल्ली की प्रगति का नेतृत्व करने और वैश्विक संबंधों को आगे बढ़ाने में उनकी सफलता की कामना करता हूं। तरनजीत सिंह संधू, जो दिल्ली के 21वें उपराज्यपाल के रूप में कार्यरत हैं, फरवरी 2020 से जनवरी 2024 तक अमेरिका में भारत के 28वें राजदूत रहे।

भाजपा नेता की हत्या में कांग्रेस एमएलए को उम्रकैद

बेंगलुरु। कर्नाटक के भाजपा नेता योगेश गौड़ा गौदार हत्याकांड में बेंगलुरु के स्पेशल कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री विनय कुलकर्णी समेत 17 दोषियों को उम्रकैद की सजा दी है। कोर्ट ने सभी दोषियों पर 30-30 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। कर्नाटक के धारवाड़ में 15 जून 2016 को बीजेपी नेता और जिला पंचायत सदस्य योगेश गौड़ा की उनके जिम में हत्या कर दी गई थी। शुरुआत में स्थानीय पुलिस ने जांच की, लेकिन राजनीतिक दबाव और आरोपों के चलते 2019 में मामला सीबीआई को सौंप दिया गया था।

महिला आरक्षण से जुड़ा बिल गिरा

21 घंटे हुई बिल पर चर्चा , पक्ष में 298, विपक्ष में 230 वोट पड़े

54 वोट से गिरा बिल, 11 साल के शासन के दौरान पहली बार मोदी सरकार बिल पास नहीं करा पाई, बेअसर रही शाह की एक घंटा स्पीच

परिसीमन संशोधन संविधान बिल 2026 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) बिल 2026 पर सरकार ने वोटिंग कराने से किया इन्कार

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। महिला आरक्षण बिल से जुड़े संविधान के 3 संशोधन बिल सरकार लोकसभा में पास नहीं करा पाई। 21 घंटे की चर्चा के बाद सबसे पहले संविधान संशोधन बिल पर वोटिंग हुई। संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026 के जरिये 850 सीटें करने का प्रावधान था। इसके पक्ष में 298, विपक्ष में 230 वोट पड़े।

लोकसभा में 528 सांसदों ने वोट डाले। बिलों को पास कराने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी। 528 का दो तिहाई 352 होता है। इस तरह बहुमत नहीं मिलने से ये बिल 54 वोट से गिर गया। इसके बाद सरकार ने बाकी 2 बिल- परिसीमन संशोधन संविधान बिल 2026 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) बिल 2026 पर वोटिंग कराने से इन्कार कर दिया। 11 साल के शासन में यह पहला मौका जब मोदी सरकार सदन में कोई बिल पास नहीं करा पाई। इससे पहले अमित शाह ने एक घंटा स्पीच दी थी। कहा कि अगर ये बिल पास नहीं होते हैं, तो इसकी जिम्मेदारी विपक्ष की होगी। देश की महिलाएं देख रही हैं कि उनकी राह का रोड़ा कौन है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि हमने संविधान पर हुए इस हमले को हरा दिया है। हमने साफ तौर पर कहा है कि यह महिला आरक्षण बिल नहीं है, बल्कि यह भारत की राजनीतिक संरचना को बदलने का एक तरीका है। शाह ने कहा कि मैं टीवी पर विपक्ष के नेता का भाषण सुन रहा था। आपकी जिम्मेदारी है कि सदन की गरिमा बनी रही। वे कहते हैं कायर हैं, सरेंडर कर रहे हैं।

विपक्ष ने इसमें साथ नहीं दिया, बहुत खेद की बात: किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि यह महिलाओं को सम्मान और अधिकार देने से जुड़ा ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण विधेयक था। इसी पर यह नतीजा आया है। विपक्ष ने इसमें साथ नहीं दिया। बहुत खेद की बात है। आपने एक ऐतिहासिक मौका गंवा दिया। महिलाओं को सम्मान और अधिकार देने का हमारा अभियान जारी रहेगा और हम उन्हें अधिकार दिलाकर ही रहेंगे।

देर रात जारी हुआ नोटिफिकेशन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण कानून यानी 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' को 16 अप्रैल 2026 से लागू कर दिया था। संसद में गुरुवार से ही इसके संशोधन पर 3 दिनों के लिए बहस शुरू हुई। इस बीच, आधी रात को मूल कानून लागू करने का नोटिफिकेशन जारी किया गया। इसका मतलब यह है कि महिला आरक्षण के जिस कानून में संशोधन की बात की जा रही है, वह लागू ही नहीं हुआ था। सरकारी अधिकारियों के मुताबिक, कानून में बदलाव तभी हो सकता है जब वह लागू हो चुका हो। अचानक सरकारी नोटिफिकेशन की यही वजह है।

पवन खेड़ा की ट्रांजिट अग्रिम जमानत बढ़ाने की मांग खारिज

शाह टाइम्स ब्यूरो

- सुप्रीम कोर्ट ने किया स्पष्ट, वह मामले में दखल नहीं देगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को बड़ा झटका देते हुए उनकी ट्रांजिट अग्रिम जमानत बढ़ाने की अर्जी ठुकरा दी है।

यह मामला असम पुलिस द्वारा असम के मुख्यमंत्री सरमा की पत्नी की शिकायत पर दर्ज की गई एक प्राथमिकी से जुड़ा है। श्री खेड़ा का आरोप था कि श्री सरमा की पत्नी के पास अलग-अलग देशों के कई पासपोर्ट हैं। श्री खेड़ा की उस अर्जी को भी अदालत ने ठुकरा दिया, जिसमें उन्होंने ट्रांजिट जमानत को अगले मंगलवार तक बढ़ाने की मांग की थी, ताकि वह सोमवार को असम की अदालत में पेश हो सकें। यह घटनाक्रम शीर्ष अदालत द्वारा उनकी अग्रिम जमानत पर रोक लगाने के दो दिन बाद सामने आया है। यह अग्रिम जमानत उन्हें तेलंगाना उच्च न्यायालय ने दी थी। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और अतुल एस. चांदुरकर की पीठ ने टिप्पणी की कि यदि संबंधित अदालत काम नहीं कर रही है, तो मामले की सुनवाई के लिए अनुरोध किया जा सकता है, जिस पर मौजूदा चलन के अनुसार विचार किया जा सकता है। उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया कि न तो वह और न ही तेलंगाना उच्च न्यायालय असम की उस अदालत के काम में कोई दखल देगा, जो पवन खेड़ा के खिलाफ मामले की सुनवाई करेगी। गौरतलब है कि 5 अप्रैल को एक संवाददाता सम्मेलन में श्री खेड़ा ने आरोप लगाया था कि श्री सरमा के पास कई पासपोर्ट हैं और कई देशों में उनकी संपत्तियां हैं, जिनका जिक्र असम के सीएम ने अपने चुनावी हलफनामे में नहीं किया था।

नोएडा में 203 संविदाकारों के लाइसेंस रद्द

शाह टाइम्स ब्यूरो

- श्रम विभाग ने 1.16 करोड़ रुपये का लगाया जुर्माना

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश में श्रम विभाग ने श्रम कानूनों के उल्लंघन पर सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई शुरू की है।

प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिला में अपर श्रमायुक्त राकेश द्विवेदी ने 24 कारखानों से जुड़े 203 संविदाकारों के खिलाफ लाइसेंस निरस्तीकरण, धनराशि वसूली और एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई अमल में लाई गई है। शुक्रवार को अपर श्रमायुक्त द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि श्रम विभाग की जांच में सामने आया है कि कई संविदाकारों ने श्रमिकों को उनके वैधानिक हितलाभों से वंचित रखा। इसके चलते विभाग ने कुल एक करोड़ सोलह लाख पांच हजार रुपये की पेनल्टी निर्धारित करते हुए संबंधित संविदाकारों को नोटिस जारी किया है। यह राशि सीधे श्रमिकों को भुगतान करने के निर्देश दिए गए हैं। हाल ही में हुए श्रमिक आंदोलन के दौरान तोड़फोड़ की घटनाओं में भी कुछ संविदाकारों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है, जिसकी जांच की जा रही है। अन्य दोषी संविदाकारों की पहचान कर उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। श्रमिकों के वेतन वृद्धि के मुद्दे पर उन्होंने बताया कि शासन स्तर पर गठित उच्चस्तरीय समिति की सिफारिशों के आधार पर गौतमबुद्धनगर और गाजियाबाद के 74 अनुसूचित नियोजनों में कार्यरत श्रमिकों के वेतन में 21 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। यह नई दरें एक अप्रैल 2026 से प्रभावी होंगी और मई 2026 में सात से दस तारीख के बीच भुगतान किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह वेतन वृद्धि संविदा और स्थायी दोनों प्रकार के श्रमिकों पर समान रूप से लागू होगी।

राहुल गांधी मानहानि मामले में अगली सुनवाई 22 अप्रैल को

सुल्तानपुर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से जुड़े मानहानि मामले में शुक्रवार को एमपी- एमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने वादी पक्ष के लगातार स्थगन मांगने पर सख्त रुख अपनाते हुए भविष्य में किसी भी तरह की ढिलाई न बरतने की चेतावनी दी है। मामले की अगली सुनवाई 22 अप्रैल को होगी। राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी शुक्ला ने बताया कि शुक्रवार को अदालत में धारा 311 सीआरपीसी के तहत दाखिल एक प्रार्थना पत्र पर बहस होनी थी।

दोहरी नागरिकता मामले में राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज होगी एफआईआर

शाह टाइम्स ब्यूरो

- इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने कहा: ब्रिटिश नागरिकता की जांच करे सीबीआई

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है।

इसके बाद अब राहुल गांधी की मुश्किल बढ़ गई है। दोहरी नागरिकता के मामले में शुक्रवार को लखनऊ बेंच में सुनवाई हुई। यह मामला निचली अदालत के उस फैसले के खिलाफ है, जिसमें राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को खारिज कर दिया था। यूपी सरकार की तरफ से वकील ने कहा कि इस पूरे प्रकरण की जांच सीबीआई करे। इस पर जज ने मंजूरी दी। कहा कि एफआईआर करके मामले को सीबीआई को ट्रांसफर किया जाए। अब एफआईआर दर्ज होने के बाद प्रकरण की जांच सीबीआई करेगी। गौरतलब है कि कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने यह याचिका दाखिल की थी। याची ने लखनऊ की विशेष एमपी/एमएलए अदालत के 28 जनवरी 2026 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें अदालत ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की उसकी अर्जी खारिज कर दी थी।

गौतम अडानी बने एशिया के सबसे अमीर इंसान

अडानी की संपत्ति का शुद्ध मूल्य 92.6 अरब डॉलर आंका गया

शाह टाइम्स ब्यूरो

- मुकेश अंबानी को पछाड़कर अडानी ने यह उपलब्धि हासिल की

नई दिल्ली। अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी एशिया के सबसे अमीर इंसान बन गए हैं। ब्लूमबर्ग के दुनिया के 500 सबसे अमीर अरबपतियों के दैनिक सूचकांक में श्री अडानी की संपत्ति का शुद्ध मूल्य 92.6 अरब डॉलर आंका गया है।

पिछली सूची के बाद उनकी संपत्ति 3.56 अरब डॉलर बढ़ी है और वह दुनिया में 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं। साथ ही वह एशिया के सबसे धनाढ्य व्यक्ति भी बन गए हैं। श्री अडानी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी को पछाड़कर यह उपलब्धि हासिल की है। पिछली सूची के बाद श्री अंबानी की संपत्ति में 7.67 करोड़ डॉलर का इजाफा हुआ है और यह 90.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। वह वैश्विक सूची में अब 20वें स्थान पर हैं। इस सूची में पहले आठ स्थान पर अमेरिका का कब्जा है और ये सभी प्रौद्योगिकी कंपनियां हैं। जाने-माने उद्योगपति एलन मस्क 656 अरब डॉलर के साथ पहले स्थान पर हैं। उनके बाद क्रमश: लैरी पेज, जेफ बेजोस, सर्गेई ब्रिन और मार्क जुकरबर्ग रहे। शीर्ष 20 में अमेरिका के अलावा भारत के दो और फ्रांस, मेक्सिको तथा स्पेन की एक-एक कंपनियां शामिल हैं।

लगातार तीसरी बार राज्यसभा के उपसभापति चुने गए हरिवंश

- विपक्ष के सदस्यों को सभापति ने कुछ कहने की अनुमति नहीं दी

नई दिल्ली। राज्यसभा के मनोनीत सदस्य हरिवंश को शुक्रवार को लगातार तीसरी बार उच्च सदन के उप सभापति के पद पर ध्वनिमत से चुन लिया गया।

नेता सदन जगत प्रकाश नड्डा ने हरिवंश को उप सभापति चुने जाने का प्रस्ताव रखा, जिसका भारतीय जनता पार्टी की सदस्य एस. फांगनोन कोन्याक ने समर्थन किया। सदन ने इस प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित कर दिया। वह इस पद पर लगातार तीसरी बार चुने गए हैं। प्रस्ताव रखे जाने के दौरान विपक्ष के सदस्यों ने इस संबंध में कुछ कहना चाहा, लेकिन सभापति ने उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी। विपक्ष की ओर से इस पद के लिए किसी का नामांकन नहीं किया गया था। यह पहला अवसर है, जब किसी मनोनीत सदस्य को सदन का उप सभापति चुना गया है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना से बदली तकदीर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में कारगर साबित हो रही हैं। 'मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना' के तहत मिल रही वित्तीय सहायता और मार्गदर्शन से युवा न केवल अपना व्यवसाय शुरू कर रहे हैं, बल्कि रोजगार सृजन में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसी कड़ी में इटावा जनपद के गाड़ीपुरा निवासी बिलाल हसन ने इस योजना का लाभ उठाकर अपनी अलग पहचान बनाई है। बिलाल ने जिला उद्योग केंद्र से जानकारी प्राप्त कर योजना के तहत 10 लाख रुपये का ऋण हासिल किया और प्रिटिंग प्रेस व फ्रलेक्स का कारोबार शुरू किया। शुरुआत में सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने मेहनत और लगन से अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाया। आज उनका उद्यम स्थिर रूप से संचा. लित हो रहा है और वे प्रतिमाह 50 से 60 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर रहे हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने अपने व्यवसाय के माध्यम से 5 अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराया है।

सिन्हा ने परशुराम जयंती पर शोभा यात्रा को दिखाई हरी झंडी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को भगवान परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में जम्मू के चाणक्य चौक परेड से एक भव्य शोभा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस जुलूस का आयोजन डोगरा ब्राह्मण प्रतिनिधि सभा द्वारा आयोजित किया गया जिसमें भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम के जीवन एवं शिक्षाओं का उत्सव मनाया गया। इससे पहले, उपराज्यपाल ने भगवान परशुराम को नमन किया और सभी के लिए शांति, प्रगति एवं समृद्धि की प्रार्थना की।

अपराध नियंत्रण के लिए 500 फॉरेंसिक एक्सपर्ट तैयार

प्रदेश के सभी 75 जिलों में 'साइबर सिघम' की एक सशक्त फौज तैयार की जा रही

शाह टाइम्स ब्यूरो

- प्रशिक्षित अधिकारी अपने-अपने जिलों और कमिश्नरेट में जाकर अन्य पुलिसकर्मियों को भी प्रशिक्षित करेंगे
- पूरे प्रदेश में फॉरेंसिक पुलिसिंग की मजबूत श्रृंखला विकसित होगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अपराध नियंत्रण के लिए अब पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक जांच को बड़े पैमाने पर लागू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के सभी 75 जिलों में 'साइबर सिघम' की एक सशक्त फौज तैयार की जा रही है, जो अपराधियों पर शिकंजा कसने में अहम भूमिका निभाएगी।

इस दिशा में उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस (यूपीएसआईएफएस) में बड़े स्तर पर क्राइम सीन एक्सपर्ट तैयार किए जा रहे हैं। पांच चरणों में 500 विशेषज्ञों को प्रशिक्षित करने की योजना के तहत अब तक 300 एक्सपर्ट तैयार किए जा चुके हैं, जबकि शेष दो बैचों का प्रशिक्षण जल्द पूरा होगा। इस पहल की खास बात यह है कि प्रशिक्षित अधिकारी अपने-अपने जिलों और कमिश्नरेट में जाकर अन्य पुलिसकर्मियों को भी प्रशिक्षित करेंगे। इससे पूरे प्रदेश में फॉरेंसिक पुलिसिंग की मजबूत श्रृंखला विक. सित होगी। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में ये एक्सपर्ट वर्कशॉप आयोजित कर आरक्षी से लेकर निरीक्षक स्तर तक के पुलिसकर्मियों को क्राइम सीन मैनेजमेंट, साइबर फॉरेंसिक और डिजिटल साक्ष्य संरक्षण की बारीकियां सिखाएंगे।

प्रशिक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों को आधुनिक तकनीकों जैसे डिजिटल एविडेंस प्रिजर्वेशन, साइबर ट्रैकिंग, वैज्ञानिक सैंपलिंग और फॉरेंसिक विश्लेषण की गहन जानकारी दी जा रही है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि घटनास्थल पर पहुंचते ही हर पहलू को सटीक तरीके से सुरक्षित और विश्लेषित किया जा सके। संस्थान के संस्थापक निदेशक डा. जीके गोस्वामी के अनुसार तीन बैचों का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है, जबकि चौथा बैच 27 अप्रैल से शुरू होगा। इसके बाद पांचवें चरण में सभी विशेषज्ञ तैयार कर लिए जाएंगे, जो प्रदेशभर में पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित करेंगे। राज्य सरकार की इस पहल से उत्तर प्रदेश में फॉरेंसिक आधारित पुलिसिग को नई धार मिलने की उम्मीद है। यह कदम प्रदेश को आधुनिक, तकनीक-सक्षम और मजबूत कानून-व्यवस्था वाले राज्य के रूप में और सुदृढ़ करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

मायावती ने फिर बोला कांग्रेस और सपा पर तीखा हमला

शाह टाइम्स ब्यूरो

- बसपा प्रमुख ने आरक्षण को लेकर साधा निशाना, लगातार अपना रुख बदलने का आरोप लगाया

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये दल एससी, एसटी और ओबीसी समाज के संवैधानिक अधिकारों के मुद्दे पर लगातार अपना रुख बदलते रहे हैं और अब महिला आरक्षण के नाम पर भी राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं।

मायावती ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में इन वर्गों के आरक्षण को पूरी तरह लागू करने की दिशा में कभी ठोस पहल नहीं की। उन्होंने ओबीसी आरक्षण के संदर्भ में मंडल आयोग की सिफारिशों का जिक्र करते हुए कहा कि इसे लागू कराने का श्रेय बसपा के प्रयासों और पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की सरकार को जाता है।

सपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में पिछड़े मुस्लिमों को ओबीसी का लाभ देने संबंधी आयोग की रिपोर्ट को सपा सरकार ने लंबे समय तक लागू नहीं किया, जबकि बसपा सरकार ने 1995 में इसे लागू किया था। उन्होंने आरा. ेप लगाया कि अब वही सपा राजनीतिक स्वार्थ के तहत महिलाओं के लिए अलग आरक्षण की बात कर रही है। महिला आरक्षण पर मायावती ने कहा कि परिसीमन 2011 की जनगणना के आधार पर होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कांग्रेस सत्ता में होती, तो वह भी भाजपा की तरह ही कदम उठाती।

अपने बयान में उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि देश में एससी, एसटी, ओबीसी और मुस्लिम समाज के वास्तविक हितों को लेकर कोई भी पार्टी पूरी तरह गंभीर नहीं रही है। उन्होंने इन वर्गों से अपील की कि वे किसी के बहकावे में न आएं और अपने हितों को ध्यान में रखते हुए आत्मनिर्भर बनें।

बीमार पिता से मिलने के लिए सांसद को रिहा करे केंद्रः कश्मीरी नेता

श्रीनगर, वार्ता

कश्मीर के राजनीतिक नेताओं ने केंद्र सरकार से अपील कर जेल में बंद सांसद इंजीनियर रशीद को गंभीर रूप से बीमार उनके पिता से मिलने देने के लिए मानवीय आधार पर रिहा करने का आग्रह किया है।

'अपनी पार्टी' अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से इंजीनियर रशीद की रिहाई पर विचार करने की अपील की। 'अपनी पार्टी' अध्यक्ष ने यह अपील श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल में इंजीनियर रशीद के बीमार पिता खाजिर मोहम्मद शेख से मुलाकात करने के बाद की। श्री बुखारी ने 'एक्स' पर कहा कि मैंने श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल में इंजी. नियर रशीद साहब के बीमार पिता खाजिर मोहम्मद शेख साहब से मुलाकात की। वह अपनी गंभीर बीमारी से जंग लड़ रहे हैं और उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। उनकी हालत अत्यंत चिंताजनक है और उनका परिवार बहुत ही मुश्किल और तकलीफदेह दौर से गुजर रहा है। इस मुश्किल घड़ी में हम उनके साथ खड़े हैं और अल्लाह से दुआ करते हैं कि वह खाजिर साहब को इस गंभीर स्थिति से पार पाने की हिम्मत दें। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से इंजीनियर रशीद को पैरोल देने की अपील करते हुए बुखारी ने लिखा, मैं माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और माननीय गृह मंत्री अमित शाह से अनुरोध करता हूं कि वे सांसद इंजीनियर रशीद को पैरोल देने पर विचार करें, ताकि वह अपने बीमार पिता और परेशान परिजनों के पास रह सकें।

राहुल ने संसदीय सीटों के परिसीमन विधेयक का किया कड़ा विरोध

देश का निर्वाचक मानचित्र बदलना चाहती है सरकार

नई दिल्ली, वार्ता

- विपक्ष के नेता ने कहाः यह 'देश द्रोह' है और विपक्ष इसे किसी कीमत नहीं होने देगा

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि सरकार परिसीमन की आड़ में भारत का निर्वाचक मानचित्र बदल देना चाहती है, लेकिन इससे महिलाओं का सशक्तीकरण नहीं होने वाला है। गांधी ने संसदीय सीटों के परिसीमन विधेयक का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि यह 'देश द्रोह' है और विपक्ष इसे किसी कीमत नहीं होने देगा।

गांधी ने परिसीमन विधेयक 2026, संविधान (एक सौ इकतीसवां संशोधन) विधेयक 2026 और संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक 2026 पर हो रही चर्चा में शामिल होते हुए यह भी कहा कि सरकार लोक सभा सीटों का परिसीमन और विधायिका में महिलाओं का आरक्षण जिस तरह से देना चाहती है, वह अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), दलितों और अल्पसंख्यकों के हितों पर हमला है। विपक्षी सदस्य इसका कड़ा विरोध करते हैं। उन्होंने सत्ता पक्ष से कहा कि आप ओबीसी को, दलितों को हिन्दू तो कहते हैं, लेकिन सत्ता में उन्हें स्थान नहीं देते। आप इन्हें हिन्दू तो कहते हैं, लेकिन इन्हें कोई स्थान नहीं देते। कार्पोरेट में ओबीसी, दलित कहां हैं, शिक्षा क्षेत्र में वंचित वर्ग कहां है, निजी क्षेत्र में ओबीसी-दलित कहां हैं। सार्वजनिक क्षेत्र से वंचित वर्गों को हटाया जा रहा है। गांधी ने सरकार से कहा कि महिलाओं को विधायिका में आरक्षण देने वाला पुराना विधेयक लाइए, वह उसका समर्थन करेंगे।

उन्होंने कहा कि अतीत में ओबीसी, दलित और अल्पसंख्यकों के लोगों के साथ बहुत क्रूर बर्ताव किया गया। अब यह विधेयक लाकर उनके साथ बिल्कुल वही काम किया जा रहा है। ऐसा काम किया जा रहा है, जिससे पिछड़ों और दलितों के हाथ में सत्ता कभी न आने दी जाए। उन्होंने कहा कि मनुवाद संविधान पर हावी है।

परिसीमन के बाद राज्यों की लोकसभा सीटों में कमी होने की जताईआशंका

नई दिल्ली। लोकसभा में शुक्रवार को विपक्षी दलों ने परिसीमन विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि विधेयक के इस रूप में पारित होने से दक्षिण और छोटे राज्यों का लोकसभा में प्रतिनिधित्व कम होगा और उनके हक मारे जाने की आशंका बनी रहेगी। सदन में परिसीमन विधेयक 2026, संविधान (137वां संशोधन) विधेयक 2026 और संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक 2026 पर अधूरी रही चर्चा की शुरुआत करते हुए द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की कनिमोझी ने आज कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने परिसीमन के बाद राज्यों की बढ़ने वाली लोक सभा की सीटें बढ़ाने का जो सूत्र बताया है उसे भविष्य में बदला जा सकता है। उन्होंने कहा कि परिसीमन के मामले में सरकार अपना एजेंडा लागू कर सकती है। परिसीमन आयोग की रिपोर्ट को नकारा भी जा सकता है। ऐसी स्थिति में न्याय कहां मिलेगा।

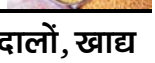

सेंसेक्स 78493.54
निफ्टी 24353.55

सोना 152998
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 239934
प्रति किलो

शेयर बाजारों में तेजी, प्रमुख सूचकांक छह सप्ताह के उच्चतम स्तर पर

मुंबई, वार्ता

घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को चौतरफा लिवाली देखी गई जिससे प्रमुख सूचकांक छह सप्ताह के उच्चतम स्तर पर बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 504.86 अंक (0.65 प्रतिशत) चढ़कर 78,493.54 अंक पर पहुंच गया।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 156.80 अंक यानी 0.65 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार की समाप्ति पर 24,353.55 अंक पर रहा। यह दोनों सूचकांकों का छह सप्ताह का उच्चतम स्तर है। छोटी और मझौली कंपनियों में जबरदस्त लिवाली रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.25 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.27 प्रतिशत ऊपर बंद हुए। आईटी की 0.02 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में लिवाली हावी रही। एफएमसीजी का सूचकांक 2.65 प्रतिशत चढ़ गया। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, धातु, मीडिया, तेल एवं गैस और रियलटी समूहों में भी अच्छी तेजी रही। सेंसेक्स की कंपनियों में हिंदुस्तान यूनीलिवर के शेयर में पौने पांच प्रतिशत का उछाल रहा। पावरग्रिड, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बीईएल, टेक महिंद्रा, टाइटन, अडानी पोर्ट्स, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक और मारुति सुजुकी के शेयर एक से दो प्रतिशत के बीच चढ़े।

एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील, इंडिगो, एचडीएफसी बैंक, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व और भारती एयरटेल के शेयर भी हरे निशान में रहे। सनफार्मा का शेयर एक प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया। महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और एलएंडटी में भी गिरावट रही।

चावल, गेहूं के दाम गिरे, दालों, खाद्य तेलों में रही घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में शुक्रवार को चावल का औसत भाव गिर गया। चावल के साथ गेहूं भी सस्ता हुआ। चीनी में टिकाव देखा गया जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत छह रुपये घटकर 3,850 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। गेहूं भी तीन रुपये सस्ता हुआ और 2,781 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत गत दिवस के स्तर पर टिकी रही। दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव नजर आया। उड़द दाल की औसत कीमत 11 रुपये प्रति क्विंटल टूट गई। तुअर दाल पांच रुपये और चना दाल चार रुपये महंगी हुई। मूंग दाल के दाम भी दो रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गए। मसूर दाल की कीमत लगभग पिछले कारोबारी दिवस पर ही रही। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जुलाई का पाम ऑयल वायदा 44 रिंगिट टूटकर 4,451 रिंगिट प्रति टन रह गया। जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.58 प्रतिशत उतरकर 68.65 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में सोया तेल की औसत कीमत 19 रुपये और पाम ऑयल की 13 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। सूरजमुखी तेल छह रुपये टूट गया। मूंगफली तेल और वनस्पति चार. चार रुपये सस्ता हुआ। सरसों तेल में तीन रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव दो रुपये प्रति क्विंटल गिर गया। चीनी पिछले दिन के स्तर पर ही पड़ी रही।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहेः दाल.दलहनः दाल चना 7696.66 रुपये, मसूर काली 8082.04 रुपये, मूंग दाल 10170.81 रुपये, उड़द दाल 10816.30 रुपये, तुअर दाल 11274.22 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2781.17 रुपये और चावल 3850.39 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3265.56 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चौहान के निर्देश पर अमानक बीज मामले में कार्रवाई

नई दिल्ली, वार्ता

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से राजधानी दिल्ली में मध्यप्रदेश के धार और खरगोन जिले के किसानों ने मिलकर उनके समक्ष करेले की फसल में अमानक बीज और रोपाई से हुए भारी नुकसान का मामला रखा। इस पर सिंह ने कड़ा रुख अपनाते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा दिलाया जाए और दोषी कंपनी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उनके निर्देशों के बाद धार जिले के मनावर थाने में संबंधित कंपनी- नुन्हेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, तेलंगाना के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। चौहान ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि किसानों के हित उनके लिए सर्वोपरि हैं। इन निर्देशों के बाद प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धाराएं 318(4) और 324(5), आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धाराएं 3 व 7 तथा बीज अधिनियम, 1966 की धारा 19 के तहत मामला दर्ज किया गया। प्राथमिकी में नुन्हेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, तेलंगाना को आरोपी के रूप में दर्ज किया गया है। किसानों की शिकायत है कि उन्होंने नवम्बर 2025 में विभिन्न नर्सरियों और कृषि सेवा केंद्रों से संबंधित इस कंपनी के बीज खरीदे थे, लेकिन बुआई और रोपण के बाद करेला फसल में अपेक्षित उत्पादन नहीं हुआ और फल छोटे, पीले होकर गिरने लगे। फसल उत्पादन में आई भारी गिरावट के बाद किसानों ने 17 फरवरी 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद कृषि वैज्ञानिकों और विभागीय अधिकारियों द्वारा जांच की गई, जिसमें प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि अमानक बीज एवं अमानक बीज से तैयार रोपे किसानों को प्रमाणित बताकर बेचे गए, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान पहुंचा।

पश्चिम बंगाल में फिर गरजेंगे योगी

शाह टाइम्स ब्यूरो

- उप्र के मुख्यमंत्री के कूचबिहार से लेकर बांकुड़ा तक ताबड़तोड़ कार्यक्रम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक बार फिर पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में उतरने जा रहे हैं। शनिवार को उनका दौरा बेहद अहम माना जा रहा है, जहां वे उत्तर से दक्षिण तक तीन जिलों में लगातार जनसभाएं और रोड शो कर पार्टी के पक्ष में माहौल बनाएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री सबसे पहले कूचबिहार जिले के माथाभांगा विधानसभा क्षेत्र में दोपहर 12 बजे जनसभा को संबोधित करेंगे। यहां वे भाजपा प्रत्याशी निशीथ प्रमाणिक के समर्थन में जनता से संवाद करेंगे। सीमावर्ती इस क्षेत्र में पार्टी अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में है और योगी की सभा को इस दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके बाद मुख्यमंत्री जलपाईगुड़ी जिले के धुपगुड़ी विधानसभा क्षेत्र पहुं. चेंगे, जहां दोपहर 1:20 बजे भाजपा उम्मीदवार नरेश चंद्र रॉय के समर्थन में जनसभा करेंगे। उत्तर बंगाल में पिछले चुनावों में मिली बढ़त को और मजबूत करने पर पार्टी का विशेष फोकस है। दिन के अंतिम चरण में मुख्यमंत्री बांकुड़ा पहुंचेंगे, जहां शाम 4:15 बजे भाजपा प्रत्याशी नीलाद्रि शेखर दाना के समर्थन में रोड शो करेंगे। जंगलमहल क्षेत्र के इस अहम जिले में इस रोड शो को शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है और स्थानीय स्तर पर इसकी व्यापक तैयारियां की गई हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की हालिया रैलियों में उमड़ रही भारी भीड़ ने कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भर दिया है। उनकी जनसभाओं में लोगों का उत्साह इस कदर देखने को मिल रहा है कि कार्यक्रम स्थल समय से पहले ही खचाखच भर जा रहे हैं।

जन समस्याओं का त्वरित समाधान कराएं अधिकारीः योगी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं और समस्या से जुड़ी शिकायत पर तेजी से कार्रवाई करते हुए गुणवत्तापूर्ण व संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित कराएं। जनता दर्शन कार्यक्रम में पहुंचे 200 लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा कि घबराइए मत। सरकार, आपकी हर समस्या पर प्रभावी समाधान सुनिश्चित कराएगी।

कफ सिरप तस्करी मामले में शुभम जायसवाल समेत 18 के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के बहुचर्चित प्रतिबंधित कोडीनयुक्त कफ सिरप मामले में गुरुवार को कोतवाली पुलिस ने भगोड़े सरगना शुभम जायसवाल समेत 18 आरोपियों के खिलाफ माननीय न्यायालय में 38,000 पेज की चार्जशीट दाखिल कर दी है। दूसरी ओर, भगोड़े शुभम जायसवाल को देश लाने की कवायद भी तेजी से चल रही है। कोतवाली पुलिस ने कोडीनयुक्त कफ सिरप की अवैध बिक्री एवं तस्करी से जुड़े बड़े मामले में लगभग 38,000 पेज की चार्जशीट वाराणसी न्यायालय में दाखिल की है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त वाराणसी के अपराध नियंत्रण अभियान के तहत की गई। मामला थाना कोतवाली कमिश्नरेट वाराणसी में मुक. दमा संख्या 235/2025 के तहत पंजीकृत है। आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 26(डी) के साथ ही बढ़ोत्तरी में धारा 61(2), 318(4), 336(3), 338, 340(2) बीएनएस तथा एनडीपीएस एक्ट की धाराएं 8, 21, 29 और 27ए के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस उपायुक्त काशी जोन के निर्देशन, अपर पुलिस उपायुक्त काशी जोन के पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली एवं प्रभारी निरीक्षक कोतवाली के नेतृत्व में यह चार्जशीट तैयार की गई है। इसमें कुल 18 अभियुक्त नामजद किए गए हैं, जिनमें एक फरार अभियुक्त भी शामिल है। प्रमुख अभियुक्त शुभम जायसवाल को भगोड़ा घोषित किया जा चुका है। अन्य प्रमुख अभियुक्तों में भोला प्रसाद जायसवाल, प्रतीक मिश्रा, विशाल कुमार सोनकर, प्रतीक कुमार, धर्मेंद्र कुमार अग्रवाल, आदित्य जायसवाल, राहुल यादव, हिमांशु कसेरा, आकाश पाठक, विकास सिंह, अंकित कुमार श्रीवास्तव, स्वप्निल केसरी, दिनेश यादव, आशीष यादव, महेश खेतान, बादल आर्या और विशाल कुमार जायसवाल शामिल हैं।

गंगा में नहाने गये दो युवकों की डूबकर मौत

छह घंटे के बाद मिले शव, रहरा थाना क्षेत्र के गांव पौरारा घाट की घटना, मचा कोरहाम

शाह टाइम्स संवाददाता

अमरोहा। दोस्तों के साथ गंगा नहाने गए दो युवक गंगा किनारे के नजदीक जल में डूब गए। करीब 6 घंटे की मशक्कत के बाद स्थानीय लोगों व गोताखोरों ने दोनों के शव बरामद किए हैं।

रहरा थाना क्षेत्र के गांव फूलपुर निवासी अतुल कसाना उम्र करीब 20 वर्ष पुत्र विजय सिंह, गांव निवासी अपने पड़ोसी व दोस्त सोहित कुमार उम्र करीब 19 वर्ष के साथ शुक्रवार दोपहर गांव से बाइक पर सवार होकर गंगा नहाने गए थे।गांव निवासी पवन कुमार, आकाश कुमार,प्रियंक कुमार,निशांत कुमार व थाना डिडौली के गांव पूरनपुर निवासी रोहित कुमार का साला कालू भी इनके साथ था। सभी आठों लोग गंगा किनारे अपनी बाइक खड़ी करके गंगा के दूसरी छोर पर नहाने चले गए। इसी बीच गंगा नहाने के बाद रोि. हत कुमार उसका भाई सोहित व अतुल गंगा नहाने के बाद गंगा के दूसरी छोर पर वापस लौट रहे थे। गंगा किनारे के नजदीक अधिक जल होने के कारण सोहित कुमार व अतुल कुमार वहां डूब गए। साथियों ने इसकी सूचना अतुल रोहित के परिजनों को दी।आनन-फानन में सैकड़ो ग्रामीण गंगा घाट पर पहुंच गए तथा क्षेत्रीय गोताखोरों व स्थानीय लोगों ने दोनों की तलाश जारी कर दी। उधर सूचना पाकर रहरा थाने के एसएसआई संदीप पवार भी पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंच गए। करीब 6 घंटे की मशक्कत के बाद शाम 7:00 बजे स्थानीय लोगों व गोताखोरों ने अतुल व सोि. हत के शव बरामद किये है। मृतक अतुल तीन भाइयों में सबसे छोटा व मृतक सोहित भाइयों में छोटा था। एक ही गांव से दो युवकों की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। खबर लिखे जाने तक दोनों मृतकों के शवों के पंचनामा की तैयारी चल रही थी।

मासूम से दरिंदगी के दोषी को उम्रकैद

कोर्ट ने 70 हजार का जुर्माना भी लगाया

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। मासूम से दरंदिगी के मामले में कोर्ट ने मात्र साठ दिन में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए दोषी को उम्रकैद व 70 हजार रूपये जुर्माने की सजा सुनाई।

घटना सैदनगली थाना क्षेत्र के एक गांव की थी। गांव निवासी किसान की साढ़े तीन साल की बेटी 6 जनवरी 2026 की देर शाम अपने घर के बाहर खेल रही थी। एक व्यक्ति वहां से उसे बहला-फुसला कर अपने साथ ले गया था तथा कुछ दूर ले जाने के बाद सूनसान इलाके में उसने बच्ची के साथ दरिंदगी की थी। वहीं, घर के बाहर से खेलते हुए अचानक गायब होने पर ढूंढने निकले परिजनों को बच्ची गांव के बाहर बेहोशी की हालत में मिली थी। परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराते हुए थाने को सूचना दे दी थी। इसके बाद पुलिस ने पीड़िता की मां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। इलाके में आपरेशन त्रिनेत्र के तहत लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर गुनेहगार की शिनाख्त 48 वर्षीय गजेंद्र निवासी गांव कुंदरकी भूड़ के रूप में हुई थी। पुलिस ने उसी रात में गजेंद्र को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस की ओर से आत्मरक्षार्थ की गई फायरिंग में उसके पैर में गोली लगी थी। जरूरी पुछताछ के बाद पुलिस ने आरोपी गजेंद्र को कोर्ट में पेश किया था। रिमांड मंजूर होने पर वहां से उसे जेल भेज दिया था। मुकदमे की विवेचना थाने में तैनात वरिष्ठ उपनिरीक्षक(एसएसआई) दीपक कुमार द्वारा की गई। जिसे महज 27 दिन में पूरा करते हुए उन्होंने दो फरवरी 2026 को अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी थी। इसके बाद कोर्ट ने 17 फरवरी को मुकदमा ट्रायल पर लेकर सुनवाई शुरू कर दी थी। इस दौरान पीड़ित बच्ची ने अदालत में गजेंद्र की शिनाख्त कर घटना के संबंध में अपने बयान दर्ज कराए थे। 60 दिन तक चली सुनवाई में कुल 12 तारीख पड़ीं तथा नौ लोगों की गवाही कराई गई। इस बीच तमाम कोशिश के बाद भी गजेंद्र को जमानत नहीं मिली। मुकदमा अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायालय पॉक्सो प्रथम की अदालत में विचाराधीन था। अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक रतनलाल लोधी कर रहे थे तथा अमरोहा पुलिस की तरफ से पैरोकारी थाना सैदनगली के पैरोकार राजकुमार सिंह ने की। 60 दिन तक चली सुनवाई में अदालत ने गुरुवार को गजेंद्र को दोषी करार दिया था। जबकि शुक्रवार यानि आज 17 अप्रैल को 60 दिन के भीतर गजेंद्र को उम्रकैद (शेष बचे जीवनकाल सहित) की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक ने बताया कि दोषी पर 70 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

सपा डेलीगेशन को पुलिस ने नोएडा जाने से रोका

नेता विरोधी दल माताप्रसाद पाण्डेय, विधायक कमाल अख्तर समेत दस नेता हिरासत में लिये गये

शाह टाइम्स संवाददाता

अमरोहा/नोएडा। नोएडा में पीड़ित श्रमिकों की समस्याओं को जानने के लिए नोएडा जाने से पूर्व सपा के दस सदस्य

■ श्रमिकों को उनका हक नहीं देना चाहती भाजपा: कमाल

डेलीगेशन को पुलिस ने रास्ते में रोक लिया तथा उन्हें हिरासत में लेकर पुलिस लाइन ले जाया गया।

बताते चलें कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी के दस सदस्य डेलीगेशन को नोएडा में चल रहे श्रमिकों के आंदोलन की हकीकत जानने के लिए वहां भेजा था। इस डेलीगेशन में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, पूर्व मंत्री एवं

कांठ विधायक कमाल अख्तर, पूर्व विधायक सुधीर भाटी, जिलाध्यक्ष आश्रय गुप्ता, पूर्व मंत्री शाहिद मंजूर, विधायक पंकज मलिक, अतुल प्रधान, पूर्व एमएलसी प्रशांत यादव, प्रवक्ता राज कुमार भाटी, सुनील चौधरी को यहां भेजा था। परन्तु रात में ही प्रशासन ने पहले तो इन सभी नेताओं को उनके घरों में नजर बंद कर दिया परन्तु पुलिस को चकमा देकर सपा के सभी नेता यूपी भवन पहुंच गये। जब डेलीगेशन नोएडा जाने की जिद पर अड़ा तो पुलिस ने इन सभी को हिरासत में ले लिया। परन्तु सभी नेता नोएडा जाने की जिद पर अड़ गये जिससे प्रशासन के हाथ पैर फूल गये तथा विधायक कमाल अख्तर समेत सभी नेताओं को पुलिस हिरासत में ले लिया तथा पुलिस लाइन ले गयीं जहां विधायक कमाल अख्तर ने कहा कि नोएडा क्षेत्र में श्रमिकों से दस से 12 घंटे तक काम लिया जा रहा है तथा उन्हें दस से 12 हजार रूपये का वेतन दिया जाता है। उन्हें साप्ताहिक अवकाश भी नहीं मिलता। श्रमिक लम्बे समय से वेतन वृद्धि एवं ओवर टाइम भुगतान की मांग कर रहे हैं। नोएडा फेस टू के कर्मचारियों द्वारा शांतिपूर्ण ढंग से धरना दिया जा रहा था परन्तु प्रशासन द्वारा शांतिपूर्ण आंदोलन को बलपूर्वक दबाने का प्रयास किया गया तथा श्रमिकों पर जबरन बर्बर लाठीचार्ज किया गया। सपा का डेलीगेशन जब श्रमिकों को उनका हक दिलाने के लिए नोएडा जा रहा था तो उसे रोक दिया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार श्रमिकों का दमन कर रही है। जिसे सपा किसी कीमत बर्दाश्त नहीं करेगी। देर शाम पुलिस ने हिरासत में ले लिये गये नेताओं को रिहा कर दिया।

हाइवे पर पलटा भूसा लदा ट्रक, चालक घायल

शाह टाइम्स ब्यूरो रजबपुर। क्षेत्र में गुरुवार रात एक सड़क हादसा हो गया। भूसा लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। यह घटना रात करीब 11 बजे अतरासी-अमरोहा मार्ग की है। बताया जा रहा है कि ट्रक की कमानी टूटने के कारण वह अनियंत्रित हो गया था। ट्रक सड़क के बीच में पलटने के बजाय किनारे पर पलटा, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। ट्रक ठाकुरद्वारा जा रहा था। ट्रक चालक की पहचान मुरादाबाद के ललवारा निवासी मुर्शीद पुत्र शकील के रूप में हुई है। हादसे के बाद मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात को सुचारू कराया। सीओ सिटी अभिषेक यादव ने बताया कि मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

नाबालिग से कुकर्म में बाल अपचारी गिरफ्तार

बार सुधार गृह भेजा

शाह टाइम्स ब्यूरो

रजबपुर। थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग छात्र से कुकर्म के प्रयास में पुलिस ने बाल अपचारी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गुरुवार को हिरासत में लेकर न्यायिक प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद उसे बाल सुधार गृह भेज दिया।

घटना मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे की है। क्षेत्र के एक गांव निवासी 10 वर्षीय छात्र, जो कक्षा 7 में पढ़ता है, को गांव का ही एक किशोर बहला-फुसलाकर पंचायत भवन के बाथरूम में ले गया था। उसने छात्र के साथ कुकर्म का प्रयास किया था। पीड़ित छात्र ने घर पहुंचकर परिजनों को आपबीती बता दी थी। घटना सामने आने के बाद पीड़ित के पिता ने रजबपुर थाने में लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने पीड़ित पिता की तहरीर पर तत्काल पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। रजबपुर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साक्ष्य जुटाए और गुरुवार को बाल अपचारी को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने आरोपी बाल अपचारी को हिरासत में लेकर न्यायिक प्रक्रिया पूरी की, कोर्ट में पेश करने के बाद उसे बाल सुधार गृह भेज दिया।

पुलिस ने औद्योगिक क्षेत्र में निकाला फ्लैग मार्च

शाह टाइम्स संवाददाता,

गजरौला। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में औद्योगिक क्षेत्र गजरौला में संभावित मजदूर आंदोलन की आशंका के दृष्टिगत कानून व्यवस्था को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाए रखने हेतु व्यापक स्तर पर सुरक्षा प्रबंध किए गए। इसी क्रम में शुक्रवार को क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए

■ मजदूर आंदोलन की आशंका के चलते पुलिस प्रशासन अलर्ट

रखने तथा आमजन में सुरक्षा का भाव स्थापित करने के उद्देश्य से फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज त्यागी के नेतृत्व में पीएसी कंपनी एवं रिक्रूट आरक्षियों के साथ संयुक्त रूप से निकाला गया। फ्लैग मार्च के दौरान औद्योगिक क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील स्थानों, मुख्य मार्गों एवं फैक्ट्री परिसरों के आसपास गहन

भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। पुलिस बल द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखी गई। फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि किसी भी प्रकार की अफवाह या असामाजिक तत्वों की गतिविधियों से कानून व्यवस्था प्रभावित न हो तथा क्षेत्र में पूर्ण रूप से शांति एवं सामान्य स्थिति बनी रहे। पुलिस ने यह संदेश दिया गया कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

धर्मांतरण के खिलाफ विहिप का प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता मंडी धनौरा। अवैध धर्मांतरण और कथित लव जिहाद की घटनाओं को लेकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने तहसील मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पुतला फूंककर नारेबाजी की और राष्ट्रव्यापी सख्त कानून बनाए जाने की मांग उठाई। बजरंग दल के प्रांत गोरक्षा प्रमुख पश्चिम उत्तर प्रदेश हेमंत सारस्वत ने कहा कि देशभर में सामने आ रही घटनाएं गंभीर चिंता का विषय हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों तक में धर्मांतरण से जुड़े षड्यंत्र सामने आ रहे हैं, जिनकी गहन जांच जरूरी है। प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष अशोक सैनी, योगेश चौधरी, कुशल चौधरी, अखिलेश भाटी, विपिन शर्मा, सुरजीत, राजीव, अंकित सैनी, अभिषेक, भूपेश, पराग अग्रवाल, पीयूष शर्मा, दीपक यादव, अनु अग्रवाल, हर्षित सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गरीब महिलाओं को बैंकिंग से जोड़ने पर जोर

शाह टाइम्स संवाददाता मंडी धनौरा। शुक्रवार को विकास खंड धनौरा के सभागार में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत बैंक सखियों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक का मकसद गांव की महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना और उन्हें सरकारी योजनाओं का फायदा दिलाना रहा। खंड विकास अधिकारी प्रतिभा अग्रवाल ने बैंक सखियों को मिशन की रीढ़ बताते हुए कहा कि वे गांव-गांव में स्वयं सहायता समूह बनवाने का काम पूरी लगन और सेवा भाव से करें। इस दौरान लेखाकार जितेंद्र सिंह, कनिष्ठ सहायक विशाल कुमार के साथ सवीता देवी, कुसुम देवी, मीनाक्षी, कविता, विदेश, टीना, रितू, अनीता कुमारी, गजेंद्री और गनीता समेत कई बैंक सखियां मौजूद रहीं।

न्याय और सम्मान के प्रतीक हैं भगवान परशुराम

शाह टाइम्स संवाददाता,

गजरौला। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के तत्वाधान में भगवान परशुराम की जयंती हर्षोल्लास के साथ गई। इस दौरान अनुयायियों ने उनके बताये मार्ग पर चलकर देश और समाज को मजबूत करने का संकल्प लिया, वहीं सीबीएसई बोर्ड की हाईस्कूल परीक्षा में जिला टॉपर छात्रा अक्षिता शर्मा और उनके माता पिता को भी सम्मानित किया गया।

नगर के शुक्लपुरी में आयोजित कार्यक्रम में अनुयायियों ने भगवान परशुराम की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित करके उन्हें नमन किया। इस

■ धूमधाम से मनी जयंती, छात्रा अक्षिता शर्मा को किया सम्मानित

मौके पर संगठन के संरक्षक एवं पूर्व चैयरमेन रोहताश कुमार शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम न्याय और सम्मान के प्रतीक हैं। हमें उनके बताये मार्ग पर चलकर देश और समाज को मजबूत करना चाहिए। प्रदेश सचिव डॉ.रविंद्र शुक्ल ने कहा कि भगवान परशुराम शस्त्र और शास्त्र शिक्षा के साथ-साथ न्याय के लिए जाने जाते हैं। उनके विचारों का पालन करते हुए महासभा, ब्राह्मण समाज के प्रत्येक व्यक्ति के सुख-दु:ख में कंधे से कंधा मिलाकर

खड़ी रहेगी। डॉ.राजीव शुक्ल ने ब्राह्मण समाज से कुरीतियां त्यागने पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान सीबीएसई हाईस्कूल परीक्षा में एसआरएस इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा अक्षिता शर्मा को सर्वाधिक अंक प्राप्त करके जिला टॉपर बनने पर उनकी माता अनुराधा शर्मा और पिता अजय शर्मा सहित सम्मानित किया गया। इस मौके पर देवेंद्र शर्मा, योगेंद्र शर्मा, देवेंद्र शर्मा, जय भारद्वाज, एसवीत्रिपाठी, विवेक शर्मा, अरविंद शर्मा, अशोक शर्मा,श्याम सुंदर कौशिक, बाबूराम शर्मा, अभिमन्यु शर्मा, संजू शर्मा, दिनेश शर्मा, रामजी शर्मा, वीके शर्मा, अश्वनी शर्मा, महेश शर्मा, सुनील तिवारी, सतीश चंद्र शर्मा, मुकेश शर्मा, नीरज शर्मा, राजेश शर्मा, पीके उपाध्याय, संतोष राय, रविंद्र शर्मा, डीएन शर्मा, अनुराग शर्मा, विवेक शर्मा, जागेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

महिला के साथ मारपीट

शाह टाइम्स संवाददाता,

गजरौला। थाना क्षेत्र के एक गांव में एक महिला को उसके जेठ और जेठानी ने लाठी डंडो से मारपीट करके घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

थाना क्षेत्र के गांव सलेमपुर गौसाई निवासी टीटू की पत्नी संगीता का आरोप है कि उसके साथ जेठ मुकेश व गजेन्द्र और जेठानी रूपवती व पूनम ने लाठी डंडो से मारपीट करके घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता ने थाने पहुंचकर आरोपियों के विरूद्ध तहरीर दी। पुलिस ने चारों आरोपियों के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

वाईएमएस में टॉपर्स हुए सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता मंडी धनौरा। नगर के वाईएमएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सीबीएसई बोर्ड कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम घोषित होते ही खुशी का माहौल छा गया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्कूल का नाम रोशन किया। परीक्षा परिणाम में मो. साकिब ने 95.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं सैफ अली ने 83.40 प्रतिशत अंक लेकर द्वितीय और इरा सुऐब ने 82.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर स्कूल प्रबंधक रियाज अहमद सैफी ने सभी सफल छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता छात्रों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। साथ ही शिक्षकों के अथक प्रयासों की भी सराहना की। इस अवसर पर डायरेक्टर आसमा खातून, नाजिम सैफी, प्रधानाचार्य मो. आकिल, आसिफ अली, कासिम अली एवं राहुल सिंह सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

वैशाख अमावस्या पर हर हर गंगे के जयकारों से गूंजे तट

शाह टाइम्स संवाददाता,

गजरौला। वैशाख अमावस्या पर ब्रजघाट एवं तिगरी में श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर सुख-स्मृद्धि और पितरों की शांति के लिए प्रार्थना की। सुबह और शाम को गंगा आरती में भी श्रद्धालुओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। सुरक्षा के द्रष्टिगत पुलिस तैनात रही।

वैशाख अमावस्या पर गंगा स्नान करने के लिए दूर स्थानों पर रहने वाले श्रद्धालु गुरूवार की शाम से ही ब्रजघाट में पहुंचना शुरू हो गए थे। श्रद्धालुओं ने अपनी सुविधानुसार यहां स्थित होटलों, सराय, धर्मशालाओं के साथ मंदिर परिसर में रात बिताई और शुक्रवार

■ पितरों को किया जल अर्पित, कराई पूजा पाठ

की भोर से ही स्नान करना प्रारंभ कर दिया। वहीं आसपास के श्रद्धालु निजी वाहनों, बसों, टैक्सियों आदि के माध्यम से ब्रजघाट पहुंचे और गंगा में स्नान किया। अपरान्ह तक यहां स्नान का सिलसिला चलता रहा। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने पुरोहितों के माध्यम से पितरों की शांति के लिए कथा और जाप कराया और उन्हें नकद धनराशि, वस्त्र आदि भेंट किए। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिरों के दर्शन किए और बच्चों के लिए खेल-खिलौने भी खरीदे। ब्रजघाट के साथ ही तिगरी में भी श्रद्धालुओं ने अच्छी संख्या में स्नान किया। यहां पर ग्रामीण आंचलिक क्षेत्र के श्रद्धालुओं की काफी संख्या रही। श्रद्धालु ट्रैक्टर ट्रालियों व निजी वाहनों से यहां पहुंचे और आस्था के साथ गंगा स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। श्रद्धालुओं की सुरक्षा हेतु पुलिस बल तैनात रहा। ज्योतिषी पंडित दयानंद शर्मा ने बताया कि वैशाख अमावस्या का हिन्दू धर्म में विशेष महत्तव है। यह दिन पितरों की शांति के लिए बहुत ही महत्तवपूर्ण माना जाता है। इस दिन गंगा में स्नान करके पितरों को जल अर्पित करने से उन्हें शांति मिलती है। उधर वैशाख अमावस्या के मौके पर ब्रजघाट और तिगरी सहित नगर स्थित मंदिर में भंडारे आयोजित करके प्रसाद का वितरण किया गया।

■ गजरौला। वैशाख अमावस्या पर ब्रजघाट स्थित गंगा में स्नान करते श्रद्धालु।

खेत से गेहूं निकालने को दो पक्षों में खूनी संघर्ष

छह घायल, 34 के खिलाफ मुकदमा

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। देहात थाना क्षेत्र के गांव कालीलेट में गेहूं की निकासी के दौरान उठी धूल को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले और फायरिंग भी हुई। इस खूनी संघर्ष में एक महिला सहित छह लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हालात को काबू में कर घायलों को अस्पताल भिजवाया। पुलिस के अनुसार, मामले में दोनों पक्षों की ओर से कुल 11 नामजद और 23 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि गांव निवासी किसान कृपाल सिंह के मुताबिक 15 अप्रैल की सुबह करीब साढ़े आठ बजे गांव का ही मोहित अपने खेत में गेहूं निकाल रहा था। इस दौरान मशीन से उड़ रही धूल उनके घर तक पहुंच रही थी। आरोप है कि कृपाल सिंह के बेटे सोमपाल और भतीजे राहुल ने मोहित से मशीन की दिशा बदलने को कहा, जिससे नाराज होकर मोहित, राहुल, कपिल और यश समेत अन्य लोगों ने हमला कर दिया। शोर सुनकर बीच-बचाव करने पहुंचे परिजनों के साथ भी मारपीट की गई। आरोप है कि हमलावरों ने तमंचे से फायरिंग की और उसकी बट से वार कर कई लोगों को घायल कर दिया। इस घटना में सोमपाल, राहुल और राकेश के सिर में गंभीर चोट आई, जबकि नीरज और कैलाशी भी घायल हुए। वहीं, दूसरे पक्ष की ओर से मोनिका ने दी तहरीर में आरोप लगाया कि उसी दिन उसका देवर मोहित घर के पीछे खेत में गेहूं निकलवा रहा था। तभी गांव के सोमपाल, राहुल, राकेश, बबलू, अमन, अरुण और संजीव समेत 10-12 लोग लाठी-डंडों और धारदार हथियारों के साथ पहुंचे और जबरन मशीन बंद कराने लगे। विरोध करने पर गाली-गलौज करते हुए मारपीट की गई। मोनिका का आरोप है कि जब वह और उसके पति राहुल बीच-बचाव करने पहुंचे तो हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया, जिससे वह, उनके पति और देवर मोहित गंभीर रूप से घायल हो गए। सीओ अविनाश भदौरिया ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई की जाएगी।

किसान को कार से कुचलने का आरोप

कार्रवाई को थाने गेट पर प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। ग्रामीणों ने किसान को जबरन कार से कुचलने का आरोप लगाते हुए थाने के गेट पर प्रदर्शन कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। कोतवाली क्षेत्र के गांव रुद्रपुर मजरा कनेटा निवासी रघुवीर पुत्र यादराम बीती रात एक बजे दावत खाकर घर लौट रहे थे। रघुवीर के अनुसार जैसे ही वह रहरा अड्डे के पास पहुंचा तभी गांव के ही दबंग ने अपने एक अज्ञात साथी के साथ बोलेरो कार से उसका पीछा करना शुरू कर दिया। आरोप है कि आरोपी बार-बार ओवरटेक कर उसे गिराने का प्रयास करता रहा। किसी तरह वह बचता रहा, लेकिन तीसरा मील स्थित पेट्रोल पंप के पास आरोपी ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। पीड़ित ने बताया कि पहली टक्कर से संभलने के बाद आरोपी ने कार को पीछे लेकर दोबारा उस पर चढ़ा दी। जिससे उसकी टांग, सीने सहित शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। सूचना पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन आरोपी कार लेकर भाग निकले। बताया जा रहा है कि उनकी गाड़ी खेत में फंस गई, जिसके बाद वे वाहन छोड़कर फरार हो गये। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर थाने पहुंचा दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने कोतवाली गेट पर प्रदर्शन कर आरो. पियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

नर्सरी में आग लगने से लाखों के पेड़ जले

रंजिशन आग लगाने का आरोप, दी तहरीर

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। रॉजशन में नर्सरी में लगाई गई आग से लाखों रुपयों के पेड़ झुलस गये। फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

कोतवाली क्षेत्र गांव सिहाली जागीर निवासी अजमल खान पुत्र जमील खान की पड़ोसी गांव अगरौला कलां में नर्सरी है। नर्सरी के आगे कुछ ग्रामीणों ने अपनी कूड़ी डाल रखी है। बुधवार को किसी ने कूड़ी में आग लगा दी। कुछ देर में ही आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। कूड़ी की आग ने नर्सरी के पेड़ों को जलाना शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंच गई तथा कड़ी के बाद आग पर काबू पाया। पीड़ित अजमल का कहना है किसी ने रंजिशन कूड़ी का सहारा लेकर नर्सरी में आग लगाई है। पीड़ित ने अज्ञात के खिलाफ तहरीर दे दी है। मनौटा चौकी इंचार्ज प्रमोद कुमार ने बताया तहरीर मिली है मामले की जांच की जा रही है।

महिलाओं के विकास में मील का पत्थर साबित होगा विधयेक

जेएस कालेज में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर कार्यक्रम

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल के तहत जे.एस. हिंदू पीजी कॉलेज में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रचार-प्रसार हेतु नारी शक्ति सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम की सबसे खास बात यह रही कि मंच पर मौजूद सभी 9 वक्ता महिलाएं थीं, जिन्होंने पूरे सम्मेलन का नेतृत्व किया।

सम्मेलन में प्रो. बीना रूस्तगी ने अधिनियम की विस्तार से जानकारी देते हुए इसे महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने वाला ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं को स्वतंत्र और निष्पक्ष वातावरण मिलेगा और वे देश के विकास में और अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगी। अन्य वक्ताओं ने भी इस विधेयक को महिलाओं के विकास के लिए मील का पत्थर बताया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य प्रो. वीर वीरेंद्र सिंह ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए इस संदेश को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने की अपील की। संचालन डॉ. सविता राणा ने किया।

सीटीओ पद पर चयनित चमन का स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता, गजरौला। अखिल भारतीय अम्बेडकर युवक संघ के कार्यकर्ताओं ने यूपीपीसीएस की परीक्षा में वाणिज्य कर अधिकारी के पद पर चयनित हुए अभ्यर्थी धर्म प्रकाश को सम्मानित किया। गुरुवार की देर शाम ब्लॉक क्षेत्र के गांव अहरौला तेजवन में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक हरपाल सिंह के प्रतिनिधि विपिन सागर एवं संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष दयाराम गौतम ने धर्म प्रकाश को स्मृति चिन्ह व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। बता दें कि धर्म प्रकाश अमरोहा के रामहठ गांव के निवासी हैं और वर्तमान में हैदराबाद में जीएसटी एंड कस्टम विभाग में अधीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने इस पद पर सेवा करते हुए तैयारी करके यूपीपीसीएस की परीक्षा में सफलता प्राप्त की और उन्हें वाणिज्य कर अधिकारी पद पर चयन मिला। इस मौके पर सुमन प्रकाश, सुरेंद्र सैनी, महिपाल सैनी, चंद्रपाल सिंह, बाबूराम बौद्ध, संजीव सिंह, गौरव कुमार, जसवंत सिंह, गंगासरन सिंह, आशीष गौतम, चंद्रमुखी गौतम , अपर्णा गौतम, मनी सिंह, दीक्षा गौतम मौजूद रहे।

जल्द फार्मर रजिस्ट्री करायें किसानः डीएम

प्रदेश में जिले को मिला सातवां स्थान

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। डीएम श्रीमती निधि गुप्ता वत्स ने किसानों से अपील करते कहा कि वे जल्द अपनी फार्मर रजिस्ट्री बनवा लें। इसके लिए आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर व खतौनी व गाटा संख्या होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि जनपद के 82% किसानों की फार्मर रजिस्ट्री करा दी गयी है तथा जनपद प्रदेश में 07वें स्थान पर हैं।

जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में ग्राम बरखेड़ा राजपूत एवं पलौला में फार्मर रजिस्ट्री के विशेष शिविर आयोजित किए गए। इसी क्रम में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में ग्राम टिकिया में भी कैंप लगाया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री (किसान आईडी/गोल्डन कार्ड) एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जिसमें किसान की भूमि का पूरा विवरण दर्ज रहता है। अब प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बिक्री, खाद-बीज, किसान क्रेडिट कार्ड सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए यह अनिवार्य कर दी गई है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे जल्द अपनी फार्मर रजिस्ट्री बनवा लें। इसके लिए आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर और खतौनी/गाटा संख्या आवश्यक है। किसान नजदीकी जन सेवा केंद्र या मोबाइल के माध्यम से स्वयं भी पंजीकरण कर सकते हैं। डीएम ने बताया कि जनपद के 82% किसानों की फार्मर रजिस्ट्री करा दी गयी है ताा जनपद प्रदेश में 07वें स्थान पर हैं।

एमएस में बैलेट पेपर से चुने गये हेड बॉय-गर्ल

छात्रों ने सीखा मतदान का महत्व

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। एम.एस. पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया का व्यावहारिक अनुभव देने के उद्देश्य से हेड बॉय और हेड गर्ल का चुनाव पूरी पारदर्शिता और विधिवत प्रक्रिया के साथ संपन्न कराया गया। चुनाव के दौरान स्कूल परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा और छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ इसमें भागीदारी निभाई।

हेड गर्ल पद के लिए कक्षा 12 की छात्राएं लुब्ना और वैभवी सिंह के बीच मुकाबला हुआ, जबकि हेड बॉय पद के लिए लविश कुमार और शिवा भंडारी आमने-सामने रहे। चुनाव में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए लोकतंत्र की ताकत को महसूस किया। स्कूल प्रशासन ने चुनाव को पूरी तरह वास्तविक बनाने के लिए बैलेट पेपर, मतपेटी और मतगणना जैसी सभी प्रक्रियाओं का पालन कराया। मतदान के दौरान छात्रों में गजब का उत्साह देखने को मिला और सभी ने अनुशासन के साथ अपनी बारी का इंतजार करते हुए मतदान किया। परिणाम घोषित होने पर हेड गर्ल पद पर वैभवी सिंह ने 235 वोट प्राप्त कर शानदार जीत हासिल की, जबकि हेड बॉय पद पर लविश कुमार ने 232 वोट पाकर अपने प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ दिया। कुल 328 वोट डाले गए, जो छात्रों की सक्रिय भागीदारी को दर्शाते हैं। विजयी उम्मीदवारों के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई और उन्हें बधाइयां देने का सिलसिला शुरू हो गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या अंजली चौधरी ने कहा कि इस तरह के चुनाव विद्यार्थियों को न केवल नेतृत्व के गुण सिखाते हैं, बल्कि उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में भी प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि मतदान का अधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है और इसे समझना बेहद जरूरी है। निर्देशिका बबीता सिंह ने भी विजयी छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के दौरान अतुल कुमार, मनु शर्मा, मयंक शर्मा, संध्या मिश्रा, अंकुर शर्मा, विकास कुमार, राजेंद्र कुमार, पुष्कर चौहान, अमित कुमार, मयंक जैन सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा और चुनाव प्रक्रिया को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

शार्ट सर्किट से फ्रिज में लगी आग, घरेलु सामान भी जला

शाह टाइम्स संवाददाता, गजरौला। शॉर्ट सर्किट होने से फ्रिज में धमाके के साथ आग लग

■ **घर के सदस्यों ने भागकर बचाई जान**

गई। घटना के बाद घर में मौजूद लोगों ने भाग कर अपनी जान बचाई। फ्रिज में लगी आग की चपेट में आकर घर में रखा सामान भी जलकर राख हो गया था। जानकारी के अनुसार नगर के मोहल्ला अंबेडकर नगर में आँकित पुत्र लटूरी का परिवार रहता है।

शुक्रवार की सुबह घर की रसोई में रखे फ्रिज में शॉर्ट सर्किट के बाद तेज धमाका के साथ आग लग गई। घटना के बाद घर में मौजूद लोगों में अफरा तफरी मच गई और उन्होंने घर के बाहर भाग कर अपनी जान बचाई। वहीं फ्रिज में लगी आग पूरे घर में फैल गयी। बिजली का मेन स्विच बंद करके आसपास के लोगों की मदद से आग पर पानी डालकर काबू पाया, लेकिन तब तक फ्रिज व घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो चुका था। गृहस्वामी आँकित ने बताया है कि आग से करीब 50 हजार रूपए का नुकसान हुआ है।

अमन का रास्ता अपनाना चाहती दुनिया: इलाही

ईरानी धर्मगुरु का कस्बे में गर्मजोशी से इस्तबाल

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। गुरुवार रात कस्बे में पहुंचे ईरानी धर्मगुरु हकीम इलाही का बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने गर्मजोशी से इस्तकबाल किया। पंजेतेी गेट से जुलूस की शक्ल में काफिला शिया जामा मस्जिद पहुंचा। उलेमाओं से मुलाकाती दौर के बाद हकीम इलाही ने मगरिब और ईशा की नमाज अदा कराई। इसके बाद वह यहां से इमाम बारगाह शहफरीद में आयोजित मजलिस में पहुंचे। जिसका आयोजन ईरानी सुप्रीम लीडर सैय्यद आयातुल्लाह अली खामेनेई की शहादत के सिलसिले में किया गया था। आयोजन में कस्बे के एहले सुन्नत के लोग भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। जिनका नेतृत्व कर रहे हाफिज मोहम्मद फरमान ने शुरुआती दौर में अली खामेनेई की शहादत पर पुरसा पेश किया। इसके बाद मजलिस को खिताब करते हुए हकीम इलाही ने कहा कि आज पूरी दुनिया का मुसलमान जुल्म-ज्यादती के खिलाफ एक प्लेटफार्म पर आ खड़ा हुआ है। ये शहादत रंग जरूर लाएगी। हकीम इलाही ने बताया कि चार महीने पहले जब मैं ईरान गया था तो मैंने रहबर-ए-कौम को बताया कि हिन्दुस्तान के मुसलमान आपसे बेपनाह मोहब्बत करते हैं। जवाब में उन्होंने कहा था हिन्दुस्तान की मिट्टी में वफा, हमदर्दी और मोहब्बत है। वहां के लोगों को मेरा सलाम कहना और उन्हें बताना कि मैं उनके लिए हमेशा दुआ करता हूं। आखिर में हकीम इलाही ने कहा कि दुनिया में इंसानियत से बड़ा कोई दूसरा मजहब नहीं है। ये वक्त ही है कि आज जुल्म-ज्यादती के खिलाफ चंद देशों को छोड़कर पूरी दुनिया अमन के रास्ता अपनाना चाहती है। इस दौरान शिया इमाम मौलाना मसरूर अब्बास, मौलाना हसन इमाम, मौलाना काजिम अस्करी, मौलाना पैगंबर अब्बास, मौलाना रजा अब्बास, शोएब नौगांवी, मौलाना कुर्रातुलऐन, मौलाना हसन मुन्तबा, तकी अब्बास आदि मौजूद रहे। मौलाना हकीम इलाही ने मजलिस को फारसी जुबान में खिताब किया, जिसका तर्जुमा दिल्ली से साथ आए मौलाना कमर हसनैन ने किया।

टॉप करने वाले बच्चों से खिल उठा स्कूल का माहौल

स्कॉलर्स होम में हुआ सम्मान समारोह

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। स्कॉलर्स होम वर्ल्ड क्लास स्कूल में हाईस्कूल परीक्षा में टॉप करने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान सादगी के साथ किया गया। इस मौके पर पूरे विद्यालय में खुशी का माहौल देखने को मिला। बच्चों को मिठाई खिलाकर उनका हौसला बढ़ाया गया और उनकी मेहनत की सराहना की गई।

परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद से ही स्कूल में रौनक बनी हुई है। टॉप करने वाले बच्चों के चेहरे खुशी से खिले नजर आए। साथी छात्र-छात्राओं ने भी अपने दोस्तों की सफलता पर तालियां बजाकर उन्हें बधाई दी। अभिभावक भी स्कूल पहुंचे और अपने बच्चों की इस उपलब्धि पर गर्व जताया। विद्यालय का माहौल पूरी तरह उत्सव जैसा बना रहा। बच्चों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और अपनी खुशी साझा की। शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को आगे और बेहतर करने के लिए प्रेरित किया। ग्रामीण क्षेत्र में भी इस सफलता की चर्चा रही और लोगों ने इसे अपने क्षेत्र के लिए गर्व की बात बताया। इस दौरान प्रबंधक अंकुर अग्रवाल ने कहा कि बच्चों ने मेहनत और लगन से यह सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि नियमित पढ़ाई और अनुशासन से ही अच्छे परिणाम आते हैं। उन्होंने सभी बच्चों को आगे भी इसी तरह मेहनत करने की सलाह दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं निर्देशिका सोना अग्रवाल ने कहा कि बच्चों की सफलता में शिक्षकों की

मेहनत और अभिभावकों का सहयोग भी शामिल है। उन्होंने कहा कि जब बच्चा मन लगाकर पढ़ाई करता है तो उसे अच्छा परिणाम जरूर मिलता है। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि आगे भी वे इसी तरह मेहनत करते रहें।

रात के अंधेरे में हरे-भरे पेड़ों का हो रहा कत्लेआम

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। रात के सन्नाटे में जंगल चीख रहे हैं। इतने बड़े पैमाने पर कटान होता हुआ देखकर जनता की समझ में यह नहीं आ रहा है कि यह प्रशासन की चुप्पी है या माफियाओं से मिलीभगत है।

प्रशासन की नाक के नीचे शहरा सोनाश साफ तौर पर देखा जाता है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ प्रशासन तंत्र कब जागेगा। जहाँ एक ओर सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा रही है। वहीं दूसरी ओर हसनपुर इलाके में वन माफिया जिला प्रशासन की आँखों में धूल झोंककर या शायद उनकी मूक सहमति से पर्यावरण की धज्जियाँ उड़ा रहा है। ताजा मामला जहाँ रात के अंधेरे का फायदा उठाकर माफिया हरे-भरे पेड़ों पर बेरहमी से कुल्हाड़ियाँ और आरी चला रहे हैं। अंधेरे में माफिया बेखौफ है। हैरानी की बात यह है कि यह कटान किसी दूर-दराज के जंगल में नहीं, बल्कि मुख्य मार्गों और रिहायशी इलाकों के समीप हुआ है। माफिया इतने बेखौफ हैं कि उन्हें न तो पुलिस का डर है और न ही वन विभाग का। रातों-रात लदी हुई गाड़ियाँ शहर से बाहर निकल जाती हैं। लेकिन प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगती। माफिया का तंत्र सरकारी तंत्र से अधिक शक्तिशाली हो चुका है। सबसे बड़ा सवाल जिला प्रशासन की भूमिका पर खड़ा होता है। ग्रामीणों और स्थानीय लोगों द्वारा बार-बार शिकायत करने के बावजूद अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। प्रशासन का यह मौन कई गंभीर सवाल पैदा करता है। क्या वन विभाग के कर्मचारी इस अवैध कारोबार में साझीदार हैं। आखिर क्यों गश्ती दल को रात में कटी हुई लकड़ियां दिखाई नहीं देतीं। हरे-भरे पेड़ों के इस कत्लेआम को रोकने के लिए अब कड़े कदम उठाने की जरूरत है। केवल कागजी कार्रवाई से काम नहीं चलेगा। पकड़े जाने पर केवल जुर्माना नहीं, बल्कि गैर-जमानती धाराओं में जेल का प्रावधान हो। अगर प्रशासन अब भी नहीं जागा, तो आने वाली पीढ़ियां ऑक्सीजन के लिए तरसेंगी और इसका जिम्मेदार केवल माफिया ही नहीं, बल्कि यह मौन प्रशासन भी होगा।

घायल ट्रैक्टर चालक की इलाज के दौरान मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

सैदनगली। सैदनगली थाना क्षेत्र के विजनौरा सकतपुर के बीच हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल ट्रैक्टर चालक की दिल्ली के अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। शुक्रवार को गमगीन माहौल में मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया गया। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

ध्यानाकारी के अनुसार आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव कोकापुर की मडैया निवासी मनीराम पुत्र रमेश 28 वर्षीय बुधवार को सैदनंगली के ट्रैक्टर बाजार गया था। देर शाम वापिस लौटते समय विजनौरा व सकतपुर के बीच ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर गहरी खंदक में पलट गया, जिसमें मनीराम ट्रैक्टर के नीचे दबकर गंभीर रूप से हो गया था। ग्रामीणों वह रहागीरों ने कड़ी मशक्कत के बाद उसे बाहर निक. ाला और नगर की सीएचसी में भर्ती कराया, जहाँ से चिकित्सा कौन है हालत गंभीर देखते हुए घायल को घायल को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। लेकिन परिजन घायल युवक को दिल्ली के अस्पताल ले गए जहां गुरुवार की शाम दिल्ली में उपचार के दौरान मनीराम ने दम तोड़ दिया।घ्मृतक चार भाइयों में सबसे बड़ा था। मृतक अपने पीछे पत्नी विमलेश व दो मासूम बेटियों को रोते बिलखते छोड़ गया है। परिजनों का से-रोकर बुरा हाल है। थाना प्रभारी विकास शेरावत ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

छह परीक्षा केंद्रों पर होगी उत्तर प्रदेश होमगार्डस परीक्षा

■ जिलाधिकारी ने दिए सारी व्यवस्थाएं दुरूस्त कराए जाने के निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में उप्र होमगार्डस परीक्षा एनरोलमेंट- 2025 की लिखित परीक्षा दिनांक 25, 26 व 27 अप्रैल 2026 को जनपद के 6 परीक्षा केन्द्रों पर होने वाली परीक्षा को सकुशल सकुशल व निर्विघ्न ढ़ंग से सम्पन्न कराने हेतु नामित स्टैटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक सहित अन्य अधिकारियों के साथ बैठक गांधी सभागार में सम्पन्न हुई।

उत्तर प्रदेश होमगार्डस परीक्षा जनपद में 6 परीक्षा केन्द्रों पर दो पालियों में आयोजित की जायेगी। प्रथम पाली प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक एवं द्वितीय पाली अपरान्ह 3:00 बजे से 05:00 बजे तक आयोजित की जायेगी। जिलाधिकारी ने परीक्षा की तैयारियों के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी परीक्षार्थी को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े, कोई भी परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र में मोबाइल, घड़ी, एटीएमकार्ड, किसी भी तरह की डिवाइस (विद्युत उपकरण), इत्यादि उपकरण न लेकर जाएं। उन्होंने कहा कि समस्त केन्द्र व्यवस्थापक बोर्ड द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन करते हुये, बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी परीक्षा परिसर में बिना आईडी कार्ड के प्रवेश न करें और परीक्षा के समय आईडी कार्ड लगाना अनिवार्य रहेगा। ड्यूटी पर लगाये गये सभी अधिकारी समय पर परीक्षा केन्द्र पहुंचे। उन्होंने कहा कि परीक्षा के एक दिन पूर्व परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण अवश्य कर लें जो भी कमी हो उसे तुरन्त पूर्ण कराया जाये।

जिलाधिकारी ने कहा कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण परीक्षा है, सभी स्टैटिक मजिस्ट्रेट/सेक्टर मजिस्ट्रेट यह सुनिश्चित कर लें कि परीक्षा की सारी तैयारियां गुणवत्तापूर्ण हों, प्रश्न पत्रों की सील्ड पैक परीक्षा कक्ष में ही सीसीटीवी की निगरानी में निर्धारित समय पर खुलवाना व परीक्षा समाप्त होने के उपरान्त परीक्षा कक्ष में ही सील्ड पैक कराना सुनिश्चित करें। समस्त परीक्षा केंद्र व्यवस्थापक/अधिकारी परीक्षा को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी व सकुशल संपन्न कराए जाने के लिए टीम भावना से कार्य करें। समस्त परीक्षा केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं सुचारू रूप से उपलब्ध रहनी चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव, अपर पुलिस अधीक्षक विक्रम दहिया, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक.)रोशनी यादव, समस्त उप जिलाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, सहित विद्यालयों के प्रधानाचार्य व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

छात्र सभा की बैठक में युवाओं ने 2027 की बनाई रणनीति

शाह टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। समाजवादी छात्र सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक कटियार के पीलीभीत आगमन पर समाजवादी छात्र सभा के सभी कार्यकर्ताओं ने उनका जोर शोर से स्वागत किया।

इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक कटियार ने कहा कि विधानसभा 2027 का चुनाव नजदीक है और हम सभी छात्र सभा के कार्य करता इस प्रकार पार्टी के लिए कार्य करें की पार्टी को जिले में चारों विधानसभा सीटों का रिजल्ट हमारे पाले में आए। और इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं उत्सवर्धन बढ़ाया और कार्यकर्ताओं को कार्य करने के दिशा निर्देश बताएं कार्यक्रम की अध्यक्षता पीलीभीत छात्र सभा के जिला अध्यक्ष अभिषेक गंगवार ने कहा कि पीलीभीत में छात्र सभा की कमेटी पूरी तरीके से संगठित है और आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव में पूरी दाम खम के साथ पार्टी को 27 में सत्ता में लाने का कार्य करेगी और जिले की विधानसभाओ में घर घर जाकर लोगों को समाजवादी पार्टी की अच्छाइयां और नीतियों को बताएंगे अथवा पार्टी के दिशा निर्देशों पर चलेंगे। इस दौरान छात्र सभा के प्रदेश सचिव, जिला उपाध्यक्ष अकिल सिद्दीकी, रवि गुर्जर और कार्यक्रम में बरेली से चलकर आए गजेंद्र कुर्मी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एक नजर

अज्ञात वाहन की टक्कर से पिता की मौके पर मौत, बेटी गंभीर रूप से घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

बीसलपुर। बिलसंडा बृहस्पतिवार एक भीषण सड़क हादसा हो गया जिसमें पिता की मौके पर मौत हो गई बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई अज्ञात वाहन चालक टक्कर मारकर मौके पर फरार हो गया।

शाहजहांपुर के थाना बंडा क्षेत्र के ग्राम अजमतपुर निवासी देवेंद्र सिंह अपनी बेटी अनु के साथ बाइक से लौट रहे थे तभी मीरपुर गांव के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी भीषण थी की दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल और लहू लोहान हो गए हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया जिस इलाके में अफरा तफरी मच गई। स्थानीय राहगीर अर्जुन ने आनन फानन में डायल 112 पर सूचना दी। मौके पर पहुंची करेली पुलिस टीम ने दोनों घायलों को बिलसंडा सीएचसी पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने देवेंद्र सिंह को मृत घोषित कर दिया वहीं गंभीर रूप से घायल अनु को प्राथमिक उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। परि. जनों के अनुसार देवेंद्र सिंह अपनी बहन के घर गांव पंडरी मरौरी गए थे और देर रात वापस लौट रहे थे तभी यह हादसा हो गया गांव पहुंचने से पहले ही दुर्घटना उनके परिवार पर कहर बनकर टूट पड़ी। करेली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। करेली थाना अध्यक्ष विपिन शुक्ला ने बताया कि अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है और जल्द ही आरोपी चालक को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की मासिक बैठक में किसानों की समस्याओं पर चर्चा

शाह टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की मासिक पंचायत कलेक्ट्रेट परिसर पीलीभीत में सम्पन्न हुई। पंचायत को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष मंजीत सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन पीलीभीत की उदास. ीनता के कारण जनपद पीलीभीत के गेंहूँ किसानों को सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ नही मिल पा रहा है।

गेंहूँ खरीद केन्द्रों पर गेंहूँ की खरीद ठप पड़ी हुई है।देहात (मंडियों के बाहर) के गेंहूँ क्रय केन्द्रों पर तो अभी तक केवल बैनर ही टांगें गये हैं।आढ़ती व व्यापारी व नकली बीज तैयार करने वाले बीज संयंत्र औने-पौने दामों पर किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य से बहुत ही नीचे गेंहूँ की खरीद कर रहे हैं।जिससे जनपद का किसान विवश होकर अपनी मेहनत व खून पसीने व मंहगे कर्ज से तैयार फसल को औने -पौने दामों पर बेचने को मजबूर हैं।गेंहूँ खरीद से सम्बंधित जनपद के अधिकारी बेमौसमी बरसात से गेंहूँ में लस्टर लॉस का हवाला देकर गेंहूँ खरीद से पल्ला झाड़ रहे हैं।गेंहूँ किसानों की कोई जनप्रतिनिधि भी सुध लेने को तैयार नही है। जिलाध्यक्ष ने यह भी कहा कि रबी विपणन सत्र 2026 में फार्मर रजिस्ट्री की अनिवार्यता को समाप्त किया जाए क्योंकि जनपद के किसानों की खतौनियों में अंश निर्धारण में भारी त्रुटियां हैं।जिसके कारण किसानों की संपूर्ण फसल सरकारी गेंहू खरीद केन्द्र पर नही बिक सकेगी जिस कारण किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य से वंचित होना पड़ेगा। साथ ही जिलाध्यक्ष ने कहा कि अगर जनपद की मंडियों व मंडियों के बाहरी क्रय केन्द्रों पर तत्काल जिला प्रशासन ने गेहूं की तौल शुरू नही करवाई तो भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक जिलाधिकरी पीलीभीत के कार्यालय का घेराव कर जोरदार ढंग से धरना- प्रदर्शन करने को विवश होगी। पंचायत में जिला सचिव रामकृपाल ने कहा कि जनपद की सभी तहसीलों में किसानों की खतौनियों में अंश निर्धारण में भारी पैमाने पर त्रुटियां हैं। जिससे किसानों को भारी असुविधाओं का सामना करना पड रहा है।किसान बार-बार तहसील के चक्कर काट रहे हैं। लेकिन तहसील के जिम्मेदार अधिकारी किसानों की समस्याओं पर बिल्कुल भी ध्यान नही दे रहे हैं।पंचायत में आवारा जानवरों द्वारा किसानों की फसलों में हो रहे नुकसान का मुदद़ा भी जोर दार ढंग से उठा। दूसरी तरफ जनपद-पीलीभीत के ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध बिजली कटौती पर भी चर्चा हुई। पंचायत के उपरांत जनपद पीलीभीत के किसानों की ज्वलंत समस्याओं का ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर को सौंपा।

साइबर अपराध एवं महिला सम्बन्धी अपराधों के प्रति किया गया जागरूक

शाह टाइम्स संवाददाता

बीसलपुर। सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी सदर एवं क्षेत्राधिकारी बीसलपुर द्वारा मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत थाना बीसलपुर क्षेत्रान्तर्गत बालिकाओं/महिलाओं को साइबर अपराध एवं महिला सम्बन्धी अपराधों के प्रति जागरूक किया गया।

पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव के निर्देशन में सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी सदर नताशा गोयल महोदया एवं क्षेत्राधिकारी बीसलपुर महोदय द्वारा मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत थाना बीसलपुर क्षेत्रान्तर्गत कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, डीएलएड की बालिक. ाओं/शिक्षिकाओं, आंगनवाड़ी की महिलाओं व समूह की महिलाओं के साथ गोष्ठी कर साइबर अपराध एवं महिला सम्बन्धी अपराधों के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को उनकी सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने, किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में तत्काल पुलिस से संपर्क करने तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही महिलाओं को आत्मरक्षा के मूलभूत उपायों एवं साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं।

इस अवसर पर महिलाओं को पुलिस कार्यप्रणाली, उपलब्ध पुलिस सेवाओं एवं विभिन्न सरक. ारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही सरकार द्वारा संचा. लित हेल्पलाइन नंबरों जैसे महिला हेल्पलाइन 1090, 181, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा 108, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 के बारे में विस्तारपूर्वक अवगत कराया गया।

ग्राम पंचायत के बारात घर का हुआ लोकार्पण

शाह टाइम्स संवाददाता

बीसलपुर। विकासखंड बिलसण्डा अंतर्गत ग्राम पंचायत ईंटगाँव में मुख्यमंत्री प्रोत्साहन पुरस्कार योजना तथा ग्राम निधि से निर्मित बारात घर का लोकार्पण आज बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर मविवेक कुमार वर्मा , विधायक 130 विधानसभा क्षेत्र बीसलपुर ने फीता काटकर उद्घाटन किया।

यह बारात घर ग्रामीण जीवन को समृद्ध बनाने वाली एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे गांव की बहन-बेटियों के विवाह समारोहों के लिए एक शानदार और सुविधाजनक स्थान उपलब्ध हो गया है। अब शुभ कार्यों जैसे विवाह, नामकरण आदि में ग्रामीणों को बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, जिससे समय और धन दोनों की बचत होगी। कार्यक्रम स्थल पर सैकड़ों ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों ने भारी संख्या में भाग लिया। सभी ने प्रधान रोहित कुमार के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। लोकार्पण समारोह के दौरान विधायक विवेक कुमार ने संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री प्रोत्साहन पुरस्कार योजना ग्रामीण विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। ग्राम निधि के सदुपयोग से ऐसी योजनाओं को अमल में लाया जा रहा है, जो सीधे ग्रामीणों के हित में हैं। उन्होंने प्रधान रोहित कुमार को बधाई देते हुए आश्वासन दिया कि क्षेत्र के अन्य विकास कार्यों को भी शीघ्र गति दी जाएगी। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान रोरि. हत कुमार, पंचायत सदस्य, ग्रामवासी तथा स्थानीय जनप्रति. निधि उपस्थित रहे। सभी ने इस नई सुविधा का स्वागत करते हुए कहा कि इससे गांव का स्वरूप बदलेगा और सामुदायिक एकता मजबूत होगी। इस उपलब्धि से ईंटगाँव के ग्रामीण उत्साहित हैं और आशा कर रहे हैं कि भविष्य में भी ऐसी विकास योजनाओं का लाभ मिलता रहेगा।

युवा व्यापारियों की आवाज का हुआ असर

शाह टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। सामाजिक सैया के समाधान और जनहित के मुद्दों को लेकर श्युवा उद्योग व्यापार प्रति. निधिमंडलश की सक्रियता एक बार फिर रंग लाई है। शेरपुर रोड स्थित श्मशान घाट मार्ग पर अधूरी पड़ी पुलिया और रास्ते की समस्या को लेकर संगठन द्वारा उठाए गए कदमों के बाद अब धरातल पर एक्शन शुरू हो गया है।

पिछले काफी समय से शेरपुर रोड पर श्मशान घाट को जाने वाले मार्ग पर पुलिया का निर्माण तो करा दिया गया था, लेकिन तकनीकी और प्रशासनिक ढिलाई के कारण पुलिया को दोनों तरफ से मुख्य मार्ग से नहीं जोड़ा गया था। स्थिति यह थी कि अंतिम यात्रा लेकर जाने वाले नगरवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था।

अपहरण की गुत्थी उलझी, मासूम की तलाश में जुटी पुलिस नाकाम

शाह टाइम्स संवाददाता

सीसीटीवी में कैद अपहरण, फिर भी पुलिस बेबस-दूसरे दिन भी सुराग नहीं

इस्लामनगर। नगर मौहल्ला लाल बाग स्थित एक मोनार्क मैरिज हॉल से एक वर्षीय मासूम के अपहरण का मामला दूसरे दिन भी अनसुलझा बना हुआ है। घटना के बाद से ही पुलिस की टीमें लगातार तलाश में जुटी हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लग सका है। मैरिज हॉल के मौहल्ला लाल बाग निवासी मलिक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

बताया जा रहा है कि शादी समारोह के दौरान एक संदिग्ध महिला बच्चे को गोद में उठाकर मौके से फरार हो गई। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसमें महिला तेजी से बच्चे को लेकर जाते हुए दिखाई दे रही है। घटना के बाद से बच्चे के माता-पिता और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द बच्चे को सकुशल बरामद करने की गुहार लगाई है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध महिला की पहचान करने की कोशिश की जा रही है और आसपास के क्षेत्रों में भी तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही, विभिन्न थानों को अलर्ट कर दिया गया है ताकि बच्चे का जल्द पता लगाया जा सके।

स्थानीय लोगों में भी इस घटना को लेकर भय और आक्रोश का माहौल है। लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए पुलिस से मामले का शीघ्र खुलासा करने की मांग की है।

☛ रेलयात्री कृपया ध्यान दें! ☚

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों की संख्या में वृद्धि-2026

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु पूर्व घोषित ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों के साथ-साथ रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियाँ भी नीचे दी गई समय-सारणी के अनुसार संचालित की जायेंगी:-

04008/04007 आनन्द विहार (ट) - जोगबनी - आनन्द विहार (ट) आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 24 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04008		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04007	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	08:30	आनन्द विहार (ट)	03:00	----
15:00	----	जोगबनी	----	18:30

चलने के दिन: 04008 आनन्द विहार (ट) से प्रत्येक शनिवार को दिनांक 18.04.2026 से 11.07.2026 तक (23.05.2026 को छोड़कर) एवं 04007 जोगबनी से प्रत्येक रविवार को दिनांक 19.04.2026 से 12.07.2026 तक (24.05.2026 को छोड़कर)।
ठहराव: गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., मानसी जं., नवगछिया, कटिहार जं., पूर्णियाँ जं., अररिया कोर्ट एवं फारबिसगंज जं. स्टेशन।
स्थान: वाता-2 टीयर, वाता-3 टीयर एवं शयनयान।

04072/04071 नई दिल्ली - सुपौल जं. - नई दिल्ली आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (प्रतिदिन) — 170 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04072		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04071	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	21:35	नई दिल्ली	15:00	----
06:35	----	सुपौल जं.	----	07:45

चलने के दिन: 04072 नई दिल्ली से दिनांक 15.07.2026 तक (21.05.2026 से 25.05.2026 को छोड़कर) एवं 04071 सुपौल जं. से दिनांक 18.04.2026 से 16.07.2026 तक (22.05.2026 से 26.05.2026 को छोड़कर)।
ठहराव: गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा जं., गोविन्दपुरी, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., औंड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., मानसी जं., सिमरी बख्तियारपुर एवं सहरसा जं. स्टेशन।
स्थान: वाता-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

04002/04001 हजरत निज़ामुद्दीन - दादर - हजरत निज़ामुद्दीन आरक्षित सुपरफास्ट विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 26 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04002		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04001	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	23:45	हजरत निज़ामुद्दीन	21:35	----
22:40	----	दादर	----	00:15

चलने के दिन: 04002 हजरत निज़ामुद्दीन से प्रत्येक मंगलवार को दिनांक 21.04.2026 से 14.07.2026 तक एवं 04001 दादर से प्रत्येक गुरुवार को दिनांक 23.04.2026 से 16.07.2026 तक।
ठहराव: कोसी कलां, मथुरा जं., गंगापुर सिटी, कोटा जं., रतलाम जं., वडोदरा जं., सूरत एवं बोरीवली स्टेशन।
स्थान: प्रथम वाता, वाता-2 टीयर एवं वाता-3 टीयर।

04028/04027 आनंद विहार (ट) - मुजफ्फरपुर जं. - आनंद विहार (ट) आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 08 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04028		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04027	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	09:15	आनंद विहार (ट)	05:30	----
04:30	----	मुजफ्फरपुर जं.	----	06:15

चलने के दिन: 04028 आनंद विहार (ट) से प्रत्येक शुक्रवार को दिनांक 24.04.2026 से 15.05.2026 तक एवं 04027 मुजफ्फरपुर जं. से प्रत्येक शनिवार को दिनांक 25.04.2026 से 16.05.2026 तक।
ठहराव: मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, सीतापुर जं., गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., छपरा, सोनपुर जं. एवं हाजीपुर जं. स्टेशन।
स्थान: प्रथम वाता, वाता-2 टीयर, वाता-3 टीयर एवं शयनयान।

04030/04029 आनंद विहार (ट) - मुजफ्फरपुर जं. - आनंद विहार (ट) आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 26 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04030		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04029	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	09:00	आनंद विहार (ट)	05:30	----
04:30	----	मुजफ्फरपुर जं.	----	06:15

चलने के दिन: 04030 आनंद विहार (ट) से प्रत्येक बुधवार को दिनांक 22.04.2026 से 15.07.2026 तक एवं 04029 मुजफ्फरपुर जं. से प्रत्येक गुरुवार को दिनांक 23.04.2026 से 16.07.2026 तक।
ठहराव: मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, सीतापुर जं., गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., छपरा, सोनपुर जं. एवं हाजीपुर जं. स्टेशन।
स्थान: वाता-2 टीयर, वाता-3 टीयर एवं शयनयान।

04088/04087 नई दिल्ली - दानापुर - नई दिल्ली आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (प्रतिदिन) — 164 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04088		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04087	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	15:50	नई दिल्ली	13:30	----
12:45	----	दानापुर	----	15:10

चलने के दिन: 04088 नई दिल्ली से दिनांक 20.04.2026 से 15.07.2026 तक (21.05.2026 से 25.05.2026 को छोड़कर) एवं 04087 दानापुर से दिनांक 21.04.2026 से 16.07.2026 तक (22.05.2026 से 26.05.2026 को छोड़कर)।
ठहराव: टूण्डला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., दिलदार नगर जं., बक्सर, रघुनाथपुर एवं आरा स्टेशन।
स्थान: वाता-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

04616/04615 फिरोजपुर कैंट जं. - पटना जं. - फिरोजपुर कैंट जं. आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 26 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04616		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04615	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	12:00	फिरोजपुर कैंट जं.	23:55	----
18:35	----	पटना जं.	----	20:20

चलने के दिन: 04616 फिरोजपुर कैंट जं. से प्रत्येक मंगलवार को दिनांक 21.04.2026 से 14.07.2026 तक एवं 04615 पटना जं. से प्रत्येक बुधवार को दिनांक 22.04.2026 से 15.07.2026 तक।
ठहराव: मोगा, लुधियाना, अंबाला कैंट जं., यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर जं., रुड़की, नजीबाबाद जं., मुरादाबाद जं., बरेली जं., शाहजहांपुर जं., हरदोई, बालामऊ जं., आलम नगर, उतरेटिया जं., रायबरेली जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., जंघई जं., वाराणसी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, रघुनाथपुर, आरा एवं दानापुर स्टेशन।
स्थान: वाता-2 टीयर, वाता-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

04086/04085 मेरठ सिटी जं. - खड़गपुर - मेरठ सिटी जं. आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04086		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04085	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	23:00	मेरठ सिटी जं.	17:30	----
04:15	----	खड़गपुर	----	15:45

चलने के दिन: 04086 मेरठ सिटी जं. से दिनांक 19.04.2026 एवं 26.04.2026 को एवं 04085 खड़गपुर से दिनांक 21.04.2026 एवं 28.04.2026 को।
ठहराव: हापुड़ जं., खुर्जा जं., अलीगढ़ जं., गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ओन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., पहाड़पुर, कोडरमा, हजारीबाग रोड, पारसनाथ, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जं. गोमो, महुदा जं., भोजूडीह जं., आद्रा, बांकुड़ा, बिष्णुपुर एवं मिदनापुर स्टेशन।
स्थान: वाता-2 टीयर, वाता-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

04078/04077 दिल्ली जं. - न्यू जलपाईगुड़ी - दिल्ली जं. आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04078		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04077	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	23:55	दिल्ली जं.	16:10	----
07:30	----	न्यू जलपाईगुड़ी	----	10:30

चलने के दिन: 04078 दिल्ली जं. से दिनांक 18.04.2026 को एवं 04077 न्यू जलपाईगुड़ी से दिनांक 20.04.2026 को।
ठहराव: गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर जं., बरौनी जं., खगड़िया जं., नवगछिया, कटिहार जं., बारसोई जं. एवं किशनगंज स्टेशन।
स्थान: वाता-2 टीयर, वाता-3 टीयर, शयनयान एवं सामान्य।

04514/04513 चंडीगढ़ - हावड़ा जं. - चंडीगढ़ आरक्षित विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं.: 04514		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं.: 04513	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
----	23:45	चंडीगढ़	19:20	----
06:30	----	हावड़ा जं.	----	09:00

चलने के दिन: 04514 चंडीगढ़ से दिनांक 18, 22 एवं 27.04.2026 को एवं 04513 हावड़ा जं. से दिनांक 20, 24 एवं 29.04.2026 को।
ठहराव: अंबाला कैंट, सहारनपुर जं., मुरादाबाद जं., बरेली जं.,शाहजहांपुर जं., आलम नगर, उतरेटिया जं., सुल्तानपुर, वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., गया जं., कोडरमा, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जं. गोमो, आसनसोल, बर्द्धमान एवं बंडेल जं. स्टेशन।
स्थान: वाता-3 टीयर एवं शयनयान।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा-हमारा ध्येय
www.nr.indianrailways.gov.in

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय नगर पालिका परिषद, पीलीभीत

पत्रांक: 155 तद्दिनांक- 16.04.2026

निविदा सूचना

पंजीकृत ठकेदारों को सूचित किया जाता है कि राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत नगर क्षेत्र पीलीभीत में विभिन्न स्थानों पर प्रत्येक वार्ड में दो-दो स्थान प्रत्येक शौचालय पर, जी0वी0पी0 प्लांट एवं सी0 एण्ड डी0 वेस्ट, ऐलो स्पोट, रेड स्पोट आदि चिन्हित स्थलों मार्गो / सार्वजनिक स्थलों एवं दीवारो पर वाल पेन्टिंग (चित्रकारी) का कार्य कराये जाने हेतु निविदा दिनांक 17-4-2626 से 23-4-2026 तक आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 24-4-2026 को निविदा समिति के द्वारा खोली जायेगी। निविदा खोले जाने की तिथि में यदि अवकाश होता है तो निविदा अगले दिन कार्य दिवस में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र जानकारी किसी भी कार्य दिवस मे नगर पालिका परिषद, पीलीभीत से प्राप्त की जा सकती है।

क0 सं0	कार्य का नाम	मात्रा स्क्वार फिट	कुल धनराशि	धरोहर धनराशि	निविदा मूल्य जी0एस0टी0 सहित
1.	नगर क्षेत्र पीलीभीत में विभिन्न स्थानों पर प्रत्येक वार्ड में दो-दो स्थानों पर, प्रत्येक शौचालय पर, जी0वी0पी0 प्लांट पर, सी0एण्ड डी0वेस्ट पर, ऐलो स्पोट, रेड स्पोट आदि चिन्हित स्थलों पर वाल पेन्टिंग (चित्रकारी का कार्य)	3500	133000	3 प्रतिशत	150/-

शर्तेः-

1. धरोहर धनराशि निविदा के साथ 3 प्रतिशत एफ0डी0आर0/ बैंक ड्राफ्ट अधिशासी अधिकारी के नाम बन्धक जमा करना होगा एंव 7 प्रतिशत धनराशि निविदा होने के बाद जमा करना अनिवार्य होगा।
2. निविदा में दरों का व्यवहारिक होना अनिवार्य है प्रतिस्पर्धा की स्थित में गुणवत्ता को बनाये रखने के लिये अव्यवहारिक दरें स्वीकार नहीं की जायेगी।
3. निविदादाता को निविदा स्वीकृति उपरान्त 100/- रू0 के स्टाम्प पर अपने व्यय पर एक अनुबन्ध कराना होगा तथा 10 रूपये के स्टाम्प पर शपथ-पत्र देना होगा।
4. ब्लैक लिस्ट ठेकेदारों को निविदा क्रय करने का अधिकार नही होगा और न ही उसकी निविदा स्वीकार की जायेगी।
5. किसी एक निविदा अथवा समस्त निविदायों को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।
6. निविदा धनराशि समान होने की दशा में फर्म/ ऐजेन्सी के द्वारा किये गये उ-ष्ट कार्य पर के आधार पर वरियता दी जायेगी
7. समस्त निविदादता को अपने पंजीकृत प्रमाण पत्र आयकर, जी0एस0टी0 नम्बर, चरित्र प्रमाण पत्र, एफ0डी0आर0/ डी0डी0 व आदि समस्त प्रपत्रों की हार्ड कॉपी नगर पालिका परिषद, पीलीभीत के स्वास्थ्य विभाग में निविदा खुलने से पूर्व जमा करना होगा अन्यथा की स्थिति में निविदा पर विचार नही किया जायेगा।
8. किसी भी वाद-विवाद की स्थिति में न्यायक्षेत्र केवल जनपद पीलीभीत होगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद,
पीलीभीत

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद,
पीलीभीत

मीरगंज में पिता की हत्या का खुलासा

पेड़ से लटका मिला था शव, बेटे ने रची थी साजिश

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। थाना क्षेत्र के ग्राम खमरिया आजमपुर में करीब छह माह पूर्व पेड़ से लटका मिला शव हत्या का मामला निकला। पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए मृतक के पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने जमीन विवाद के चलते अपने ही पिता की गला दबाकर हत्या कर दी थी और साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को पेड़ से लटका दिया था।निरीक्षक अपराध संजय तोमर, चौकी प्रभारी मीरगंज पंकज कुमार एवं उपनिरीक्षक महेश सिंह की टीम ने शुक्रवार को डाकखाना चौराहे के पास थाना रोड पर छापा मारकर कुलदीप पुत्र बाबू सिंह, निवासी ग्राम खमरिया आजमपुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बाबू सिंह की हत्या की वारदात स्वीकार कर ली।

पुलिस के अनुसार, आरोपी मृतक का मझला पुत्र है। उसने बताया कि उसके पिता का व्यवहार ठीक नहीं था और वह अक्सर बिना बताए कई-कई दिनों तक घर से बाहर रहते थे। जमीन बेचने को लेकर परिवार में लगातार विवाद बना रहता था। आरोपी के मुताबिक, उसके पिता पूर्व में कुछ जमीन उसकी सहमति के बिना बेच चुके थे, जबकि शेष जमीन को लेकर भी दोनों के बीच आए दिन कहासुनी होती रहती थी। अपराध निरीक्षक ने बताया कि दीपावली से पूर्व जब उसके पिता कई दिनों तक घर नहीं लौटे तो आरोपी उन्हें तलाशते हुए गांव के जंगल में गन्ने के खेत तक पहुंचा। वहीं दोनों के बीच जमीन को लेकर विवाद हो गया। गुस्से में आकर कुलदीप ने अपने पिता के हाथ बांध दिए और गला दबाकर उनकी हत्या कर दी।घटना को आत्महत्या दर्शाने के लिए आरोपी ने मृतक के कपड़े के सहारे शव को पेड़ से लटका दिया, लेकिन जल्दबाजी में वह मृतक के हाथ खोलना भूल गया और शव को ठीक से ऊपर नहीं चढ़ा सका। यही तथ्य पुलिस के लिए अहम सुराग बना।

घटना के समय गांव खमरिया आजमपुर के जंगल स्थित गन्ने के खेत में बाबू सिंह का शव पेड़ से लटका मिला था। मृतक के दोनों हाथ बंधे होने से पुलिस को शुरू से ही मामला संदिग्ध प्रतीत हुआ। हालांकि, पूछताछ के दौरान ग्रामीणों ने चुप्पी साधे रखी और घटना को आत्महत्या बताया जाता रहा। बाद में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या की पुष्टि होने पर पुलिस ने जांच की दिशा बदलते हुए मामले का खुलासा किया।पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

घटना के खुलासे में निरीक्षक अपराध संजय तोमर, उपनिरीक्षक पंकज कुमार, उपनिरीक्षक महेश सिंह, कांस्टेबल अंकुर सिरोही, अभिषेक सोम एवं अमित कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बुजुर्ग की मौके पर हुई मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

फतेहगंज पश्चिमी। राष्ट्रीय राजमार्ग के झुमका तिराहे पर गुरुवार देर शाम अनियंत्रित ट्रक की टक्कर से मोपेड सवार बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया।

मिली जानकारी के अनुसार थाना सीबीगंज के गांव टिरिया ठाकुरान निवासी 60 वर्षीय बुजुर्ग चंद्रपाल ठाकुर गुरुवार देर शाम फतेहगंज पश्चिमी से मोपेड के द्वारा घर जाते समय झुमका तिराहे को पार कर रहे थे।इसी दौरान अनियंत्रित ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में चंद्रपाल ठाकुर की मौके पर मौत हो गई।स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को कब्जे में ले लिया है और चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि ट्रक की गति काफी तेज थी, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और यह हादसा हो गया। स्थानीय लोगों ने झुमका तिराहे पर बढ़ते सड़क हादसों को लेकर चिंता जताई है और प्रशासन से इस क्षेत्र में स्पीड कंट्रोल एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने की मांग की है।

घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

पैसों के विवाद में युवक पर लाठी-डंडों से हमला, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। कस्बा क्षेत्र के सिरौली चौराहे के पास गुरुवार शाम पैसों के लेन-देन को लेकर एक युवक पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया गया। हमले में युवक घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कस्बा निवासी इमरान अली का सुजातपुर निवासी रिहान, इमरान, राहिल और राहिद से पैसों को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद के दौरान चारों आरोपियों ने इमरान अली पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया और उसे जमकर पीटा।घटना के दौरान मौके पर मौजूद राहगीरों ने बीच-बचाव कर किसी तरह घायल को बचाया। आरोप है कि हमलावर जाते समय जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना में घायल इमरान अली को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मारपीट कर महिला को घर से निकाला एसएसपी के आदेश पर मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। थाना क्षेत्र में दहेज की मांग को लेकर महिला से मारपीट कर उसे घर से निकालने के मामले में एसएसपी के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़िता रामश्री पत्नी प्रेमशंकर, निवासी ग्राम जौनेर हाल पता मोहल्ला शिवपुरी ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं।पीड़िता के अनुसार, ससुरालजन पूर्व से ही दहेज को लेकर उसे प्रताड़ित कर रहे थे, जिस पर उसने थाना मीरगंज में मुकदमा दर्ज कराया था। साथ ही भरण-पोषण का मामला फैमिली कोर्ट में विचाराधीन है। आरोप है कि बाद में समझौता कर उसे घर में रख लिया गया, लेकिन कुछ दिनों बाद मुकदमे वापस लेने का दबाव बनाया जाने लगा।

पीड़िता ने बताया कि 5 अप्रैल की रात उसका पति प्रेमशंकर, ससुर लेखराज और एक अन्य व्यक्ति घर पहुंचे और जबरन समझौते का दबाव बनाने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि उन्होंने उसकी बेटी को छीन लिया और उसे पुत्र सहित घर से बाहर निकालकर मकान में ताला डाल दिया।घटना की सूचना पीड़िता ने 112 नंबर पर दी थी, लेकिन थाना स्तर पर सुनवाई न होने पर उसने एसएसपी से शिकायत की। इसके बाद एसएसपी के निर्देश पर थाना मीरगंज पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ट्रक की टक्कर से बग्गी चालक सहित कार सवार पांच लोग गंभीर घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

फतेहगंज पश्चिमी। गुरुवार आधी रात के बाद धनेटा फाटक बंद के समय अनियंत्रित ट्रक ने फाटक पर खड़े इको कार और बग्गी में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के दौरान बग्गी चालक समेत 5 लोग गंभीर घायल हो गए।सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को एंबुलेंस के द्वारा बरेली निजी अस्पताल भेज दिया।

गुरुवार की रात करीब 2 बजे धनेटा फाटक शीशगढ़ रोड पर अनियंत्रित ट्रक चालक ने धनेटा रेलवे फाटक बंद होने के कारण खड़ी ईको कार और घोड़ा बग्गी को टक्कर मार दी।हादसे में स्थानीय थाना के गांव सोरहा निवासी बग्गी चालक मोबिन शाह भमोरा के गांव चकरपुर निवासी कार सवार अंकित,विनोद, कमलेश,लवकुश गंभीर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को एंबुलेंस के द्वारा बरेली निजी अस्पताल भेज दिया।यह सभी गांव चनोटा से एक शादी समारोह से लौट रहे थे।पुलिस ने ट्रक और चालक को कब्जे में ले लिया है। थाना प्रभारी प्रयागराज सिंह ने बताया कि सभी घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भेज दिया है और ट्रक को कब्जे में ले लिया है।

विवाहिता का नग्न फोटो खींचकर वायरल करने की दी धमकी, रिपोर्ट दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। क्षेत्र की एक विवाहिता ने गांव के ही एक युवक पर चुपके से उसके नहाते समय फोटो खींचकर वायरल करने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है।

क्षेत्र के एक गांव की विवाहिता द्वारा कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट के मुताबिक उसके मोबाइल फोन पर गांव के ही संतोष नाम के युवक ने 14 अप्रैल को उसका ही नग्न फोटो भेज दिया, साथ ही वह फोटो वायरल करने की धमकी दे रहा है। विवाहिता ने बताया कि गांव के आरोपी युवक ने उसका नहाते समय फोटो खींच लिया था, महिला के मुताबिक उसके बाथरूम के ऊपर छत नहीं है। विवाहिता ने आरोपी संतोष का खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताया जाता है कि पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

झूठी शिकायतों से गांव में दहशत, अधिवक्ता ने अदालत के आदेश पर दर्ज कराई रिपोर्ट

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। क्षेत्र के तेजनगर गांव में एक दबंग व्यक्ति द्वारा आए दिन झूठी शिकायतें दर्ज कराकर ग्रामीणों को परेशान करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि तालाब का पट्टा धारक उक्त व्यक्ति कभी मछलियों को जहर देकर मारने तो कभी अपनी पत्नी के साथ छेड़छाड़ की फर्जी शिकायतें कर गांव वालों को लगातार तंग करता रहता है।

ताजा मामले में एक अधिवक्ता को भी उसने निशाना बनाया और उसके खिलाफ झूठी तहरीर दे दी। अधिवक्ता ने खुद को निर्दोष साबित करने के लिए पुलिस को पुख्ता साक्ष्य उपलब्ध कराए। उन्होंने बताया कि जिस समय की छेड़छाड़ की घटना बताई गई, उस समय वह बहेड़ी के अरोड़ा अस्पताल में अपने बच्चे का इलाज करा रहे थे। इसका सीसीटीवी फुटेज भी उन्होंने जांच अधिकारी को सौंप दिया। जांच में यह भी सामने आया कि तालाब में मछलियों के मरने का कारण जहर नहीं, बल्कि सिंघाड़े की फसल के लिए कराया गया स्प्रे था, जिससे मछलियों की मौत हुई। ग्रामीणों का कहना है कि पट्टेदार की मनमानी और झूठे आरोपों से पूरा गांव परेशान है। बताया गया कि ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से तालाब का पट्टा निरस्त करने के लिए पोर्टल पर शिकायत की थी, जिसमें शिकायतकर्ता द्वारा मोबाइल नंबर दर्ज किया गया था। इसी से नाराज होकर दबंग ने संबंधित व्यक्ति के खिलाफ झूठी शिकायतें दर्ज कराईं। मामले में अधिवक्ता ने अदालत का दरवाजा खटखटाया, जिसके बाद न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने दबंग और उसकी पत्नी के खिलाफ झूठी शिकायत दर्ज कराने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

धनेटा क्रॉसिंग पर भीषण हादसा

ट्रक की टक्कर से बग्गी-ईको समेत दुकानों में घुसी गाड़ी, नौ घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। भमोरा क्षेत्र के गांव चकरपुर से गुरुवार शाम राजकुमार की बारात मीरगंज के गांव चनेटा पहुंची थी। बारात की रस्में पूरी होने और दावत के बाद देर रात कुछ बाराती घोड़ा बग्गी और ईको वाहन से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान रात करीब 1:30 बजे धनेटा रेलवे क्रॉसिंग पर एक बड़ा हादसा हो गया।

बताया जाता है कि क्रॉसिंग बंद होने के कारण बग्गी चालक ने वाहन रोककर फाटक खुलने का इंतजार करना शुरू कर दिया। पीछे चल रही ईको भी बग्गी के पीछे खड़ी हो गई। तभी पीछे से तेज रफ्तार में आए एक ट्रक ने ईको में जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि ईको बग्गी से टकराते हुए सड़क किनारे लगी अस्थायी दुकानों में जा घुसी। हादसे में राकेश राठौर की रेडीमेड स्टोर, रॉ. हताश राठौर की फल की दुकान और दीवान सिंह की फसल की दुकान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।इस दुर्घटना में बग्गी चालक मोबीन शाह निवासी सोरहा फतेहगंज पश्चिमी सहित अंकित पुत्र राजीव, विनोद पुत्र जगदीश, कमलेश पुत्र रुपचंद, लवकुश पुत्र रुपचंद, महेश, मदन लाल समेत कुल नौ लोग घायल हो गए।घटना की सूचना मिलते ही फतेहगंज पश्चिमी थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायलों को तत्काल उपचार के लिए राजश्री अस्पताल में भर्ती कराया गया।थानाध्यक्ष प्रयागराज सिंह ने बताया कि घायलों में 12 वर्षीय कमलेश पुत्र रुपचंद की हालत गंभीर बनी हुई है। अन्य घायलों का इलाज चल रहा है।घायलों ने पुलिस को बताया कि वे सभी बारात की दावत खाने के बाद ईको वाहन से अपने घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। पुलिस ने ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है।

तौल अव्यवस्था पर भड़के किसान, आवारा पशुओं से भी बढ़ी मुसीबत

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। गेहूं खरीद केंद्रों पर तौल व्यवस्था में भारी अव्यवस्था को लेकर भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले किसानों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर नाराजगी जताई। किसानों का कहना है कि कई स्थानों पर एक ही जगह पर एक से अधिक क्रय केंद्र बना दिए गए हैं, लेकिन तौल की व्यवस्था एक ही कांटे और सीमित मजदूरों के भरोसे चल रही है। इससे किसानों को घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ रहा है, और खरीद प्रक्रिया बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

किसानों ने मांग उठाई कि एक स्थान पर केवल एक ही क्रय केंद्र संचालित किया जाए, तथा प्रत्येक केंद्र पर अलग-अलग तौल कांटे और पर्याप्त श्रमिकों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कई केंद्रों पर अभी तक खरीद शुरू नहीं हुई है, और बारदाना और लेबर की कमी का बहाना बनाकर किसानों को वापस लौटाया जा रहा है। किसान नेताओं ने कहा कि आवारा पशुओं की समस्या ने किसानों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं, किसानों का कहना है कि सड़कों पर घूम रहे पशु हादसों का कारण बन रहे हैं, जबकि खेतों में घुसकर फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं, किसानों द्वारा 24 घंटे निगरानी के बावजूद फसलें सुरक्षित नहीं रह पा रहीं। किसानों ने आवारा पशुओं को गौशालाओं में भेजने और जंगली सूअरों को पकड़ने की अनुमति देने की मांग की। इसके अलावा किसान नेताओं ने हाल ही में हुई बारिश, ओलावृष्टि और आगजनी से फसलों को हुए नुकसान का सर्वे कराकर किसानों को मुआवजा दिलाने की भी मांग की गई।

जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने किसानों की समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। दौरान चौधरी सोमवीर सिंह, आमिर रजा, हाजी इकबाल, हरदीप सिंह रंधावा, महाराज सिंह यादव, चंद्र प्रकाश गंगवार उर्फ पप्पू, सुधा गंगवार सहित कई किसान मौजूद रहे।

जाफरपुर बिजलीघर को जुन्हाई बिजलीघर से जोड़ा गया

लम्बी प्रतीक्षा के बाद शीशगढ़ कस्बे को जुन्हाई बिजलीघर से सीधी लाइन की सुविधा मिली

शाह टाइम्स संवाददाता

शीशगढ़। आखिरकार वह समय आ ही गया जिसका कि लम्बे समय से कस्बे की जनता को बेकरारी से इंतजार था जुन्हाई बिजलीघर से जाफरपुर बिजलीघर की आपूर्ति आज शाम चालू कर दी गई।

बताते चलें कि शीशगढ़ कस्बे के अलावा कई दर्जन गांवों की बिजली आपूर्ति शेरगढ़ स्थित बिजलीघर से की जाती थी नदियों भरा रास्ता एवं जंगल का इलाका एवं अधिक लम्बी दूरीहोने के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो जाती थी मामूली से खराबी को ठीक करने में बिजली कर्मचारियों के पसीने छूट जाते थे फिर समय भी बहुत लगता था जिससे इलाके के लोगों को बेहद परेशानी होती थी। जुन्हाई स्थित।32 के वी ए के बिजलीघर से जाफरपुर बिजलीघर की आपूर्ति जोड़ने के लिए बिजली विभाग काफी समय से प्रयासरत था दुनका में लाइन बनाने के कॉफी परेशानी आ रही थी लेकिन अधिशासी अभियंता चमनप्रकाश, एस डी ओ विशाल कंसल, अवर अभियंता संतोष शर्मा के अथक प्रयासों एवं ग्रामीणों के सहयोग से वह परेशानी भी दूर कर के कार्य को अंजाम दिया गया। जून हाई बिजलीघर से आपूर्ति चालू किए जाने की सूचना मिलते ही शीशगढ़ कस्बे के अलावा कई दर्जन गांवों के लोगों ने खुशी की लहर दौड़ पड़ी। आपूर्ति चालू कराने के लिए एस डी ओ विशाल कंसल, जाफरपुर शेरगढ़ बिजलीघर के अवर अभियंता संतोष कुमार शर्मा, मीरगंज बिजलीघर के अवर अभियंता मनोज कुमार, कार्यालय लिपिक प्रेम शंकर गंगवार, लाइन मैन शमशाद हुसैन एस एस ओ सुभाष गंगवार आदि मौजूद बिजलीघर पर रहे।

चेयरमैन नीलोफर की मेहनत का असर हुआ

चेयरमैन नीलोफर का शीशगढ़ कस्बे की बिजली लाइन को जुन्हाई बिजलीघर से जुड़वाने के लिए का भी अहम रोल रहा कस्बे के लोगों के दर्द को समझते हुए चेयरमैन नीलोफर ने दिनांक23जून 2022 को बिजली विभाग के आला अफसरों को पत्र भेजकर शीशगढ़ में बिजली की गंभीर समस्या समाधान किए जाने के लिए जुन्हाई बिजलीघर से जाफरपुर बिजलीघर को बिजली आपूर्ति जोड़ने की मांग की गई थी चेयरमैन नीलोफर का प्रयास सफल हुआ तो आज कस्बे में खुशी का माहौल दिखा अब कस्बे के लोगों को पहले से बेहतर बिजली आपूर्ति मिल सकेगी।

शीशगढ़ में ओवर लोड की समस्या दूर करने के लिए दर्जन भर नए ट्रांसफार्मर लगाए गए

कस्बे के ओवर लोडिंग की गंभीर समस्या से ग्रामीण बेहद परेशान रहते थे ट्रांसफार्मर कम होने व क्षमता से कम होने के कारण बिजली आपूर्ति में बाधा उत्पन्न होती थी अवर अभियंता संतोष शर्मा ने जनता की इस समस्या को दूर करने का प्रयास सफल हो इस उद्देश्य से कस्बे में एक दर्जन अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाकर लोड की समस्या का समाधान हो गया कस्बे के लोगों को अब ओवर लोड के साथ साथ लो वोल्टेज की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा।

जुन्हाई बिजलीघर से जाफरपुर बिजलीघर की बिजली आपूर्ति आज चालू कर दी गई है जिसका लम्बे समय से काम चल रहा था अब जाफरपुर बिजलीघर की क्षमता बढ़ाए जाने के लिए विभाग के आला अफसरों को लिखकर भेजा गया है जल्द ही समाधान करा दिया जाएगा

संतोष कुमार शर्मा
अवर अभियंता जाफरपुर बिजलीघर

किसानों की समस्याओं पर डीएम का सख्त रुख, हर हाल में होगी गेहूं खरीद

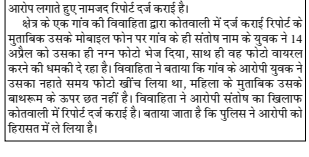

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत बैठक आयोजित की गई, जिसमें किसानों की विभिन्न समस्याओं पर गंभीरता से चर्चा करते हुए उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता किसानों की समस्याओं का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना है। इसी उद्देश्य से यह बैठक आयोजित की गई है और आगे भी समय-समय पर इस तरह की बैठकें कर किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाएगा।

बैठक में किसानों ने कई क्षेत्रों में गेहूं क्रय केन्द्रों की कमी की समस्या उठाई। उन्होंने बताया कि फरीदपुर में जेड के अलावा कोई अन्य केन्द्र नहीं है, भुता में एक भी क्रय केन्द्र नहीं है, जबकि मीरगंज तहसील और आंवला क्षेत्र के शिशारतगंज में भी केन्द्रों की आवश्यकता है। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां-जहां क्रय केन्द्रों की आवश्यकता अधिक है, वहां तत्काल स्थान चिन्हित कर नए केन्द्र स्थापित किए जाएं। जिला विपणन अधिकारी ने जानकारी दी कि शासन से 101 क्रय केन्द्रों का लक्ष्य प्राप्त हुआ था, जिसके सापेक्ष जनपद में 107 स्थायी क्रय केन्द्र स्थापित किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त आवश्यकता अनुसार 13 मोबाइल क्रय केन्द्र भी संचालित किए जाएंगे, जिससे कुल 120 केन्द्रों के माध्यम से खरीद सुनिश्चित होगी।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी स्थिति में कोई भी किसान गेहूं क्रय केन्द्र से वापस नहीं लौटना चाहिए।

समिति के स्थापना दिवस पर हुआ सम्मान

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति नवाबगंज ने अपनी स्थापना के 15 वें वर्ष में प्रवेश करने पर कस्बे के उत्सव होटल में एक समारोह आयोजित कर एक सौभाग्य वती की बेटी के विवाह हेतु दहेज दान में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया।

समिति का सहयोग करने वाले मिश्री लाल मिश्रा, लालाराम गंगवार, कृष्ण कुमार गुप्ता,बृजेश शर्मा, रामौतार गुप्ता बाला जी, देवेन्द्र सिंह आर्य, कालीचरन राठौर, मनोरमा देवी सक्सेना, राजकुमारी सक्सेना को शाल ओढ़ाकर व प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया।

उपस्थित पदाधिकारियों ने सभी को फूल मालाएं पहनाकर उनका सम्मान प्रकट किया। समिति के नव निर्वाचित संयोजक संजीव कुमार गुप्ता व सहसंयोजक सुशील वर्मा,महिला सह संयोजक राज. कुमारी गंगवार, सदस्य नरेश राठौर, संतोष कुमार गुप्ता, दीपक सूरी, अनिल कुमार गुप्ता आढ़ती, वंदी रस्तोगी, प्रमोद आनन्द, वंद प्रकाश रस्तोगी आदि को फूल मालाए पहनाकर व शाल ओढ़ाकर विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विधायक डाक्टर एम पी आर्य,नगर पालिका परिषद के प्रतिनिधि नीरेन्द्र सिंह राठौर, ब्लाक प्रमुख पति अनुज कुमार गंगवार, युवा नेता रोहित गंगवार, एशियन लॉ कॉलेज के एम डी नंदकिशोर श्रीवास्तव आदि को संस्था के प्रति योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन समिति के सह संयोजक राजीव कुमार गुप्ता ने किया। संस्थापक प्रदीप कुमार सूरी एडवोकेट ने सभी का आभार व्यक्त किया, आयोजन में विनोद शर्मा, राजीव मिश्रा महेश कुमार गुप्ता,दीपक आनन्द, अशोक गहोई आदि का विशेष योगदान रहा।

8वें उर्से ताजुश्शरिया में चप्पे-चप्पे पर रहेंगे वालंटियर्सः सलमान मियां

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। 8वें उर्से ताजुश्शरिया की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को बाद नमाज-ए-जुमा दरगाह आला हजरत/ताजुश्शरिया परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उर्स प्रभारी जनाब सलमान हसन खान (सलमान मियां) और राष्ट्रीय महासचिव जनाब फरमान हसन खान (फरमान मियां) ने की। इसमें शहर की विभिन्न ब्रांचों से आए वालंटियर्स लीडर्स और कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

बैठक में उर्स की तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया गया और वालंटियर्स से सुझाव भी मांगे गए। उर्स प्रभारी सलमान मियां ने कहा कि इस बार उर्स में चप्पे-चप्पे पर वालंटियर्स तैनात रहेंगे, जो जायरीन की हर संभव मदद करेंगे। उन्होंने वालंटियर्स को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने, अनुशासन बनाए रखने और जायरीन की बेहतर से बेहतर खिदमत करने के निर्देश दिए।

उन्होंने विशेष रूप से ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि ट्रैफिक पुलिस के साथ समन्वय बनाकर वालंटियर्स की टीमें काम करेंगी, ताकि आने-जाने वाले जायरीन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा, साफ-सफाई और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। बैठक में लंगर व्यवस्था को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। फरमान मियां ने बताया कि उर्स के दौरान बड़ी संख्या में आने वाले जायरीन के लिए लगातार लंगर की व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया जाएगा, जो लंगर की तैयारी, वितरण और साफ-सफाई की जिम्मेदारी संभालेंगी। उन्होंने कहा कि खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, स्वच्छता और समयबद्ध वितरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि हर जायरीन तक आसानी से लंगर पहुंच सके। उन्होंने यह भी बताया कि उर्स के दौरान बड़े स्तर पर मेडिकल कैंप भी लगाए जाएंगे, जिससे दूर-दराज से आने वाले जायरीन को किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर तत्काल सहायता मिल सके। इस अवसर पर सय्यद अजीमुद्दीन रजवी साहब ने हुजूर ताजुश्शरिया के फजाइल और मनाकिब बयान करते हुए कहा कि उनका उर्स बरकतों के हासिल का जरिया है और उनके वसीले से दुआएं कुबूल होती हैं।

नारी वंदन अधिनियम के तहत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। राजेंद्र प्रसाद पीजी कॉलेज में नारी वंदन अधिनियम 2023 के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में नारी सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उनकी रचनात्मक प्रतिभा को मंच देना रहा। चित्रकला विभाग की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रंगोली के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, समानता और सम्मान के संदेश प्रस्तुत किए। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के कार्यों की सराहना की। प्राचार्य व शिक्षकों ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने के साथ समाज को सकारात्मक संदेश देते हैं।

सूचना

मैंने अपने पुत्रगण शहजान रजा व सुबहान रजा को गलत संगत में पड़ने के कारण उनसे सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति व परिवार से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके किसी भी कृत्य या लेनदेन के वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

सलमान रजा पुत्र हजूर अहमद
निवासी मोहल्ला शेखूपुर
(मदारनगर) कस्बा व थाना बहेड़ी
तहसील बहेड़ी जिला बरेली

सूचना

मैंने अपने पुत्र मो0 साजिद के गलत संगत में पड़ने के कारण उससे सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति व परिवार से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके किसी भी कृत्य या लेनदेन का वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

मो. फारूख पुत्र हाजी अब्दुल वहाव
निवासी वार्ड नं. 11 मोहल्ला
इस्लामनगर कस्बा रिछा तहसील
बहेड़ी जिला बरेली

कार्यालय जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, बरेली

पत्रांकः-47 /जि०ग्रा०का०/बरेली/सी०एफ०सी० पत्रा०/2026-27 दिनांकः-17.04.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

एतद् द्वारा राजकीय विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों/मशीन आपूर्तिकर्ता को सूचित किया जाता है कि जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, बरेली द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत सी०एफ०सी० हेतु निम्नलिखित विवरण के अनुसार मशीन आपूर्ति कराने हेतु सीलबंद निविदाएं दिनांक 25.04.2026 तक अपरान्ह 12 बजे तक आमंत्रित हैं। निविदाएं तद् दिनांक को अपराह्न 02:00 बजे जिला ग्रामोद्योग कार्यालय बरेली में खोली जायेगी। बिना कारण बताए किसी एक या समस्त निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार समिति का होगा, जिसे किसी भी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकेगी।

क्र० सं०	कार्य का विवरण	अनुमानित धनराशि	धरोहर धनराशि (रू० में)	निविदा शुल्क का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	समर सेविल 01,जिगर जोली10 सेट, एक अदद बॉलमिल कम पॉटमिल, सांचे मोल्ड जनरेटर।	5,00,000.00 जीएसटी सहित	10,000.00	650.00	30 दिन

नियम व शर्तेंः- किसी भी कार्य दिवस में जिला ग्रामोद्योग कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी
बरेली

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं मौहल्ला सुफी टोला शाहजहांपुर रोड़ बरेली, उप्र।

सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎0581-2562222 (बरेली)
मुख्यालयः
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No UPHIN/2003/11165
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

शासन से नामित पार्षदों ने ली पद की शपथ

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। महापौर डॉ अजय कुमार ने आज नगर निगम स्थित अपने कार्यालय में शासन द्वारा मनोनीत नामित दस पार्षदों को शपथ दिलायी और उनसे परस्पर समन्वय बनाते हुए महानगर के विकास में सहयोग देने की अपील की। शपथ ग्रहण करने वाले नामित पार्षदों में धनपाल कश्यप, मुरारी खेतवाल, मनीष सचदेवा, शिवमंगल सिंह, राजेश वालिया, जसवीर मोगा, प्रवीण रोहिला, राहुल झाम, निशांत वर्मा व अरुण गुप्ता शामिल रहे।

सभी नामित पार्षदों को एक सादे समारोह में महापौर डॉ. अजय कुमार ने शपथ दिलायी और महानगर के विकास में योगदान की अपील करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की

शुभकामनाएं दी। शपथ के पश्चात महापौर डॉ. अजय कुमार, निगर विधायक राजीव गुबर व रामपुर मनिहारान विधायक देवेंद्र निम व महानगर भाजपा अध्यक्ष शीतल विश्नोई गोयल, उपसभापति मयंक गर्ग तथा पार्षद दिग्विजय चौहान और मुकेश गक्खड़ आदि अन्य पार्षदों ने सभी नामित पार्षदों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

महापौर डॉ. अजय कुमार ने नामित पार्षदों को मंगल कामनाएं देते हुए कहा कि सभी नामित पार्षद नगर निगम बोर्ड की बैठकों में तो सहभागिता करेंगे ही साथ ही शहर के विकास, जनहित तथा सुशासन को भी एक नई दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि उनके आने से निगम को नयी ऊर्जा और नयी ताकत मिलेगी। नगर विधायक राजीव गुंबर ने कहा कि यह उन कर्मठ कार्यकर्ताओं के लिए स्वर्णिम क्षण है जिन्हें पार्षद के रूप में नामित होने का अवसर व सम्मान मिला है। उन्होंने सभी से एक दूसरे के साथ मिलकर परस्पर सामंजस्य बनाते हुए शहर के विकास में कार्य करने की अपील की।

विधायक देवेंद्र निम ने कहा कि सभी नामित पार्षद संगठन के जिम्मेदार कार्यकर्ता है अत: उन पर अब विकास को गति देने की दोहरी जिम्मेदारी है। भाजपा महानगर अध्यक्ष शीतल विश्नोई ने सभी नामित पार्षदों से आह्वान किया कि वे शहर को विकास की दृष्टि से आगे ले जाने और उसे सजाने-संवारने का काम करें। इस दौरान नगरायुक्त शिपू गिरि, अपर नगरायुक्त मृत्युंजय के अलावा बड़ी संख्या में पार्षद व नामित पार्षदों के समर्थक शामिल रहे। संचालन सदन प्रभारी जेपी यादव ने किया।

विधायक आशु मलिक की निधि से होंगे 3 करोड़ के निर्माण कार्य

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। सपा के देहात विधायक आशु मलिक की निधि से करीब तीन करोड रुपये के निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा शीघ्र शुरू कराये जायेंगे। विधायक ने कहा कि जन-जन तक विकास पहुंचाने के लिये हरसंभव प्रयास किये जायेंगे।

विधायक आशु मलिक की निधि से नगर निगम के वार्ड 27 में रफाकत जिम वाली गली से होते हुये अरशद के मकान से होते हुये अतीक के घर की तरफ से घूमते हुये सदफ मेडिकल से मिर्जा के मकान तक 600 मी इंटरलॉकिंग टाईल्स व नाली निर्माण, ब्लाक बलियाखेडी के ग्राम कोटा बस स्टैण्ड से प्राथमिक स्कूल तक सड़क लगभग 700 मी. इंटरलॉकिंग टाईल्स व नाली निर्माण, वार्ड 13 हरेटी में पुवाँका ब्लॉक की बराबर से जमालपुर, सलेमपुर पाड़ली होते हुये खुर्द सम्पर्क मार्ग तक लगभग 01 किमी इण्टरलॉकिंग टाईल्स व नाली निर्माण, ब्लॉक पुवाँका के ग्राम कलालहटी मेन सड़क कब्रिस्तान के अन्दर गाँव की ओर खाले की पुलिया तक लगभग 600 मी. इंटरलॉकिंग टाईल्स व नाली निर्माण, ब्लाक पुवाँका ग्राम मोहिद्दीनपुर में जिन्दा के मकान से लेकर बल्ले वाले की पुलिया तक लगभग 600 इंटरलॉकिंग टाईल्स व नाली निर्माण, ग्राम गागलहेडी में नसीर वेल्डिंग दुकान से लेकर मक्का बॉस की ओर जाने वाला रास्ता लगभग 01 किमी इंटरलॉकिंग टाईल्स व नाली निर्माण, नगर निगम के वार्ड 27 में कृष्णा कालोनी में सुहैल के मकान से वसीम के घर की ओर नफीस की तरफ होते हुये शाहिद कुरैशी से वसीम के घर तक लगभग 600 मी. इंटरलॉकिंग टाईल्स व नाली निर्माण, वार्ड 8 नाजिरपुर से ग्राम मद्द तक 600 मी इंटरलॉकिंग टाईल्स व नाली निर्माण स्वीकृत हुआ है। जिसे लोक निर्माण विभाग द्वारा जल्द पूरा किया जायेगा।

पुराने आंकड़ों पर देश का भविष्य तय करना छल: रूही

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। सपा के प्रदेश सचिव रूही अंजुम ने कहा कि 2026 में खड़े होकर 2011 के पुराने आंकड़ों पर देश का भविष्य तय करना एक छल है। संविधान का 131वां संशोधन विधेयक 2026 केवल महिलाओं को सशक्त बनाने का प्रयास नहीं है बल्कि महिला आरक्षण जैसे पवित्र मुद्दे की आड़ में लोकतंत्र और संघीय ढांचे के साथ किया जा रहा एक बड़ा संवैधानिक प्रयोग है।

उन्होंने कहा कि यह विधेयक जनगणना और परिसीमन के अटूट रिश्ते को तोड़ रहा है। अब तक मर्यादा रही है कि हर परिसीमन से पहले ताजा जनगणना अनिवार्य है लेकिन अब इसे सरकार की मर्जी पर छोड़ दिया गया है। पिछले 15 वर्षों में देश की आबादी और सामाजिक बनावट बदल चुकी है। ताजा जनगणना से भागना इस बात का प्रमाण है कि सरकार जातिगत जनगणना और पिछड़ों के वास्तविक आंकड़ों का सामना करने से डर रही है। प्रदेश सचिव ने कहा कि बिना नई जनगणना के परिसीमन उन राज्यों के साथ अन्याय है जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण में बेहतर काम किया है। साथ ही लोकसभा की सीटें बढ़ाकर 850 करना और राज्यसभा को वैसा ही छोड़ देना राज्यों की परिषद को शक्तिहीन बनाने की साजिश है। संयुक्त बैठक की स्थिति में राज्यसभा की आवाज पूरी तरह दबा दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि यह विधेयक नियम आधारित व्यवस्था से हटकर सरकार निर्भर व्यवस्था की ओर ले जाने वाला कदम है। हम महिलाओं के लिए आरक्षण चाहते हैं लेकिन लोकतंत्र की बलि देकर या पिछड़ों के हक छीनकर यह दिखावा स्वीकार नहीं करेंगे। मेरी सरकार से मांग है कि इस राजनीतिक मायाजाल को छोड़कर वर्तमान 543 सीटों पर ही तत्काल 33 प्रतिशत महिला आरक्षण सुनिश्चित किया जाए।

भाजपा के पास कोई उपलब्धि नहीं: हरीश रावत

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि भाजपा के नो साल के कार्यकाल में कोई उपलब्धि नहीं है।

हरीश रावत ने यह बात छुटमलपुर में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय महासचिव मुजतबा एडवोकेट के निवास पर पत्रकार वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण अत्यधिक स्वागत योग्य है राजीव गांधी ने ये सपना देखा था कि पंचायतों में महिला आरक्षण मिले। संसद में आये सोनिया गांधी के नेतृत्व में लगातार ये आवाज उठायी जा रही थी। राज्यो के अंदर जो परिसीमन

होगा इस निर्णय के साथ वो किस आधार पर होगा कई राज्य चिंतित है उत्तराखण्ड को भी चिंतित होना होगा दक्षिण के राज्यो की भी कई चिंता है जिन राज्यो की जनसख्या ज्यादा है कहीं उन्हीं राज्यो का दबदबा ना हो जाये। उन्होंने कहा कि हमारा संघीय संविधान है जो एक संतुलन आधार पर आधारित है परिसीमन के मामले में हमारी केंद्र सरकार को सलाह है सब राज्यो से परामर्श होना जरूरी है इस मुद्दे पर जल्दबाजी नहीं करनी चाहिये।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस उत्तराखण्ड में भारी बहुमत से सरकार बनाने जा रही है भाजपा के नो साल के कार्यकाल में कोई उपलब्धि नहीं है भ्रष्टाचार, महंगाई, दिन दहाड़े हत्या लूट अब उत्तराखंड में आम बात हो गई है, जो उद्योग कांग्रेस ने लगाये थे वो बंदी की कगार पर है किसान परेशान है फसलो के दाम नहीं मिल रहे है खाद बीज की किल्लत है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सिर्फ झूठ बोलकर और हिंदू मुस्लिम धर्म की राजनीति कर सत्ता में आयी है गैस की किल्लत सब के सामने है भाजपा सरकार के मंत्री भ्रष्टाचार में डूबे है ।देहरादून में कघनून व्यवस्था चरमराई हुई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली से देहरादून पहुँचना आसान हुआ है लेकिन देहरादून आईएसबीटी से अंदर कितना भारी भरकम जाम लग रहा है क्योंकि भाजपा की सरकार ने अंदर के जाम की समस्या के बारे में कोई मास्टर प्लान नहीं बनाया जो आने वाले समय में और चिंता बढ़ायेगा।

इस अवसर पर अब्दुल हसीब मलिक, मनोज चौधरी, प्रधान फरमान, प्रधान नासिर, कारी आबिद, राव यूसुफ, याहिया मलिक, अरशद मलिक, फैसल मिर्जा, अजीम मलिक, पदम् सिंह, रामबीर सिंह, महबूब तलहेड़ी, आजम मलिक, फजल मिर्जा आदि मौजूद रहे।

शव मिलने से सनसनी

सहारनपुर। थाना सदर बाजार क्षेत्र के न्यू मक्खन कॉलोनी के पास स्थित एक पुराने रेलवे वार्ड में गुरुवार को एक अज्ञात शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही थाना सदर बाजार पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

पुलिस के अनुसार शव काफी पुराना होने के कारण उसकी हालत अत्यंत खराब हो चुकी थी, जिससे मृतक की पहचान नहीं हो सकी। मौके पर फॉरेन्सिक यूनिट को बुलाकर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए गए। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों से भी शव की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है।

बाबा साहेब के सिद्धांतों पर चलें: गुम्बर

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। भारत के महान संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के पावन अवसर पर भव्य सम्मेलन कर बाबा साहब के सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लिया गया।

गढ़ी मलूक में आयोजित सम्मेलन में नगर विधायक राजीव गुंबर ने कहा कि बाबा साहेब के विचारों को समाज में समानता, न्याय और बंधुत्व विचारों को जन-जन तक पहुँचाना है। हमारी सरकार बाबा साहब के पंच तीर्थ एवं बाबा साहब से जुड़े हुए समय समस्त स्मृतियों को सम्मान देने का काम कर रही है। मेयर अजय सिंह ने बाबा साहब के जीवन पर

प्रकाश डाला। रामपुर मनिहारान विधायक देवेंद्र निम ने बाबा साहब के बताये मार्ग पर चलने का आहवान किया। महानगर अध्यक्ष शीतल विश्नोई, पूर्व महापौर संजीव वालिया ने भी अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में पार्षद संजीव कर्णवाल, बाल्मीकि समाज के अध्यक्ष विनोद घावरी, जय राम गीतम, भाजपा महामंत्री ललित कटारिया, उपाध्यक्ष मनोज ठाकुर, संत किरण दास, राम कुमार, महावीर दास, सतीश दास, सुरेंद्र दास, ओम प्रकाश कटारिया, बाबूराम, किरात दास, राजपाल, राजेश दास, रामकुमार, किशोर शर्मा, नितिन परमार, अंकित जाटव, प्रदीप शर्मा, मानवेंद्र भारद्वाज, राजेश जौहरी, गोपाल मेंहदीरत्ता, मयंक धींगड़ा, राजेश वालिया, सागर कटारिया, कैलाश नामदेव आदि मौजूद रहे।

पार्षद फराज ने कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। नगर निगम में स्तिथ विधुत विभाग कार्यालय में सहायक अभियंता के पद पर कार्यरत महिला अधिकारी के स्थानांतरण को लेकर पार्षद एकजुट नजर आ रहे हैं। कई पार्षदों के द्वारा स्थानांतरित शासनादेश का हवाला देते हुए मंडलायुक्त को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की।

इसी कड़ी में वार्ड संख्या 45 के पार्षद फराज अंसारी ने भी मंडलायुक्त को ज्ञापन प्रेषित किया है जिसमे उनके द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम में स्तिथ विधुत विभाग कार्यालय की महिला अधिकारी का स्थानांतरण का आदेश 4 सितम्बर 2025 को

वाराणसी में कर दिया गया था परन्तु नगर निगम में धरस्टाचार के चलते अभी तक भी महिला अधिकारी को स्थानांतरित नहीं किया गया है। पार्षद फराज अंसारी ने आरोप लगाते हुए बताया कि नगर निगम में इनके द्वारा जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने वार्ड में होने वाली विधुत से सम्बंधित कार्यों की अवहेलना की जाती है जिससे पार्षदों के कार्य नहीं हो पा रहे हैं। पार्षद फराज अंसारी का कहना है कि लगभग 1 माह पूर्व भी मंडलायुक्त के द्वारा नगर आयुक्त को स्थानांतरण के आदेश जारी किये गए थे परंतु आज तक भी महिला अधिकारी को स्थानांतरित नहीं किया गया है जो जनहित में उचित नहीं है। पार्षद फराज अंसारी ने मंडलायुक्त से इस मामले पर संज्ञान लेकर कार्यवाही की मांग की है।

महिला अपने अधिकार पहचानें: शीतल

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नारी शक्ति वंदन अभियान के अंतर्गत एक भव्य महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया।

गलीरा रोड पर आयोजित सम्मेलन में महानगर अध्यक्ष शीतल विश्नोई ने कहा इस सम्मेलन का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों, सम्मान और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करना व महिलाओं की समाज में बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला और उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

सम्मेलन में पूर्व विधायक रविंद्र मोहल्ल, प्रदेश मंत्री नूतन शर्मा व अल्पना तलवार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं रोजगार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए। सम्मेलन में सरदार सुपनीत सिंह,संयोजक महानगर मंत्री आरती शर्मा, कंचन धवन, नीलू रणा, मंत्री सोनम कश्यप, कुसुम वालिया, रूमा पाल संगीता, मीनाक्षी, राशि, ऊषा सरिता, भारती, जय श्री, रेखा, ममता, सोनिया, गीता पूनम, आरती, कविता, शीबा, बबली, मोनिका, जूली, रूपा, नेहा, नीरू अरोड़ा, सोशल मीडिया संयोजक प्रदीप शर्मा हेमंत धीमान, मयंक धींगरा, मंडल अध्यक्ष जोगेंद्र लाला, पार्षद सुपिन पाल, विजय अरोड़ा, विपिन कुमार आदि उपस्थिति रहे।

पुलिस ने शांतिभंग में दो आरोपियों को जेल भेजा

सहारनपुर। थाना नगर कोतवाली पुलिस ने शांति भंग की धाराओं में दो आरोपियों का चालान काटकर जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार थाना नगर कोतवाली पुलिस ने प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह व उपनिरीक्षक महेंद्र सिंह के नेतृत्व में शांति भंग के आरोप में दो आरोपियों शिवम पुत्र रमेश निवासी इस्लामनगर थाना रामपुर मनिहारान व हर्ष कुमार पुत्र बबित कुमार निवासी सौराना थाना सरसावा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों को शांति भंग की धाराओं में चालान काटकर जेल भेज दिया।

भव्य हाल के निर्माण का विधि विधान से शिलान्यास

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। नगर के प्राचीन क्षेत्र छत्ता बारूमल स्थित 150 वर्ष पुराने अतिशय क्षेत्र श्री दिगंबर जैन चंद्रप्रभ मंदिर के पावन परिसर में भव्य हॉल के निर्माण हेतु बुधवार को विधि-विधान से शिलान्यास संपन्न हुआ।

जैन समाज के अध्यक्ष राजेश कुमार जैन ने कहा कि अतिशय क्षेत्र का स्वरूप प्राप्त कर चुके इस प्राचीन जिनालय में हॉल निर्माण का शुभारंभ हो रहा है। भविष्य में यह हॉल असंख्य भव्य जीवों के सम्यकदर्शन, स्वाध्याय, जाप, सामायिक, भक्ति एवं पूजा-अर्चना में निमित्त बनेगा और आत्म-कल्याण का मार्ग प्रशस्त

करेगा। उन्होंने ट्रस्ट के पदाधिकारियों को निर्माण कार्य उच्च स्तर पर पूर्ण करने की प्रेरणा दी।

समाज के संरक्षक एवं पूर्व महानगर भाजपा अध्यक्ष राकेश जैन ने कहा कि प्राचीन जिन मंदिरों का जीर्णोद्धार नवीन मंदिर निर्माण से भी अधिक पुण्यदायी माना गया है। प्राचीन धरोहर की रक्षा हमारा परम कर्तव्य है। प्राचीन मंदिर प्राय: अतिशय क्षेत्र होते हैं जहाँ की ऊर्जा और पवित्रता अतुलनीय है। सीए अनिल जैन, महामंत्री संजीव जैन, निर्माण संयोजक अविनाश जैनवाली ने भी विचार रखे।

इस पावन अवसर पर डी.के. जैन एडवोकेट, चौधरी अनुज जैन, संजीव-जैन बब्बू राजीव जैन सरंफ, मनीष जैन गोटे वाले, अवनीश जैन वैभव जैन, अरुण जैन, सुमित जैन, मानसिंह पूर्व पार्षद, नीरज जैन, चक्रेश जैन, जैन मिलन के महामंत्री अजय जैन, क्षेत्रीय अध्यक्ष राजीव जैन नानौता वाले, अनुज जैन पार्षद, दीपक जैन एडवोकेट, विशाल जैन तारवाले, पवन जैन, प्रदीप जैन, राजीव जैन अरिहंत सहित सैकड़ों श्रावक-श्राविकाएं साक्षी बने।

पंचायत चुनाव को लेकर ग्राम प्रधानों का प्रदर्शन

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। ग्राम प्रधान संगठनों से जुड़े प्रधानों ने शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रधानों ने आगामी पंचायत चुनाव समय पर न होने की स्थिति में एक वर्ष का कार्यकाल बढ़ाने तथा प्रशासक नियुक्त न किए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

जिलाधिकारी को ज्ञापन देने की मांग को प्रधानों ने हंगामा किया, जिसके बाद मौके पर पहुंचे जिलाधिकारी को प्रदर्शनकारी प्रधानों ने अपना ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के लिए विभिन्न ग्राम प्रधान संगठन के प्रतिनिधि हकौकत नगर स्थित रामलीला मैदान में एकत्रित हुए। इसके बाद सभी प्रधान नारेबाजी करते हुए

जुलूस के रूप में जिला मुख्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन ज्ञापन में कहा गया है कि प्रदेश की त्रिस्तरीय पंचायतों का कार्यकाल आगामी 26 मई 2026 एवं 19 जुलाई 2026 को समाप्त होने जा रहा है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए समय पर पंचायत चुनाव कराना संभव प्रतीत नहीं होता। मतदाता सूची के पुनरीक्षण में हो रही देरी, समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन की लंबित प्रक्रिया तथा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित 'ट्रिपल टेस्ट' की प्रक्रिया पूरी न होना प्रमुख कारण बताए गए हैं। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि ग्राम प्रधान एवं अन्य पंचायत प्रतिनिधि सीधे जनता द्वारा चुने जाते हैं और अपने क्षेत्र की समस्याओं व आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझते हैं। ऐसे में वे अधिक पारदर्शिता, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हैं। संगठन ने प्रदेश सरकार से मांग करते हुए कहा कि वर्तमान पंचायतों का कार्यकाल बढ़ाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखा जाए और प्रशासक नियुक्त न कर ग्राम प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाया जाये। जिलाधिकारी को ज्ञापन देने की मांग को लेकर ग्राम प्रधान अडिग हो गये। आरोप है कि जिलाधिकारी द्वारा स्वयं ज्ञापन न लेकर मजिस्ट्रेट को नामित कर दिया गया। जैसे ही मजिस्ट्रेट ज्ञापन लेने पहुंचे, प्रधानों ने इसका विरोध करते हुए जिलाधिकारी को ही ज्ञापन देने की मांग पर अड़ गए। इस दौरान नाराज प्रधान जमीन पर ही धरने पर बैठ गए और जमकर नारेबाजी व हंगामा किया जिसके बाद धरने पर बैठे ग्राम प्रधानों के बीच जिलाधिकारी पहुंचे और उनका ज्ञापन लिया। इस दौरान ग्राम प्रधान संजय वालिया, राहुल त्यागी, अनुप कुमार, सविता देवी, शिवकुमार, बीना सैनी, पंकज, कुसुम, मौ. बाबर, रेनू, राजकुमार, तेजपाल समेत आदि प्रधान मौजूद रहे।

परीक्षाफल देख बच्चों के चेहरों पर मुस्कान

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। सीबीएसई बोर्ड के हाईस्कूल का परीक्षाफल घोषित होने पर छात्रों में खुशी की लहर है।

बेहट कस्बे के मोहल्ला महाजनान निवासी मनीष शर्मा और माला शर्मा की बेटी मनस्वी शर्मा ने हाईस्कूल की परीक्षा में 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने परिजनों एवं शिक्षकों का नाम रोशन किया है। मनस्वी शेमफोर्ड स्कूल की छात्रा है। छात्रा की इस उपलब्धि पर परिजनों में खुशी की लहर है। परिजनों ने छात्रा की इस उपलब्धि पर उसका मुंह मीठा कराया। मनस्वी का कहना है कि उसने यह लक्ष्य कड़ी मेहनत के बल पर प्राप्त किया है।

नानौता। नानौता के सीबीएसई बोर्ड के स्कूलों का हाईस्कूल का रिजल्ट शानदार रहा ब्राईट होम, ग्रीन फील्ड, रेडिएंट पब्लिक स्कूल का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा।

ग्रीन फील्ड एकेडमी कि तनु पुंडीर ने 96.07 प्रतिशत अंक लाकर स्कूल टाप वहीं सार्थक शर्मा ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा व जैद अंसारी ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया विद्यालय का कक्षा 10 का परिणाम शत् प्रतिशत रहा ब्राइट होम पब्लिक स्कूल में उत्कृष पुण्डीर ने 95.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल को टोप किया। शारस चावला ने 93.20 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतिष्ठा चौधरी ने 93.00 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त कर अपने अभिभावकों व शिक्षकों का मान बढ़ाया। प्रधानाचार्य मौ. अहमद खान ने मेधावी छात्रों को मिष्ठान खिलाकर अग्रिम भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। रेडिएंट पब्लिक स्कूल में राशि तथा तानवी ने 95.60% अंक लाकर स्कूल टॉप किया वहीं वैष्णवी ने 95.40 अंक प्राप्त किए अनुष्का सैनी ने 94.80 व आदित्य ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त किए तो कुमुद तोमर, हर्ष, आर्यन चौहान, वर्षा, अमृता राव, पलक ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये।

एक नजर

उमना फातिमा गोल्ड मेडल से सम्मानित

किरतपुर। क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है कि काजी तारिक अली की पुत्री उमना फातिमा ने जामिया हमदर्द से एम.एससी (बायोमेडिकल साइंस) अंतिम वर्ष में प्रथम स्थान हासिल कर परिवार व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से नगर में खुशी और उत्साह का माहौल है। उमना फातिमा को उनकी इस शानदार सफलता पर माननीय चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण और गौरवपूर्ण क्षण रहा। उनके पिता काजी तारिक अली ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जामिया हमदर्द का आभार जताया। उन्होंने कहा कि संस्थान ने उनकी पुत्री को बेहतरीन शिक्षा और अनुकूल वातावरण प्रदान किया, जिससे वह इस मुकाम तक पहुंच सकीं। साथ ही उन्होंने माननीय चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति सूर्यकांत का भी धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि उमना की सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत, शिक्षकों का मार्गदर्शन, परिवार का सहयोग और समाज का आशीर्वाद शामिल है। उमना फातिमा की इस उपलब्धि पर क्षेत्र के लोगों में हर्ष का माहौल है। विभिन्न सामाजिक व शिक्षण क्षेत्र से जुड़े लोगों द्वारा परिवार को बधाइयां दी जा रही हैं। यह सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है।

होम डिलीवरी की लिस्ट फाड़ने पर हंगामा

नजीबाबाद। उप जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार के आदेश पर होम डिलीवरी के माध्यम से गैस सिलेंडर वितरण की व्यवस्था के बावजूद इंडियन गैस एजेंसी के गोदाम पर हंगामा हो गया। उपभोक्ताओं की भीड़ ने वितरण के लिए लगाई गई सूची फाड़ दी। स्थिति बिगड़ती देख एजेंसी स्टाफ ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। एसडीएम के आदेश के अनुसार प्रतिदिन 290 उपभोक्ताओं को सूची के आधार पर सिलेंडर दिए जाने हैं। सभी सिलेंडर उपभोक्ताओं के घर तक पहुंचाए जाएंगे। इस व्यवस्था में किसी भी उपभोक्ता को गोदाम पर आने या लाइन लगाने की आवश्यकता नहीं है। इसके बावजूद आज रात 12 बजे से ही गोदाम के बाहर उपभोक्ताओं की लंबी लाइन लग गई। सुबह भीड़ बढ़ने पर कुछ उपभोक्ताओं ने गोदाम पर चस्पा की गई वितरण सूची फाड़ दी। हंगामा बढ़ने पर इंडियन गैस एजेंसी स्टाफ ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम और आपूर्ति विभाग के अधिकारी धर्मेंद्र कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस बल की मदद से गोदाम के बाहर जमा भीड़ को हटाया गया। अधिकारियों ने कहा कि सभी गैस सिलेंडर उपभोक्ताओं को घर पर ही उपलब्ध कराए जाएंगे। इंडियन गैस एजेंसी के वर्कर होम डिलीवरी के माध्यम से घर-घर गैस पहुंचाएंगे। इंडियन गैस एजेंसी के मैनेजर खेम सिंह ने बताया कि सात अप्रैल से जिन उपभोक्ताओं की बुकिंग हुई है, उन सभी उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर घर पर पहुंचाया जाएगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से कहा कि वे गोदाम पर भीड़ न लगाएं और सूची के अनुसार घर पर ही सिलेंडर प्राप्त करें।

छात्राओं को अधिनियम की जानकारी दी

बिजनौर। आरबीडी डिग्री कॉलेज में प्राचार्या प्रो.पारुल त्यागी के निर्देशन में महिला आरक्षण अधिनियम 2023 (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) प्रचार अभियान के अंतर्गत भाषण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में राजनीति विज्ञान विभाग की असि.प्रो. डा.अल्पना सिंह ने छात्राओं को अधिनियम के बारे में जानकारी दी। इसके बाद हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डा. शारदा द्विवेदी ने भी छात्राओं को अधिनियम के बारे में जागरूक करते हुए निरंतर आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी। इसके उपरांत बीए चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा आयशा परवीन, फायजा परवीन, मंतशा एवं कशिश ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि यदि भविष्य में उनको अवसर मिलेगा, तो वह नारी सशक्तिकरण में अपना योगदान देंगी व समाज में व्याप्त नारी समस्याओं का समाधान करेंगी। डा. अल्पना सिंह ने यह भी कहा की इस प्रकार के कार्यक्रम आम नारी को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हैं। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्ष डा. आराधना दीक्षित का विशेष सहयोग रहा। उन्होंने छात्राओं को देश की सशक्त नारियों के उदाहरण देते हुए उनके जीवन परिचय से अवगत करवाया।

एजुकोल का रिजल्ट रहा शत प्रतिशत

धामपुर। एजुकोल द गर्ल्स स्कूल में कक्षा दसवीं बोर्ड का परीक्षाफल गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी शत प्रतिशत रहा। परीक्षाफल देखकर सभी छात्राएं खुशी से झूम उठीं। कक्षा दसवीं में मदीहा रहमानी ने 96%, डिम्पल रणा ने 94%, जिज्ञासा आर्या ने 93.8%, वरुनी ने 93.6%, रहमा नूर ने 92.4% प्राप्त कर विद्यालय का नाम उज्जवल किया। सभी छात्राओं ने अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों एवं माता-पिता को दिया। जिनके परिश्रम एवं आशीर्वाद से उन्होंने यह सफलता प्राप्त की। विद्यालय प्रबंधक डा. लोकेंद्र सिंह ने सभी छात्राओं को बधाई देते हुए मिठाई वितरित की तथा प्रधानाचार्या मिस प्रीति अग्रवाल ने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सभी छात्राएं आगे भी ऐसे ही अपने विद्यालय, माता-पिता तथा गुरुजनों का नाम रोशन करें। इस मौके पर विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

मिट्टी से लदे वाहनों से उड़ रही धूल

शाह टाइम्स संवाददाता
नजीबाबाद। बुंदकी रोड इन दिनों धूल के गुबार और अनियंत्रित रफ्तार का पर्याय बन गई है। मानकों को ताख पर रखकर मिट्टी का अवैध परिवहन करने वाले ट्रैक्टर-ट्रॉली और डंपर क्षेत्र के लोगों, विशेषकर स्कूली बच्चों के लिए बड़ी मुसीबत बन गए हैं। बिना तिरपाल ढके और मिट्टी के ओवरलोड वाहन न केवल यातायात नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं, बल्कि मास. मों की सेहत से भी खिलवाड़ कर रहे हैं। बुंदकी रोड पर तीन से चार प्रमुख निजी स्कूल संचालित हैं। स्कूल खुलने और छुट्टी के समय सड़क पर बच्चों की भारी भीड़ रहती है। इसी दौरान मिट्टी से लदे

स्कूली बच्चों की सेहत पर संकट

वाहन तेज रफ्तार से निकलते हैं। नियमानुसार मिट्टी परिवहन के दौरान उसे तिरपाल से ढकना अनिवार्य है। लेकिन यहां चालक बेखौफ होकर खुले में मिट्टी उड़ाते हुए निकल रहे हैं। सड़क पर उड़ने वाली धूल के कारण बच्चों को स्कूल आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। धूल की वजह से दृश्यता कम हो जाती है। जिससे दुर्घटना का भय बना रहता है। साथ ही बच्चों में सांस की तकलीफ और आंखों में जलन जैसी समस्याएं भी बढ़ रही हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि घनी आबादी और स्कूल जोन होने के बावजूद इन वाहनों पर कोई अंकुश नहीं लगाया जा रहा है। नागरिकों का आरोप है कि ये वाहन चालक बिना किसी डर के फर्राटे भर रहे हैं। इससे प्रतीत होता है कि इन्हें प्रशासन या पुलिस का कोई खौफ नहीं है। नागरिकों ने मांग की है कि बिना मानक मिट्टी ढोने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि किसी बड़ी अनहोनी को टाला जा सके।

फ्यूचर चिल्ड्रन एकेडमी का शानदार प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता
शिवाला कलां। फ्यूचर चिल्ड्रेन एकेडमी के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है कि विद्यालय के कक्षा 10 के विद्यार्थियों का परिणाम सीबीएसई द्वारा घोषित किया गया। जिसमें विद्यालय का परिणाम शत-प्रतिशत रहा।

विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत, लगन एवं अनुशासन के बल पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। इस वर्ष कई विद्यार्थियों ने शानदार अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों में कुनाल ने 95%, कनिका ने 92%, आदर्श ने 92%, शशांक ने 85% तथा लविश ने 84% अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की। विद्यालय प्रबंधन एवं समस्त शिक्षकों ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर बधाई दी है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। साथ ही सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग को दिया गया है। विद्यालय के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य ने कहा कि फ्यूचर चिल्ड्रेन एकेडमी सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी विद्यार्थियों को इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती रहेगी।

तीन दिवसीय पर्यवेक्षक प्रशिक्षण का शुभारंभ

व्यावहारिक समस्याओं और उनके निराकरण पर विस्तृत चर्चा

शाह टाइम्स ब्यूरो
बिजनौर। एडीएम/जिला जनगणना अधिकारी वान्या सिंह के दिशा निर्देश में आज तहसील एवं नगर निकाय स्तर पर तीन दिवसीय प्रगणक एवं पर्यवेक्षक को ट्रेनिंग कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

एडीएम वान्या सिंह ने बताया कि आगामी जनगणना कार्यों को शुद्धता और समयबद्धता के साथ संपन्न कराने के लिए शासन के मंशानुसार आज जनपद में व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आगाज हुआ। एडीएम वान्या सिंह के कुशल दिशा-निर्देशों के क्रम में आज जनपद की समस्त तहस. लों एवं नगर निकायों में प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया।

उन्होंने बताया कि जनगणना एक राष्ट्रव्यापी महत्वपूर्ण कार्य है, जिसकी सफलता सटीक डेटा पर निर्भर करती है। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को जनगणना की बारीकियों, तकनीकी पहलुओं और मोबाइल ऐप के माध्यम से डेटा फीडिंग की प्रक्रिया में दक्ष बनाना है। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी तीन दिनों तक निरंतर जारी रहेगा। इस बार डिजिटल माध्यमों पर विशेष जोर दिया जा रहा है, ताकि डेटा संकलन में त्रुटि की गुंजाइश न रहे। प्रशिक्षण के दौरान फील्ड में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं और उनके निराकरण पर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने विभिन्न केंद्रों पर आयोजित सत्रों में संबंधित तहसीलदारों और अधिशासी अधिकारियों ने मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से प्रगणकों को संबोधित किया। प्रगणकों को निर्देशित किया गया कि वे घर-घर जाकर जानकारी जुटाते समय आम जनमानस के साथ मृदु व्यवहार करें और प्रत्येक कॉलम को सावधानीपूर्वक भरें।

जिला जनगणना अधिकारी ने स्पष्ट किया कि पर्यवेक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे सुनिश्चित करेंगे कि उनके अधीन कार्य कर रहे प्रगणक निर्धारित क्षेत्र (Layout Map) के अनुसार ही कार्य कर रहे हैं और कोई भी परिवार गणना से वंचित न रहे।

इस मौके पर जिला प्रभारी जे पी यादव, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, मास्टर ट्रेनर्स और बड़ी संख्या में प्रगणक एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

उर्वरकों के संतुलित उपयोग की जानकारी दी

शाह टाइम्स संवाददाता
नगीना। कृषि क्षेत्र में बढ़ती लागत को कम करने और मिट्टी की सेहत सुधारने के उद्देश्य से आज ग्राम चन्दुपुरा (कोतवाली) में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

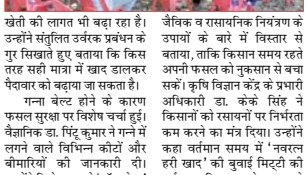

प्राप्त समाचार के अनुसार कृषि विज्ञान केंद्र नगीना द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य विषय 'उर्वरकों का संतुलित उपयोग और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन' रहा। कार्यक्रम में केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. शिवांगी ने किसानों को संबोधित करते हुए मृदा परीक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बिना जांच के अंधाधुंध उर्वरकों का प्रयोग न केवल मिट्टी की संरचना को बिगाड़ रहा है, बल्कि किसान की खेती की लागत भी बढ़ा रहा है। उन्होंने संतुलित उर्वरक प्रबंधन के गुर सिखाते हुए बताया कि किस तरह सही मात्रा में खाद डालकर पैदावार को बढ़ाया जा सकता है।

गन्ना बेल्ट होने के कारण फसल सुरक्षा पर विशेष चर्चा हुई। वैज्ञानिक डा. पिंटू कुमार ने गन्ने में लगने वाले विभिन्न कीटों और बीमारियों की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से 'टॉप बोरर' कीट की पहचान और उसके जैविक व रासायनिक नियंत्रण के उपायों के बारे में विस्तार से बताया, ताकि किसान समय रहते अपनी फसल को नुकसान से बचा सकें। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी अधिकारी डा. केके सिंह ने किसानों को रसायनों पर निर्भरता कम करने का मंत्र दिया। उन्होंने कहा वर्तमान समय में 'नवरत्न हरी खाद' की बुवाई मिट्टी की उर्वरता शक्ति सुधारने का सबसे सशक्त माध्यम है। इससे न केवल यूरिया-डीएपी पर निर्भरता कम होगी, बल्कि भूमि की जलधारण क्षमता भी बढ़ेगी। इसके साथ ही उन्होंने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न महत्वाकांक्षी कृषि योजनाओं की जानकारी देते हुए किसानों को उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

क्षेत्र के प्रगतिशील किसान नितिन सिरोही ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि आज के दौर में पारंपरिक खेती के बजाय नवीन वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाना अनिवार्य हो गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि तकनीक आधारित खेती ही भविष्य में कृषि को लाभ का सौदा बनाएगी। कार्यक्रम में गन्ना मिल धामपुर के सीनियर केन मैनेजर सुरेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे।

विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की हुंकार

शाह टाइम्स ब्यूरो
बिजनौर। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आर.के. फार्म्स में संगठन सृजन एवं समीक्षा की एक महत्वपूर्ण एवं प्रभावशाली बैठक आयोजित की गई, जिसने जिले की राजनीति में एक स्पष्ट और मजबूत संदेश दिया।

बैठक की समीक्षा एआईसीसीसचिव एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रदीप नरवाल द्वारा किया गया। उन्होंने प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों पर सरकार की उदासीनता अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि कांग्रेस पार्टी जनविरोधी नीतियों के खिलाफ सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष को और तेज करेगी। नरवाल ने विशेष रूप से बिजनौर जनपद की सभी आठ

आठ विधानसभा सीटों पर तेज होगी तैयारी

विधानसभा सीटों पर मजबूती के साथ काम करने का आह्वान किया और कार्यकर्ताओं को आगामी विधानसभा चुनाव, जो अब केवल लगभग आठ महीने दूर हैं के लिए पूरी तरह तैयार रहने एवं संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने पर जोर दिया।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती हैनरीता राजीव सिंह ने पिछले एक वर्ष में बिजनौर कांग्रेस द्वारा किए गए संघर्षों और उपलब्धियों को मजबूती से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हर मोर्चे पर जनता की आवाज बनकर प्रशासन को जवाबदेह बनाने का कार्य किया है। चाहे वह किसानों, युवाओं, महिलाओं या आम नागरिकों के मुद्दे हों।

उन्होंने कार्यकर्ताओं के जज्बे और संघर्षशीलता की सराहना करते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी कांग्रेस का हर कार्यकर्ता पूरी ताकत के साथ जनता के हक की लड़ाई लड़ रहा है।

बैठक के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की, जो इस बात का प्रमाण है कि जनता का विश्वास तेजी से कांग्रेस की ओर बढ़ रहा है और आने वाले समय में संगठन और भी सशक्त होकर उभरेगा।

इस अवसर पर जिला, शहर, नगर, ब्लॉक, विभाग एवं प्रकोष्ठ के अध्यक्षगण, उनके समिति सदस्य, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं पीसीसी सदस्यगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

एक नजर

विवेक में नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम

बिजनौर। विवेक विश्वविद्यालय परिसर में आज नारी शक्ति वंदन अधिनियम-प्रचार अभियान के अंतर्गत नारी शक्ति दीवार और मानव श्रृंखला के कार्यक्रम आयोजित किए गए। नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम की संयोजिका डा.मीना चौधरी ने संस्कृतिक कार्यक्रम समिति के सदस्यों के साथ विज्ञान, कॉमर्स और इंजीनियरिंग की छात्राओं ने विश्वविद्यालय के आयुर्वेद स्कूल में मानव श्रृंखला बनवाई तथा नारी शक्ति जागरण तथा नारी असमिता पर विस्तृत संदेश दिया। इस श्रृंखला निर्माण के अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति ई.जी.दीपक मित्तल, वित्त-निदेशक डीके अग्रवाल, कुलसचिव डा. हितेश शर्मा तथा डीन साइंस डा. संजय कुमार त्यागी उपस्थित रहे। प्रतिकुलाधिपति द्वारा नारी शक्ति दीवार की स्थापना भी की जिस पर शिक्षिकाओं और छात्राओं ने विचार लिखे और हस्ताक्षर किए। कार्यक्रम की सफलता में ऋचा चौधरी, डा. निधि शुक्ला, डा. पुष्पा जोशी, डा. संतोष गुप्ता, डा. माया देवी, डा. डीजी बारी, शालिनी राजपूत, ऋतु बिष्ट, डा. मीनाक्षी, डा. पूनम अग्रवाल, धयुति त्यागी, मनिका विश्नोई, डा. राशि तंवर आदि का सहयोग रहा।

जनगणना के लिए सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण

नगीना। आगामी जनगणना 2027 के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में आज ग्रामीण क्षेत्रों के लिए नियुक्त प्रगणकों और सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ कर दिया गया है। यह प्रशिक्षण अभियान 29 अप्रैल तक जारी रहेगा। तहसीलदार नगीना व चार्ज अधिकारी (ग्रामीण क्षेत्र) द्वारा जारी सूचना के अनुसार जनगणना अभियान को सुचारू रूप से चलाने के लिए तहसील नगीना के ग्रामीण क्षेत्रों में 748 प्रगणक और 125 सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, किसी भी आपात स्थिति या आवश्यकता के लिए 75 प्रगणकों और 13 सुप. रवाइजरों को रिजर्व में रखा गया है। प्रशासन ने प्रशिक्षण कार्य को व्यवस्थित करने के लिए कुल 18 बैच बनाए हैं। प्रशिक्षण का कार्यक्रम चार चरणों में निर्धारित किया गया है। प्रथम बैच 16, 17, 18 अप्रैल, द्वितीय बैच 20, 21, 22 अप्रैल, तृतीय बैच 23, 24, 25 अप्रैल और चतुर्थ बैच 27, 28, 29 अप्रैल 2026 को सुबह 9:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक रहेगा। इसके लिए नगर के एमएम इंटर कॉलेज और हिंदू इंटर कॉलेज के भवनों को चिन्हित किया गया है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, नियुक्त प्रगणकों द्वारा जनगणना के प्रथम चरण का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। इसके तहत 22 मई 2026 से 20 जून 2026 तक मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का महत्वपूर्ण कार्य संपादित किया जाएगा। प्रशासन ने सभी नियुक्त कर्मचारियों को समय से प्रशिक्षण में उपस्थित होने और कार्य को पूरी गंभीरता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

गेहूं की फसल जलकर राख

हीमपुर दीपा। खेत में आग लगने से किसान की फसल जलकर राख हो गई और हजारों रुपए का नुकसान भी हो गया। ग्राम माढ़ी में किसान सतपाल सिंह पुत्र बसंत की दो बीघा जमीन में खड़ी गेहूं की फसल में आग लग गई। जिससे किसान को लगभग 20 हजार रुपए का नुकसान हो गया। पीड़ित ने बताया कि किसी नशेड़ी के द्वारा बीड़ी या सिगरेट डालने के कारण आग लग गई।

नारी शक्ति बंधन अधिनियम पर संगोष्ठी

धामपुर। श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेज एंड हॉस्पिटल पीपलसाना में नारी शक्ति बंधन अधिनियम 2023 विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कॉलेज प्रबंधक डा. एनपी सिंह ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को समाज में समान अधिकार एवं अवसर प्रदान करना समय की आवश्यकता है, जिस देश का विकास संभव हो सके। प्राचार्या डा.ममता सिंह ने विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जो महिलाओं को सशक्त बनाकर उन्हें समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाती है। संगोष्ठी में उपस्थित फैकल्टी चंचल सैनी, सलोनी चौहान, हिमांशु कुमार,इकरा परवीन, शैली चौहान, तनु चौहान, तनु ज्योति, वर्षा सैनी, प्रिया चौहान ने अपने विचार व्यक्त करते हुए महिलाओं की भागीदारी को हर क्षेत्र में बढ़ने पर जोर दिया।

चुराई नकदी के साथ दबोचा

नजीबाबाद। थाना पुलिस ने क्षेत्र में एक घर से हजारों रुपए चोरी करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की गई पूरी रकम भी बरामद कर ली। सोनू पुत्र जगदीश निवासी ग्राम जसवन्तपुर उर्फ लुकादड्डी में 15 अप्रैल को थाना नजीबाबाद में तहरीर देकर बताया था कि ग्राम के ही निवासी रिजवान पुत्र यामीन ने उसके घर से पांच हजार रुपए चोरी कर लिए। इस संबंध में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। उपनि. रीक्षक तेजवीर सिंह, कांस्टेबिल नीरज पंवार व कांस्टेबल सीताराम ने आरोपी रिजवान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किए गए पांच हजार रुपए भी बरामद कर लिए। पुलिस ने आरा. पी को न्यायालय में पेश किया जहां से कोर्ट ने आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया।

बेमौसम हुई बारिश से खराब हुई फसलों का मुआवजा दिया जाए

भाकियू अराजनैतिक के पदाधिकारियों ने किया प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। गेहूं और धान खरीद में हुई धांधली की जांच कराने और बेमौसम हुई बारिश में फसलों के नुकसान का मुआवजा देने की मांग करते हुए डीएम को ज्ञापन सौंपा। भाकियू अराजनैतिक के जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह गंगवार के नेतृत्व में तमाम किसान कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां पर सभी ने नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि केंद्रों में गेहूं की खरीद नहीं हो पा रही है। जिसका फायदा बिचौलिए उठा रहे हैं। कम दामों में वह गेहूं की फसल खरीद रहे हैं। मिलक, बिलासपुर और शाहबाद तहसील के गेहूं क्रय केंद्रों में बारदाना नहीं हैं। इससे पहले धान की खरीद में भी काफी घोटाला हुआ था। लिहा. जा इसकी जांच कराई जाए। वहीं किसानों का कहना था कि इस बार फिर बेमौसम बारिश हो गई। जिससे किसानों की सैकड़ों बीघा फसल खेत में खराब हो गई। पहले से कर्ज से जूझ रहा अन्न दाता अब और परेशान है। लिहाजा किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। वहीं किसानों ने जनपद में हो रहे अवैध खनन पर भी शिकंजा कसने की मांग की। इसके बाद सभी ने डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर रामनाथ मौर्य, बलदेव सिंह, सुशील कुमार शर्मा, अनोखेलाल, फूल सिंह गंगवार, प्रदीप सिंह, सुनील मौर्य और जयदेव आदि मौजूद रहे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विकास भवन में प्रेस वार्ता

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। जनपद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के संबंध में विकास भवन सभागार में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान महिलाओं की भागीदारी और सशक्तिकरण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

प्रेस वार्ता में मिलक-शाहबाद की विधायिका राजबाला ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इस कानून के तहत लोकसभा, राज्य विधानसभाओं एवं दिल्ली विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया है, जिससे लोकतंत्र अधिक मजबूत और प्रतिनिधिक बनेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव सम्मान दिया गया है और समाज के हर क्षेत्र में महिलाओं का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। वर्तमान सरकार द्वारा पारित 106वां संवैधानिक संशोधन महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। विधायिका ने बताया कि इस अधिनियम के लागू होने से नीति निर्धारण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी और निर्णय प्रक्रिया अधिक संवेदनशील एवं प्रभावी बनेगी। साथ ही महिला सुरक्षा, संपत्ति अधिकार और उद्यमिता जैसे विषयों पर बेहतर नीतियां बन सकेंगी। प्रेस वार्ता में यह भी जानकारी दी गई कि अधिनियम के अंतर्गत अनुसूचित जाति एवं जनजाति की महिलाओं के लिए उप-आरक्षण का प्रावधान किया गया है। आरक्षित सीटों का निर्धारण परिस. ीमन के बाद किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गुलाब चन्द्र, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. दीपा सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी कल्पना देवी, जिला विद्यालय निरीक्षक अंजलि अग्रवाल, जिला प्रोबेशन अधिकारी ईरा आर्या सहित अन्य अधिकारी एवं समा. जसेवी महिलाएं मौजूद रहीं।

साइकिल से दवा लेने जा रहे किसान को रंजिशन पीटा

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। साइकिल से दवा लेने जा रहे किसान को कुछ लोगों ने अपने घर के सामने मामूली बात पर रोककर बुरी तरह से पीट दिया। जिससे किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया लेकिन हालत गंभीर होने पर बाहर रेफर कर दिया गया। मौजूदा समय में मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ भोट थाने में रिपोर्ट दर्ज करा दी है।

भोट थाना क्षेत्र के ग्राम मुतियापुर निवासी मनोज का कहना है कि 12 अप्रैल को उसके पिता पप्पू मां की दवा लेने के लिए भोट जा रहे थे। रास्ते में गांव निवासी कुंभकरण की बच्ची खेल रही थी जो अचानक उसकी साइकिल के सामने गिर गई। इस बात पर कुंभकरण व उसके परिजनों ने पिता को जिम्मेदार ठहराते हुए गालियां बकनी शुरू कर दी। विरोध करने पर सभी ने पिता को मारना पीटना शुरू कर दिया। जिससे पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे परिजनों ने उनको जिला अस्पताल में भर्ती कराया लेकिन हालत गंभीर होने पर बाहर रेफर कर दिया गया। मौजूदा समय में मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। मनोज ने भोट थाने में कुंभकरण, गीता, छत्रपाल, पूनम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी है।

रंजिशन जीजा ने पिस्टल की बट से युवक को किया घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। शहर कोतवाली क्षेत्र में सामान लेने जा रहे युवक को रंजिशन उसके जीजा ने रोक लिया और गाली-गलौच करने लगा। विरोध करने पर पिस्टल की बट से कई वार कर उसका सिर फोड़ दिया। इतना ही नही युवक का मोबाइल भी तोड़ दिया। लोगों के आने पर जान से मारने की धमकी देते हुए चला गया। पीड़ित ने शहर कोतवाली में जीजा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी है।

शहर कोतवाली के मोहल्ला मोरीगेट ठोठर निवासी परवेज खां का कहना है कि उसकी बहन का निकाह मोहल्ला आफरीदियान नालापार निवासी अरबाज आफरीदी के साथ हुआ था। किसी बात को लेकर जीजा अरबाज उससे रंजिश मानता है। शुक्रवार को परवेज के अनुसार वह किसी काम से अपनी दुकान से मोरीगेअ जा रहा था। रास्ते में जीजा ने उसे रोक लिया और अभद्रता करने लगा। आरोप है कि विरोध करने पर उसने पिस्टल की बटों से मारना शुरू कर दिया। जिससे उसका सिर फूट गया। मामले की सूचना देने के लिए उसने जब फोन निक. ाला तो जीजा ने फोन भी तोड़ दिया। आसपास के लोगों के आने पर वह धमकी देता हुआ फरार हो गया। किसी तरह उसने परिजनों को सूचना दी तो वह भी मौके पर आ गए। पीड़ित ने जीजा के खिलाफ शहर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करा दी है।

रामपुर में 5 बच्चों को मिले लैपटॉप, बालगृह के छात्र ने 97.95% अंक लाकर किया नाम रोशन

शाह टाइम्स संवाददाता

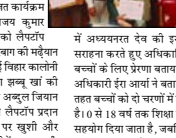

रामपुर। कोरोना महामारी और विप. रीत परिस्थितियों का सामना कर चुके बच्चों के लिए मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना नई उम्मीद बनकर सामने आ रही है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने 5 छात्र-छात्राओं को लैपटॉप वितरित किए। इस दौरान नादरबाग की मढ़ैयान निवासी तनिष्का सक्सेना, सांई विहार कालोनी की रिद्धिमा पंकज, बजरिया झब्बू खां की आतिरा गुफरान, चमरौआ के अब्दुल जियान और बिलासपुर की नैना को लैपटॉप प्रदान किए गए। बच्चों के चेहरे पर खुशी और भविष्य को लेकर नई उम्मीदें नजर आईं। कार्यक्रम में राजकीय बालगृह के होनहार छात्र देव ने 97.95 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले का नाम रोशन किया। सेंट पॉल स्कूल में अध्ययनरत देव की इस उपलब्धि की सराहना करते हुए अधिकारियों ने इसे अन्य बच्चों के लिए प्रेरणा बताया। जिला प्रोबेशन अधिकारी ईरा आर्या ने बताया कि योजना के तहत बच्चों को दो चरणों में सहायता दी जाती है। 0 से 18 वर्ष तक शिक्षा के लिए आर्थिक सहयोग दिया जाता है, जबकि 18 से 23 वर्ष तक उच्च शिक्षा के लिए सहायता जारी रहती है। योजना को पारदर्शी बनाने के लिए आवे. दन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन कर दी गई है, जिससे अब बच्चों को दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। सत्यापन के बाद सहायता राशि सीधे बच्चों के बैंक खाते में भेजी जाती है। जनपद में अब तक 226 बच्चों को योजना का लाभ मिल चुका है। इनमें कोविड से प्रभावित बच्चों के साथ सामान्य श्रेणी के बच्चे भी शामिल हैं, जिन्हें प्रतिमाह आर्थिक सहायता दी जा रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी बच्चे की शिक्षा में कमी नहीं आने दी जाएगी और सभी पात्र बच्चों को सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा।

रामपुर में 21 अप्रैल को लगेगा रोजगार मेला, युवाओं को मिलेगा नौकरी का मौका

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। जनपद के युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए 21 अप्रैल 2026 को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला प्रातः 10 बजे से जिला सेवायोजन कार्यालय, पुरानी तहसील, रामपुर में आयोजित होगा। प्रभारी जिला सेवायोजन अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के अंतर्गत आयोजित इस मेले में निजी क्षेत्र की लगभग चार कंपनियां प्रतिभाग करेंगी। इन कंपनियों द्वारा अभ्यर्थियों का चयन साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पुखराज हेल्थ केयर प्रा. लि., केसीसी इंटरप्राइजेज (साहिबाबाद) और सुपरफास्ट मल्टीसर्विस प्रा. लि. (गौतमबुद्ध नगर) सहित अन्य कंपनियों में विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। रोजगार मेले में हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक, आईटीआई और डिप्लोमा धारक अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य है, जिसके माध्यम से वे अपनी योग्यता के अनुसार आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह रोजगार मेला पूर्णतः निःशुल्क है। किसी भी कंपनी द्वारा यदि कॉल या संदेश के माध्यम से शुल्क मांगा जाता है तो अभ्यर्थी किसी भी प्रकार का भुगतान न करें। साथ ही मेले में भाग लेने के लिए किसी प्रकार का यात्रा भत्ता भी देय नहीं होगा।

स्मार्ट मीटर के विरोध में त्व कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। रिपब्लिक पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के पदाधिकारियों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। इस दौरान उन्होंने स्मार्ट मीटर लगाए जाने का विरोध किया। पार्टी के जिलाध्यक्ष तारिक रशीद के नेतृत्व में कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे और नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि जनपद के मलिन एवं दलित बस्तियों में पहले से ही मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, ऐसे में स्मार्ट मीटर लगाए जाने से गरीब जनता पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

उन्होंने बताया कि काशीराम आवास विकास, पहाड़ी गेट, चपटा, बिलासपुर गेट, डूंगरपुर, शाहबाद गेट और नई बस्ती नानकार जैसे क्षेत्रों में रहने वाले अधिकांश लोग आर्थिक रूप से कमजोर हैं और उनका जीवन-यापन पहले से ही कठिन है। कार्यकर्ताओं ने मांग की कि इन क्षेत्रों में स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक लगाई जाए, गरीब परिवारों का बिजली बिल माफ किया जाए तथा बिजली, पानी और सड़कों जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। बाद में सभी कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा।

रामपुर के खिलाड़ियों का केंद्रीय प्रशिक्षण शिविर में चयन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। जनपद के खिलाड़ियों का केंद्रीय प्रशिक्षण शिविर के लिए चयन होने पर खेल विभाग में खुशी की लहर है। प्रभारी क्रीड़ा अधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि खेल निदेशालय, उत्तर प्रदेश के अंतर्गत वर्ष 2026-27 के लिए हॉकी खिलाड़ी आदित्य सिंह और हिमांशु राज का 15 दिवसीय केंद्रीय प्रशिक्षण शिविर के लिए चयन किया गया है। यह प्रशिक्षण शिविर 15 अप्रैल से 29 अप्रैल 2026 तक लखनऊ में आयोजित किया जाएगा, जहां खिलाड़ियों को विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिविर के दौरान खिलाड़ियों के रहने और खाने की व्यवस्था विभाग द्वारा की जाएगी। दोनों खिलाड़ी वर्तमान में स्मार्ट इंडियन मॉडल स्कूल के छात्र हैं। इसी क्रम में "एक जनपद एक खेल" योजना के तहत खेलो इंडिया एथलेटिक्स सेंटर, रामपुर के खिलाड़ी अरविंद का भी चयन एथलेटिक्स प्रशिक्षण शिविर के लिए हुआ है। यह शिविर 15 से 29 अप्रैल तक बनारस में आयोजित होगा। अरविंद मूर्तजा इंटर कॉलेज के छात्र हैं। प्रशिक्षण शिविर में प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों का आगे आवासीय क्रीड़ा छात्रावासों में चयन किया जाएगा, जो उनके भविष्य के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर प्रशिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन ने खुशी जताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

फल विक्रेता से मारपीट, बस स्टैंड पर पुलिस व्यवस्था पर उठे सवाल

शाह टाइम्स संवाददाता

सैफनी।/रामपुर शुक्रवार को कस्बे में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब 4-5 लोगों ने एक फल विक्रेता के साथ मारपीट कर दी। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया और लोगों में दहशत का माहौल बन गया।जानकारी के अनुसार, सैफनी नगर निवासी विजय कश्यप (उम्र 60 वर्ष) फल बेचकर अपना जीवनयापन करते हैं। वह रोज की तरह अपनी दुकान पर बैठे थे, तभी कुछ लोग वहां पहुंचे और किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और हमलावरों ने विजय कश्यप के साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट की घटना से मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने हस्तक्षेप कर किसी तरह मामला शांत कराया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और दोनों पक्षों को थाने आकर तहरीर देने को कहा।पीड़ित विजय कश्यप ने थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि बस स्टैंड पर पुलिस की नियमित मौजूदगी न होने के कारण इस तरह की घटनाएं आए दिन होती रहती हैं। लोगों ने क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

गौ रक्षा सेवा समिति के पदाधिकारियों ने कई दिनों से कुएं में गिरे गोवंश को निकाला बाहर

शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद। नगर के मोहल्ला नालापार नई बस्ती स्थित एक कुएं में कई दिनों से गिरे गोवंश को गौ रक्षा सेवा समिति के पदाधिकारियों ने बाहर निकालकर उपचार कराया। युवा जिलाध्यक्ष सुंदर लाल ने जानकारी देते हुए बताया कि एक नंदी महाराज कई दिनों से कुएं में गिरे हुए थे, जानकारी मिलते ही गौ रक्षा सेवा समिति के कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंचे और जेसीबी की मदद से कुएं में गिरे गौवंश को बाहर निकालकर उपचार कराया।

सड़क किनारे खड़े डंपर में घुसी कार चार लोग घायल, बड़ा हादसा टला

शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद। शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। शाहबाद-आंवला स्टेट हाईवे पर सड़क किनारे खड़े एक डंपर में एर्टिगा कार जा घुसी। इस घटना में कार में सवार चार लोगों को मामूली चोटें आईं।यह घटना सुबह करीब 6 बजे शाहबाद क्षेत्र में हुई। बरेली के शाहजहांपुर निवासी चार लोग संभल से दवाई लेकर एर्टिगा कार से शाहबाद से गुजर रहे थे। तभी उनकी कार सड़क पर खड़े डंपर से टकरा गई।हादसे के बाद आसपास के लोगों और राहगीरों ने कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। सभी चारों यात्रियों को मामूली चोटें आईं, जिनका उपचार निजी चिकित्सक के यहां कराया गया। जिससे एक बड़े नुकसान से बचा जा सका।

सड़क सुरक्षा पर सख्ती, नियमों के पालन के दिए निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। विकास भवन सभागार में बीजेपी जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार व मुख्य विकास अधिकारी गुलाब चन्द्र की उपस्थिति में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सड़क सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में यातायात नियमों के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया गया। एनएचएआई, लोक निर्माण विभाग समेत अन्य विभागों को प्रमुख मार्गों पर साइन बोर्ड, रिफ्लेक्टर, रोड इंडिकेशन व मार्किंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वाहन चालकों में जागरूकता बढ़ाने के लिए सीट बेल्ट और हेलमेट के अनिवार्य उपयोग को लेकर विशेष अभियान चलाने और सख्ती से चालान करने के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा बेसिक शिक्षा अधिकारी और डीआईओएस को विद्यालयों में सड़क सुरक्षा नियमों का प्रचार-प्रसार कराने तथा आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए स्कूलों के दोनों गेट क्रियाशील रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे और सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में निकाली शोभा यात्रा

शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद। अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में शाहबाद नगर में भी डॉ बीआर अंबेडकर शोभायात्रा निकाली गई। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अगर बाबा साहेब नहीं होते तो दलितों और गरीबो को उनका हक नहीं मिल पाता। बाबा साहेब के लिखे गए संविधान ने सभी को एक समान हक दिया है। कार्यक्रम का आयोजन जयतोली रोड स्थित अंबेडकर पार्क में किया गया, जहां मौजूद लोगों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। जिसके बाद नगर में सुंदर झांकियों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा नगर के जयतोली रोड स्थित अंबेडकर पार्क से शुरू होकर बिलारी बस स्टैंड होते हुए विभिन्न मार्गों से गुजरी। शोभायात्रा के दौरान बाजे की धुन पर झूमते हुए युवा जय भीम, जय भीम के नारे लगा रहे थे। शोभायात्रा के दौरान कोतवाल प्रदीप कुमार, निरीक्षक अपराध जयप्रकाश सिंह, एसआई रमेश चंद्र, एसआई अतिशय जैन पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

शाहबाद कॉलेज में छात्रों को यातायात नियमों पर किया जागरूक

नाबालिग ड्राइविंग न करने और हेलमेट पहनने की अपील

शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद। नगर के आईएम इंटर कॉलेज में यातायात पुलिस ने छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। इस जागरूकता कार्यक्रम के दौरान, यातायात उपनिरीक्षक नृपेंद्र कुमार ने छात्रों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।उन्होंने विशेष रूप से नाबालिगों को वाहन न चलाने की सलाह दी। उपनिरीक्षक ने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने और चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग करने पर जोर दिया।कार्यक्रम के समापन के बाद, यातायात पुलिस ने शराब पीकर वाहन चला रहे एक व्यक्ति का चालान भी किया। इस दौरान यातायात कांस्टेबल रामप्रकाश सिंह भी मौजूद रहे।

भोट क्षेत्र में हुए हादसे में एक की मौत, एक घायल

अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, हल्द्वानी से लौट रहे थे दोनों

पुलिस ने घायल को भर्ती कराने के बाद शव पोस्टमार्टम को भेजा

शाह टाइम्स संवाददाता

मृतक का परिवार

रामपुर। भोट थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों हल्द्वानी से बाइक से गाजियाबाद जा रहे थे। इस बीच भोट पुलिस गश्त करते हुए पहुंची तो दोनों सड़क पर पड़े थे। पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराने के साथ ही शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। हादसे की सूचना मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया। शुक्रवार की भोर के पहर परिजन भी जिला अस्पताल आ गए। हादसा नैनीताल हाईवे पर भोट थाना क्षेत्र में पड़ने वाली गोयल प्लाईवुड फैक्ट्री के पास हुआ। गाजियाबाद के लोनी थाना क्षेत्र के रहने वाले गोविंद वर्मा मशीन सुधारने का काम करता है। कहीं से शिकायत आने पर वह मरम्मत के लिए जाता था। हल्द्वानी से एक शिकायत आने पर गो. विंद वर्मा बाइक से आया था। उसके साथ लोनी का रहने वाला नरेंद्र वर्मा भी था। मशीन ठीक करने के बाद दोनों देर रात बाइक से वापस गाजियाबाद जा रहे थे। बताते हैं कि जैसे ही वह प्लाईवुड फैक्ट्री के पास पहुंचे किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को रौंद दिया। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। फैक्ट्री कर्मचारियों द्वारा सूचना मिलने पर गश्त कर रही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस दोनों को आनन-फानन में जिला अस्पताल लेकर आई। जहां पर डाक्टरों ने गोविंद को मृत घोषित कर दिया। जबकि नरेंद्र की हालत गंभीर बनी हुई है। इसके बाद पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजने के बाद परिजनों को सूचना दी तो कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिजन भी मौके पर आ गए।

चार पहिया वाहन ने दो युवकों को मारी टक्कर, गंभीर घायल, रेफर

शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद। गुरुवार देर रात एक सड़क हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, मोहल्ला हाकिमान निवासी ऋषभ अपने दोस्त फुरकान निवासी नई बस्ती) के साथ रामपुर रोड स्थित एक ढाबे से खाना खाकर लौट रहे थे। शाहबाद नवीन मंडी समिति के पास एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी।टक्कर लगने से दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ढाबे से लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को उठाया। उन्होंने एंबुलेंस को घटना की सूचना दी।एंबुलेंस (यूपी 32 ईजी 4871) के पायलट जगतपाल और ईएमटी किशन वीर ने घायलों को सीएचसी शाहबाद पहुंचाया। सीएचसी शाहबाद में डॉक्टरों ने घायलों को प्राथमिक उपचार दिया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए, बेहतर इलाज के लिए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

1 नफर वारंटी को गिरफ्तार किया

शाह टाइम्स संवाददाता

स्वार। शुक्रवार पुलिस ने छापामार कार्यवाही करते हुए 1 वारंटी को गिरफ्तार कर सम्बंधित मुकदमे में विविध कार्यवाही की गई ।पुलिस अधीक्षक के आदेश पर गुरुवार की रात्रि कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार के निर्देश पर पुलिस द्वारा अपराधियों की धरपकड़ को लेकर चलाए गए अभियान के अंतर्गत पुलिस ने कार्यवाही करते हुए 1 वारंटी सईद अहमद पुत्र शरीफ अहमद निवासी मोहल्ला नई बस्ती वार्ड नं0 13 को गिरफ्तार कर सम्बंधित मुकदमे में विविध कार्यवाही की गई।गिरफ्तार करने वाली टीम मेंउ0नि0बलराम सिंह,का0 पवन कुमार आदि मौजूद रहे।

कोलकाता ने गुजरात को 181 का टारगेट दिया

कैमरन ने 55 बॉल पर 79 रन बनाए, कगिसो रबाडा को 3 विकेट

अहमदाबाद, वार्ता। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल के 25वें मैच में गुजरात टाइटंस को 181 रन का टारगेट दिया है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में केकेआर ने बैटिंग चुनी। कोलकाता 20 ओवर में 180 पर आलआउट हो गई। जवाबी पारी में गुजरात ने पहले ओवर में बिना नुकसान के 3 रन बना लिए हैं।

साई सुदर्शन और शुभमन गिल क्रीज पर हैं। कैमरन ग्रीन ने सीजन की पहली फिफ्टी लगाई। उन्होंने 55 बाल पर 7 चौके और 4 छक्के के सहारे 79 रन की पारी खेली। कगिसो रबाडा ने 3 विकेट झटके। मोहम्मद सिराज और अशोक शर्मा ने 2-2 विकेट लिए। प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान को एक-एक विकेट मिला। 20वें ओवर की आखिरी बाल पर कैमरन ग्रीम 79 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें राशिद खान ने जोस बटलर के हाथों कैच कराया। इसी के साथ कोलकाता 20 ओवर में 180 रन पर आलआउट हो गई। 19वें ओवर में कोलकाता ने 9वां विकेट गंवाया। यहां कार्तिक त्यागी 6 रन बनाकर रनआउट हो गए। उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा ने जोस बटलर के थ्रो पर नान स्ट्राइक पर रनआउट किया। 18वें ओवर की तीसरी बाल पर कोलकाता ने 8वां विकेट गंवाया। यहां पर सुनील नरेन जीरो पर आउट हुए। उन्हें मोहम्मद सिराज ने ग्लेन फिलिप्स के हाथों कैच कराया। 17वें ओवर में कोलकाता ने 7वां विकेट गंवाया। यहां पर रमनदीप सिंह (17 रन) को अशोक शर्मा ने सिराज के हाथों कैच कराया। अशोक शर्मा को दूसरा विकेट मिला है। 16वें ओवर में कोलकाता ने छठा विकेट गंवाया। यहां पर रिंकू सिंह एक रन बनाकर आउट हुए। रबाडा की गुड लेंथ बाल बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर जोस बटलर के दस्तानों में चली गई। रबाडा को तीसरा विकेट मिला है। इसी ओवर में कोलकाता ने 150 रन का आंकड़ा भी पार किया। 15वें ओवर में कोलकाता ने पांचवां विकेट गंवा दिया। ओवर की पांचवीं बाल प्रसिद्ध कृष्णा ने आफ स्टंप के बाहर गुड लेंथ पर फेंकी। अनुकूल राय एक्स्ट्रा कवर्स के ऊपर से शाट खेलने गए, लेकिन काट बिहाइंड हो गए। वे 9 रन ही बना सके, लेकिन कैमरन ग्रीन के साथ पांचवें विकेट के लिए 60 रन की पार्टनरशिप कर गए। 14वें ओवर में कैमरन ग्रीन ने राशिद खान की बाल पर लगातार तीन बाउंड्री लगाई। उन्होंने पहली बाल पर छक्का लगाया। उसके बाद अगली दो बाल पर दो चौके लगाए दिए। राशिद के इस ओवर से 17 रन आए। 13वें ओवर में कैमरन ग्रीन ने अशोक शर्मा की बाल पर छक्का लगाया। जोकि मैदान के अंदर खड़ी डिस्प्ले कार पर लगा। ग्रीन ने गुड लेंथ की स्लोअर बाल को डीप बैकवर्ड पाइंट की दिशा में खेला था। अशोक के इस ओवर से 19 रन आए। 13वें ओवर में कैमरन ग्रीन ने फिफ्टी पूरी कर ली। उन्होंने इस सीजन का पहला अर्धशतक लगाया। उन्हें 34 बाल लगी। उन्हें कोलकाता ने पिछली नीलामी ने 25 करोड़ 20 लाख रुपए में खरीदा था। 12वें ओवर में कोलकाता ने 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया।

हैदराबाद के आतिशी व सैमसन की स्थिरता के बीच होगा मुकाबला

हैदराबाद, वार्ता। आज रात हैदराबाद में, जब माहौल थोड़ा तनावपूर्ण है, एक ऐसा मुकाबला खेला जा रहा है जो लीग मैच से कहीं अधिक क्रिकेट के दो दर्शनों की शांत परीक्षा है - एक पुराना और आजमाया हुआ, दूसरा नया और अभी भी अपने आप से जूझ रहा है। चेन्नई सुपर किंग्स एक ऐसी संस्था की तरह मैदान में उतरी है जो संन्यास लेने से इनकार करती है।

रुतुराज गायकवाड़ निरंतरता का भार लेकर टीम का नेतृत्व कर रहे हैं, वहीं इस सीजन में सबसे अधिक रन बनाने वाले संजू सैमसन बल्लेबाजी में ऐसी शालीनता दिखाते हैं जैसे उन्हें घबराहट में कोई दिलचस्पी नहीं है। उनके साथ, आयुष म्हात्रे युवा जोश और प्रतिष्ठा की परवाह न करते हुए बेखौफ होकर खेलते हैं, डेवाल्ड ब्रेविस अपनी अनूठी रचनात्मकता से सबको प्रभावित करते हैं, सरफराज खान दृढ़ निश्चय के साथ खेलते हैं, और शिवम दुबे चेन्नई सुपर किंग्स की उस जानी-पहचानी लय को बनाए रखते हैं जो पारी को लयबद्धता की नहीं, बल्कि विराम चिनों की जरूरत होने पर काम आती है। उनके पीछे, प्रशांत वीर एक शांत और उपयोगी गेंदबाज के रूप में मौजूद हैं,

जेमी ओवर्टन अंग्रेजी शैली की वह बहुमुखी प्रतिभा प्रदान करते हैं जो सीएसके के लिए हमेशा उपयोगी रही है, नूर अहमद एक कुशल गेंदबाज की तरह धैर्यपूर्वक स्पिन गेंदबाजी करते हैं, अंशुल कंबोज बढ़ते आत्मविश्वास के साथ गेंदबाजी करते हैं, और गुरजपनीत सिंह उस गेंदबाजी इकाई को पूरा करते हैं जिसने केवल आक्रमण करने के बजाय टिके रहना सीख लिया है। बेंच से, अकील हुसैन प्रभाव डालने वाले विकल्प के रूप में तैयार हैं - एक ऐसा गेंदबाज जो बिना आवाज उठाए अपना मिजाज बदल लेता है। इसके विपरीत, सनराइजर्स हैदराबाद एक ऐसी टीम के रूप में आई है जिसने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह खुद का कौन सा रूप पसंद करती है। अभिषेक शर्मा शीर्ष क्रम में लय बनाते हैं - कभी विस्फोटक, कभी अपनी महत्वाकांक्षा के कारण समय से पहले आउट हो जाते हैं। उनके बाद ट्रैविस हेड आते हैं, जो समान रूप से विनाशकारी या निराशाजनक प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। कप्तान ईशान किशन जिम्मेदारी और आजादी दोनों निभाते हैं, ऐसे बल्लेबाजी करते हैं जैसे हर पारी एक ऐसी बहस हो जिसे उन्हें जीतना ही है। उनके मध्य क्रम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन सबसे सटीक गेंदबाज बने हुए हैं, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी और अनिकेत वर्मा युवा आक्रामकता का प्रतिनिधित्व करते हैं जो संरचना खोजने की कोशिश कर रही है।

खेल विशेष

मेसी ने बार्सिलोना का एक निचली लीग क्लब खरीदा

मैड्रिड, वार्ता। एफसी बार्सिलोना के पूर्व फॉरवर्ड लियोनेल मेसी ने स्पेन के पांचवें दर्जे के क्लब यूएई कोर्नेला को खरीदने का काम पूरा कर लिया है। अर्जेंटीना के इस दिग्गज खिलाड़ी ने, जो एमएलएस टीम इंटर मियामी के लिए खेलते हैं, बार्सिलोना के बाहरी इलाके में स्थित इस क्लब का 100 प्रतिशत मालिकाना हक हासिल कर लिया है। यूएई कोर्नेला फिलहाल आरएफईएफ थर्ड डिवीजन के ग्रुप 5 से ऊपर उठने की कोशिश कर रहा हैद्ध पिछले सीजन में यह आरएफईएफ सेकंड डिवीजन (जो चौथा दर्जा है) से नीचे खिसक गया था। 1951 में स्थापित इस क्लब ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि मेसी का आना ष्क्लब के इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत है, जिसका मकसद खेल और संस्थागत, दोनों तरह की तरक्की को बढ़ावा देना, इसकी नींव को मजबूत करना और नई प्रतिभाओं में लगातार निवेश करना है। बयान में आगे कहा गया।

ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद उबेर कप से हटीं

नई दिल्ली, वार्ता। भारत की शीर्ष महिला युगल जोघी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद, ट्रीसा की चोट के कारण उबेर कप फाइनल्स 2026 में हिस्सा नहीं लेंगी। भारतीय बैडमिटन संघ ने यह जानकारी देते हुए बताया कि उनकी जगह श्रुति मिश्रा और प्रिया कोंजेंगबम को टीम में शामिल किया गया है। उबेर कप में भारतीय महिला टीम मौजूदा और 16 बार के चैंपियन चीन के साथ ग्रुप-ए में है। मेजबान डेनमार्क और यूक्रेन इस ग्रुप की अन्य टीमें हैं। भारत उबेर कप के पिछले टूर्नामेंट में क्वार्टर फाइनल में जापान से हारकर बाहर हो गया था।

शुभंकर ने जीता पहला बोल्डर्स क्लासिक खिताब

हैदराबाद, वार्ता। राउंडग्लास स्पोर्ट्स के एथलीट और ब्रांड एंबेसडर शुभंकर शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हैदराबाद के बोल्डर हिल्स गोल्फ एंड कंट्री क्लब में आयोजित पहले 1 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि के बोल्डर्स क्लासिक का खिताब अपने नाम किया। दिसम्बर 2021 के बाद अपने पहले घरेलू टूर्नामेंट में डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई सर्किट पर वापसी करते हुए, दो बार के डीपी वर्ल्ड टूर विजेता शर्मा ने अपने अनुभव और क्लास का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए यह प्रतिष्ठित खिताब जीता। पूरे टूर्नामेंट के दौरान शर्मा का दबदबा कायम रहा। उन्होंने अपनी सटीक बॉल-स्ट्राइकिंग और शांत स्वभाव के दम पर कोर्स को लगातार नियंत्रित किया। उनके प्रत्येक दिन के स्कोर ने उनके प्रदर्शन को दर्शाया-पहले दिन उन्होंने छह अंडर 66 का संयमित स्कोर बनाया, जिसके बाद दूसरे दिन भी छह अंडर 66 के शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने हाफवे स्टेज पर दो शॉट की बढ़त बना ली। तीसरे दिन शर्मा ने पूरी तरह नियंत्रण दिखाते हुए आठ अंडर 64 का स्कोर बनाया, जिसमें नौ बर्डी और केवल एक बोगी शामिल थी।

बेंगलुरु-दिल्ली के बीच बड़े मुकाबले में विराट पर रहेंगी सबकी नजरें

बेंगलुरु, वार्ता। चिन्नास्वामी में विराट कोहली बनाम दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं होता। यह उम्मीदों, यादों और उस खामोश हार को मान लेने की भावना से भरा होता है, जो पहली गेंद फेंके जाने से पहले ही मेहमान टीमों पर छा जाती है। आरसीबी पॉइंट्स टेबल में सबसे ऊपर है, पांच में से चार मैच जीत चुकी है,

और उस टीम जैसा थोड़ा-सा घमंड भी रखती है, जिसे अब खुद पर भरोसा होने लगा है। अपने घरेलू मैदान पर अजेय रहते हुए, वे चिन्नास्वामी की सिर्फ रक्षा ही नहीं करते, बल्कि उसे अपना घर मानते हैं। यह मैदान, अपनी छोटी बाउंड्री और बल्लेबाजों के लिए मददगार आसमान के साथ, एक वेन्यू से ज्यादा उनकी बैटिंग लाइनअप का ही एक हिस्सा लगता है। विराट कोहली, पांच पारियों में 57 की औसत और लगभग 160 के स्ट्राइक रेट से 228 रन बनाकर, इस सब के केंद्र में हैं। न तो जोर-शोर से, न ही नाटकीय अंदाज में, बल्कि उस शांत आत्मविश्वास के साथ, जो किसी ऐसे खिलाड़ी में होता है जिसने इस लीग के हर रूप को देखा हो और पाया हो कि उनमें से ज्यादातर रूप दो. हराए जाते हैं। उनके आस-पास, रजत पाटीदार 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं, मानो समय कोई ऐसी चीज हो जिसे सम्मान देने के बजाय पूरी तरह से इस्तेमाल कर लेना चाहिए। फिल सॉल्ट, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, टिम डेविड और रोमारियो शेफर्ड मिलकर एक ऐसी बैटिंग लाइनअप बनाते हैं, जो एक क्रम से ज्यादा एक के बाद एक आने वाले तूफानों जैसी लगती है। दिल्ली कैपिटल्स पॉइंट्स टेबल में पांचवें स्थान पर है, चार में से दो मैच जीते हैं, और उनका हालिया इतिहास थोड़ा उनके खिलाफ रहा है। वे कोई कमजोर टीम नहीं हैं, वे बस अभी पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। उनका क्रिकेट अक्सर उम्मीदों के साथ शुरू होता है और सवालों के साथ खत्म होता है। समीर रिजवी ने चार मैचों में 55-33 की औसत से 166 रन बनाकर लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।

कोहली को रोकने के लिए अक्षर को थामनी होगी नई गेंद

बेंगलुरु, वार्ता। आईपीएल 2026 में शनिवार के पहले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) का सामना दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) से बेंगलुरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। जहां आरसीबी की टीम पांच में से चार मुकाबले जीतकर शीर्ष-2 में है, वहीं डीसी चार में से दो मुकाबले जीत और दो मुकाबले हारकर अंक तालिका के बीच में है। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए 33 मुकाबलों में आरसीबी को 20, जबकि डीसी को 12 में जीत मिली है, जबकि एक मुकाबला रद्द हुआ था। बेंगलुरू में हुए दोनों टीमों के बीच 13 मुकाबलों में भी आरसीबी 7-5 से आगे है। पांच पारियों में दो अर्धशतकों के साथ 228 रन बना चुके विराट कोहली को अगर रोकना है, तो डीसी के कप्तान अक्षर पटेल को खुद नई गेंद थामनी होगी। अक्षर ने कोहली को आईपीएल में सिर्फ एक बार आउट किया है, लेकिन कोहली, उन पर सिर्फ 113 के स्ट्राइक रेट से ही रन बना पाते हैं। अक्षर,कोहली के सलामी जोड़ीदार फिल सॉल्ट को भी परेशान करते हैं और सॉल्ट भी उनके खिलाफ सिर्फ 113 के ही स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं। सॉल्ट, अक्षर के खिलाफ चार पारियों में दो बार आउट भी हुए हैं, जबकि लुंगी एनगिडी ने भी सॉल्ट को चार में से दो पारियों में आउट किया है। अक्षर ना सिर्फ शुरुआती बल्कि बाद के ओवरों में भी इस मैच में अपना प्रभाव छोड़ सकते हैं। उन्होंने टिम डेविड और जितेश शर्मा को दो-दो बार आउट किया है। जितेश उन पर सिर्फ 87 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं।

हमें कुछ कठिन सवालों के जवाब ढूंढने होंगे और जिम्मेदारी लेनी होगी: हार्दिक

मुंबई, वार्ता। मुंबई इंडियंस (एमआई) के आईपीएल 2026 में लगातार चौथा मैच हारने के बाद उनके कप्तान हार्दिक पंड्या ने कहा कि टीम को अपनी कस्मित बदलने के लिए कुछ कठिन सवालों के जवाब ढूंढने होंगे। उनकी ताजा हार पंजाब किंग्स के खिलाफ आई, जिन्होंने एमआई को 195/6 पर रोका और फिर 16-3 ओवरों में ही सात विकेट शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। इसका मतलब यह रहा कि एमआई पांच मैचों में सिर्फ एक जीत के साथ पॉइंट्स टेबल में नौवें स्थान पर बनी हुई है।

पंड्या ने मैच के बाद कहा कि हमें सच में देखना होगा कि क्या हमें कुछ मुश्किल फैसले लेने की जरूरत है या हमें इसी तरह आगे बढ़ते रहना चाहिए और उम्मीद करनी चाहिए कि चीजें बदल जाएंगी। ए कुछ कठिन सवाल हैं, जिनका जवाब हमें देना होगा और इसकी जिम्मेदारी भी लेनी होगी। मेरे पास अभी कहने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है। मुझे लगता है हमें फिर से शुरुआत करनी होगी और देखना होगा कि हम कहां कमी कर रहे हैं। क्या यह व्यक्तिगत स्तर पर है, क्या टीम के तौर पर है, या प्लानिग में कोई कमी है? हम इसे समझेंगे और देखेंगे कि आगे क्या किया जा सकता है। साथ ही, पंड्या ने विपक्ष को तीनों विभागों में बेहतर खेलने का श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है हमें उन्हें भी क्रेडिट देना चाहिए। पहली पारी में गेंद रिवर्स होने लगी थी और उस समय ओस नहीं आई। दूसरी पारी में ओस आई और पिच थोड़ी बेहतर हो गई। लेकिन इसके बावजूद, उन्होंने हमें हर विभाग में मात दी। उन्होंने बेहतर गेंदबाजी की, बेहतर बल्लेबाजी की और फील्डिग भी बेहतर की और यही हमारे मैच हारने की वजह बनी।

श्रेयस अय्यर भारतीय टी-20 टीम में सीधे आने के लायक हैं: चावला

मुंबई, वार्ता। श्रेयस अय्यर ने आईपीएल 2026 में अपनी पिछली तीन पारियों में 50, नाबाद 69 और 66 रन बनाए हैं। यह उन कारणों में से एक हैं, जिसकी वजह से पंजाब किंग्स इस समय चार जीत और एक वॉशआउट के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। उनकी हालिया शानदार पारी के बाद आरोन फिच के पास उनकी तारीफ के लिए शब्द कम पड़ गए।

पंजाब की मुंबई इंडियंस पर जीत के बाद फिच ने ईएसपीएन क्रिकइंफो के टाइमआउट शो में कहा कि उन्हें खेलते देखकर हैरानी होती है कि वह कितने अच्छे हैं। उन्होंने पिछले और अभी के आईपीएल के बीच कोई टी20 मैच नहीं खेला और फिर भी उन्होंने शुरुआत से ही धमाकेदार प्रदर्शन किया है। उनकी कप्तानी शानदार है। यह देखकर हैरानी होती है कि वह भारत के लिए और ज्यादा क्रिकेट क्यों नहीं खेलते। वह बेहतरीन खिलाड़ी हैं और देखने में भी बहुत अच्छे लगते हैं। वह गेंद को जोर से मारने की कोशिश नहीं करते।

विकेट के दोनों तरफ खेलते हैं, फ्रंट फुट और बैक फुट दोनों पर शानदार हैं। अब उन्होंने अपने खेल के उस हिस्से को काफी सुधार लिया है। जहां पहले लगता था कि शॉर्ट गेंद पर उन्हें रोका जा सकता है या आउट किया जा सकता है, अब वह उसे भी नियंत्रण के साथ खेलते हैं। फिच के साथ बैठे पीयूष चावला मानते हैं कि अय्यर को टीम में होना चाहिए।

चावला ने कहा, ष्मेरे हिंसाब से अगर मैं चयनकर्ता होता, तो वह सीधे टीम में आते। वह मध्य क्रम के बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक हैं। उनके पास क्रिकेटिंग दिमाग है, वह टीम को लीड भी कर सकते हैं। भविष्य के लिए देखें तो वह जरूर टीम में जगह बनाते हैं। 2025 की शुरुआत से आईपीएल में 500 से ज्यादा रन बनाने वाले 22 बल्लेबाजों में उनका स्ट्राइक रेट तीसरा सबसे ज्यादा है। अभिषेक शर्मा और उनके टीममेट प्रियांश आर्य उनसे ऊपर हैं। इस दौरान उनका औसत भी तीसरा सबसे बेहतर है। विराट कोहली और जॉस बटलर उनसे ऊपर हैं। इन दो सीजन में अब तक सिर्फ चार बल्लेबाजों ने उनसे ज्यादा रन बनाए हैं।

टी-20 विश्वकप में कनाडा के मैच की हो रही है जांच

दुबई, वार्ता। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीयू) क्रिकेट कनाडा से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रही है। इसमें भारत और श्रीलंका में हुए पुरुष टी-20 विश्व कप के दौरान कनाडा से जुड़ा हुआ एक मैच भी शामिल है। क्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार एसीयू के पास दो सक्रिय जांचें लंबित है। ए जांचें क्रिकेट कनाडा के अलग-अलग पहलुओं और अंतर्राष्ट्रीय व घरेलू स्तर पर आईसीसी के एंटी-करप्शन कोड के उल्लंघन के आरोपों से जुड़ी हैं।

इन आरोपों का खुलासा 'करप्शन, क्राइम और क्रिकेट' नामक एक डॉक्यूमेंट्री में हुआ, जिसे कनाडा के इन्वेस्टिगेटिव प्रोग्राम द फिफ्रथ इस्टेट ने बनाया है। 43 मिनट की यह फिल्म क्रिकेट कनाडा में भ्रष्टाचार और प्रशासन से जुड़े कई गंभीर आरोपों की पड़ताल करती हुई दिखती है। इस डॉक्यूमेंट्री को शुक्रवार को सार्वजनिक प्रसारक, कनेडियन ब्रॉडकास्टिग कार्पोरेशन (सीबीसी) ने प्रसारित किया। डॉक्यूमेंट्री के अनुसार, विश्व कप में भ्रष्टाचार का आरोप कनाडा और न्यूजीलैंड के मैच से जुड़ा है। जांच का केंद्र न्यूजीलैंड की पारी का पांचवां ओवर है, जब कनाडा कप्तान दिलप्रीत बाजवा गेंदबाजी करने आए। बाजवा को टूर्नामेंट शुरू होने से केवल तीन हफ्रते पहले कप्तान बनाया गया था। मुख्य रूप से बल्लेबाजी ऑलराउंडर और ऑफ स्पिन गेंदबाज बाजवा ने गेंद तब संभाली, जब न्यूजीलैंड का स्कोर 35 रन पर दो विकेट था। कनाडा ने तेज गेंदबाज जसकरण सिंह और डिलन हेलिंगर से शुरुआत की थी और उन्होंने अपने पहले ओवर में क्रमशः 15 और 14 रन दिए। इसके बाद तीसरे ओवर में साद बिन जफर को लाया गया, जिन्होंने मेडेन ओवर विकेट डाला। चौथे ओवर में हेलिंगर ने एक विकेट लिया और फिर बाजवा आए। उन्होंने ओवर की शुरुआत नो-बॉल से की, फिर लेग साइड पर वाइड डाली और कुल 15 रन दे बैठे। दूसरी जांच एक टेलीफोन कॉल की रिकॉर्डिंग से जुड़ी है, जिसमें उस समय के कनाडा कोच खुर्रम चौहान यह दावा करते हैं कि क्रिकेट कनाडा के कुछ सीनियर द्धअब पूर्वक्ऱ बोर्ड सदस्यों ने उन पर राष्ट्रीय टीम में कुछ खिलाड़ियों को चुनने का दबाव डाला। यह ऑडियो पिछले साल लीक हुआ था और तब से एसीयू इसकी जांच कर रही है। इस रिकॉर्डिंग में मैच फिक्सिग की कोशिशों के भी आरोप हैं, हालांकि उन्हें साबित करना मुश्किल बताया गया है। आईसीसी की इंटीग्रिटी यूनिट के अंतरिम जनरल मैनेजर एंड्रयू एफग्रेव ने बयान में कहा कि एसीयू को सीबीसी द्वारा प्रसारित इस कार्यक्रम की जानकारी है। हमारी प्रक्रिया के अनुसार, हम इसमें लगाए गए आरोपों के विवरण पर टिप्पणी नहीं कर सकते।

सीएसके के दल के साथ हैदराबाद पहुंचे धेनी

हैदराबाद, वार्ता। क्या एमएस धोनी शनिवार शाम को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ होने वाला चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का अगला मुकाबला खेलेंगे? भले ही इसकी पुष्टि अभी नहीं हो सकती लेकिन धोनी के टीम के साथ हैदराबाद की यात्रा करने के चलते इसकी संभावना काफी बढ़ गई है। जब टीम हैदराबाद एयरपोर्ट पर पहुंची तब प्रशंसक धोनी की एक झलक पाने के लिए उमड़ पड़े।

सीएसके द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में यह देखा जा सकता है कि जब धोनी टीम बस में जा रहे हैं तब प्रशंसक उनका नाम चिल्ला रहे हैं। धोनी इस समय काफ स्ट्रेन से उबर रहे हैं और आईपीएल 2026 में सीएसके के पहले पांचों मुकाबले से बाहर रहे। उन्होंने घर के बाहर मुकाबलों के लिए सीएसके के साथ गुवाहाटी और बेंगलुरु की यात्रा भी नहीं की। वह सीएसके के मुकाबलों के दिन चेपॉक भी नहीं गए थे।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मुकाबले की पूर्व संध्या पर उन्होंने टीम के अभ्यास सत्र के अंतिम चरण में थोड़ी देर के लिए अभ्यास किया था लेकिन इस दौरान उन्होंने सिर्फ थ्रोडाउन का ही सामना किया था। सीएसके ने सीजन की शुरुआत लगातार तीन हार से की थी लेकिन उन्होंने अपने पिछले दोनों मुकाबले जीते हैं।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

शनिवार, 18 अप्रैल 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

कामकाजी परिस्थितियां!

भारत की औद्योगिक क्षमता के विस्तार से पुराने पड़ चुके बुनियादी ढांचे पर दबाव बढ़ रहा है, ज्यादा से ज्यादा संयंत्र करीब-करीब अपनी अधिकतम क्षमता पर काम कर रहे हैं, और उनके प्रबंधन में व्याप्त खामियों को मीडिया में अधिक कवरेज और राजनीतिक ध्यान मिल रहा है। संभव है कि ये इकाइयां लंबे समय से अपने कामगारों को खतरनाक कामका. जी परिस्थितियों में झोंक रही हों और लिहाजा पैदा होने वाले संकट पूरी तरह से आकस्मिक नहीं हैं। अनुबंध पर काम करने वाले श्रमिक (कांट्रैक्ट लेबर) सबसे ज्यादा जोखिम में हैं। कामगारों का एक बढ़ता हुआ हिस्सा उपठेकेदारों के जरिए काम पर रखे गए प्रवासी श्रमिकों का है। किसी आपदा के बाद ये कामगार और संचालक एक-दूसरे पर दोष मढ़ते हैं। सुरक्षा संबंधी संकेत और नियमावली अक्सर कामगारों की मातृभाषा में उपलब्ध नहीं होते हैं। हाल ही में बायलर विस्फोट की घटनाओं में आई बाढ़ के पीछे की एक इंजीनियरिंग से जुड़ी हकीकत यह है कि बायलर कभी भी इस तरह अचानक खराब नहीं होते हैं। ये हादसे आमतौर पर बहुत ज्यादा दबाव, क्षमता में बदलाव (स्केलिंग), पानी के स्तर के कुप्रबंधन और/या फिर से सक्रिय करने संबंधी तनाव (रिवाइवल स्ट्रेस) की वजह से होते हैं। इनमें से हरेक कारक का जोखिम वक्त के साथ बढ़ता जाता है। कुल 20 लोगों की जिंदगी लील लेने वाले छत्तीसगढ़ के शक्ति संयंत्र में हुए बायलर विस्फोट और 2020 में विशाखापत्तनम गैस रिसाव एवं 2020 में नेवेली के एक ताप विद्युत केंद्र में हुए विस्फोट में काफी कुछ समानताएं हैं। विशाखापत्तनम वाले मामले में जहां लाकडाउन के बाद फिर से शुरू होने पर एक इकाई में सुरक्षा प्रणालियां निष्क्रिय या ठीक नहीं थीं, वहीं नेवेली वाले मामले में संयंत्र को दोबारा चालू करने की प्रक्रिया ने विस्फोट को जन्म दिया। शक्ति संयंत्र को भी हाल ही में अधिग्रहित व चालू किया गया था और विस्फोट के वक्त वह अपनी पूरी क्षमता के साथ काम कर रहा था। संच. लन की इन अस्थिर स्थितियों में, विफलताएं अक्सर क्षणिक तापीय और दबाव संबंधी असंतुलन की वजह से होती हैं। हालांकि, व्यवहार में, न तो राष्ट्रीय बायलर निरीक्षण व्यवस्था और न ही नियामक ढांचा इन चरणों में निगरानी को बढ़ाता है। बायलर की स्थिति भले ही रोजाना बदलती रहती हो, लेकिन इनका प्रमाणन एक साल तक वैध रहता है। मौजूदा ढांचा असुरक्षित संचालन के बजाय काम बंद रहने की अवधि (डाउनटाइम) के लिए दंडित करता है और रखरखाव के लिए की गई कार्यबंदी (शटडाउन) को पुरस्कृत करता है। शक्ति संयंत्र में हुए हादसे जैसी घटनाएं इस बात का भी सबूत हैं कि निरंतर यंत्रीकरण (इंस्ट्रूमेंटेशन) और जांच के बजाय निर्माण संबंधी मानकों पर ढांचे का ध्यान केंद्रित करना कारगर नहीं है। केंद्र सरकार का व्यावसाय करने में आसानी पर ध्यान केंद्रित करने से औचक सरकारी निरीक्षणों की जगह पर स्व-प्रमाणीकरण और निर्धारित तीसरे-पक्ष द्वारा जांच को बढ़ावा मिला है।

महिलाओं का सशक्तिकरण नहीं होने वाला

सरकार परिसीमन की आड़ में भारत का निर्वाचक मानचित्र बदल देना चाहती है, लेकिन इससे महिलाओं का सशक्तीकरण नहीं होने वाला है, संसदीय सीटों का परिस. ीमन देश द्रोह है और विपक्ष इसे किसी कीमत नहीं होने देगा सरकार लोक सभा सीटों का परिसीमन और विधायिका में महिलाओं का आरक्षण जिस तरह से देना चाहती है, वह अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), दलितों और अल्पसंख्यकों के हितों पर हमला है। विपक्षी सदस्य इसका कड़ा विरोध करते हैं, आप ओबीसी को, दलितों को हिन्दू तो कहते हैं, पर सत्ता में उन्हें स्थान नहीं देते, कार्पोरेट में ओबीसी, दलित कहां हैं, शिक्षा क्षेत्र में वंचित वर्ग कहां है, निजी क्षेत्र में ओबीसी -दलित कहां हैं, सार्वजनिक क्षेत्र से वंचित वर्गों को हटाया जा रहा है।

-राहुल गांधी, नेता विपक्ष, लोकसभा

धरोहरों में धड़कता भारतीय इतिहास

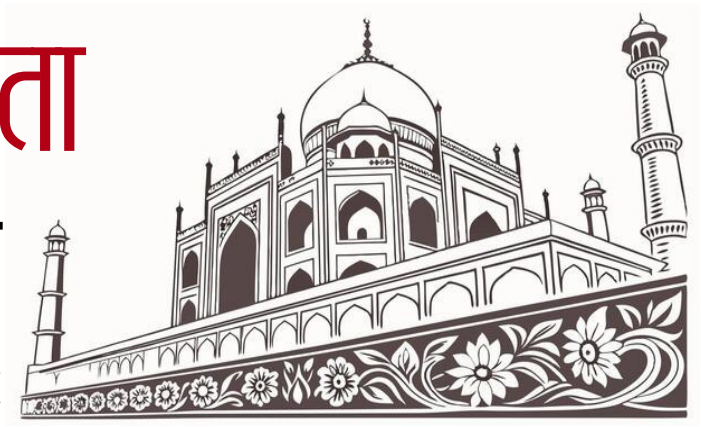

श्वेता गोयल

विश्व धरोहर दिवस, जिसे आधिकारिक रूप से 'स्मारकों और स्थलों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस' कहा जाता है, मानव सभ्यता की स्मृतियों और भविष्य की जिम्मेदारियों के बीच सेतु का प्रतीक है। वर्ष 1983 में यूनेस्को द्वारा स्थापित यह दिवस हर वर्ष 18 अप्रैल को हमें यह स्मरण कराता है कि इतिहास केवल पुस्तकों में नहीं बल्कि पत्थरों, गुफाओं, नदियों, जंगलों और स्मारकों में जीवित रहता है। यह उन कहानियों का जीवंत संग्रह है, जिन्हें समय ने तराशा है और जिन्हें संरक्षित रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। भारत, जो हजारों वर्षों की सतत सभ्यता का वाहक रहा है, अपनी विविधता, गहराई और सांस्कृतिक समृद्धि के कारण विश्व धरोहर मानचित्र पर एक विशिष्ट पहचान रखता है।

वर्तमान में भारत के पास 44 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं, जो इसे वैश्विक स्तर पर अग्रणी देशों में स्थापित करते हैं और यह दर्शाते हैं कि भारत केवल अतीत का संग्रहालय नहीं बल्कि प्रकृति और संस्कृति के अद्भुत संतुलन का जीवंत उदाहरण है। भारत की सांस्कृतिक धरोहरों में ताजमहल की श्वेत संगमरमर में उकेरी गई प्रेमगाथा, कुतुब मीनार की स्थापत्य भव्यता, खजुराहो मंदिर की कला और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम तथा अजंता और एलोरा गुफाओं की भित्ति चित्रों और शिल्पकला की अनूठी परंपरा शामिल है। यह केवल स्मारक नहीं बल्कि भारतीय चेतना की परतों को खोलने वाली जीवित कृतियां हैं, जो धर्म, दर्शन, कला और विज्ञान के समन्वय को प्रस्तुत करती हैं। इसी तरह हम्पी और महाबलपुरम जैसे स्थल यह प्रमाणित करते हैं कि प्राचीन भारत में स्थापत्य, जल प्रबंधन और खगोल विज्ञान कितने उन्नत स्तर पर थे। प्राकृतिक धरोहरों की बात करें तो भारत की जैव विविधता विश्व में अद्वितीय है। काजीरंगा नेशनल पार्क, सुंदरबन नेशनल पार्क, वेस्टर्न घाट और वैली ऑफ फ्लावर्स नेशनल पार्क जैसे स्थल न केवल प्राकृतिक सौंदर्य के प्रतीक हैं बल्कि पारिस्थितिक संतुलन और जैव विविधता के संरक्षण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यह क्षेत्र हमें यह भी सिखाते हैं कि प्रकृति और मानव का संबंध प्रतिस्पर्धा का नहीं बल्कि सह-अस्तित्व का होना चाहिए। भारत का एकमात्र मिश्रित धरोहर स्थल कंचनजंघा नेशनल पार्क इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि किस प्रकार प्रकृति और संस्कृति एक-दूसरे में घुल-मिलकर एक समग्र विरासत का निर्माण करती हैं। यहां के पर्वत, मिथक, स्थानीय आस्थाएं और पारंपरिक ज्ञान इस क्षेत्र को केवल भौगोलिक नहीं बल्कि आध्यात्मिक रूप से भी विशिष्ट बनाते हैं। विश्व धरोहर सूची में किसी स्थल का शामिल होना केवल सम्मान नहीं बल्कि एक कठोर और बहुआयामी प्रक्रिया का परिणाम होता है। पहले किसी स्थल को 'टेंटेटिव लिस्ट' में शामिल किया जाता है, फिर विशेषज्ञों द्वारा उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, स्थापत्य और संरक्षण संबंधी पहलुओं का गहन मूल्यांकन किया जाता है। जब वह सभी मानकों पर खरा उतरता है, तभी उसे विश्व धरोहर का दर्जा प्राप्त होता है। यह प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि सूची में शामिल प्रत्येक स्थल मानवता के लिए असाधारण सार्वभौमिक मूल्य रखता हो। हाल के वर्षों में भारत ने इस दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। 2024 में असम के मोइदाम-अहोम राजवंश की दफन प्रणाली को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया जबकि 2025 में मराठा सैन्य परि.श्यों को यह प्रतिष्ठा प्राप्त हुई। यह दोनों उदाहरण यह दर्शाते हैं कि भारत की विरासत केवल प्राचीन मंदिरों और स्मारकों तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें विविध ऐतिहासिक परंपराएं और क्षेत्रीय पहचान भी शामिल हैं। भारत की धरोहरें केवल राजाओं और साम्राज्यों की कहानी नहीं कहती बल्कि आम जनजीवन की रचनात्मकता, विश्वास और सामाजिक संरचना को भी अभिव्यक्त करती हैं। नालंदा विश्वविद्यालय और विक्रमशिला जैसे प्राचीन शिक्षा केंद्र यह दर्शाते हैं कि भारत कभी वैश्विक ज्ञान का केंद्र रहा है, जहां दुनियाभर से विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने आते थे। इसी प्रकार भीमबेटका की गुफाएं मानव सभ्यता के प्रारंभिक चरणों की झलक प्रस्तुत करती हैं, जहां हजारों वर्ष पुराने चित्र आज भी संवाद करते प्रतीत होते हैं। हालांकि इस गौरवशाली विरासत के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। तेजी से बढ़ता शहरीकरण, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, अतिक्रमण और अनियंत्रित पर्यटन कई धरोहर स्थलों के अस्तित्व पर खतरा बनकर मंडरा रहे हैं। ताजमहल के आसपास बढ़ता वायु प्रदूषण और काजीरंगा नेशनल पार्क में मानवीय हस्तक्षेप इस बात के उदाहरण हैं कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो ये धरोहरें केवल स्मृतियों में सिमट सकती हैं।

इस दिशा में भारत सरकार और विभिन्न संस्थाओं द्वारा कई महत्वपूर्ण पहलें की गई हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण लगातार संरक्षण और पुनरुद्धार के कार्यों में सक्रिय है। 'एडॉप्ट ए हेरिटेज' जैसी योजनाओं के माध्यम से निजी क्षेत्र और स्थानीय समुदायों को भी संरक्षण में भागीदार बनाया जा रहा है। डिजिटल तकनीक के माध्यम से 'वर्चुअल हेरिटेज वॉक' जैसी पहलें नई पीढ़ी को धरोहरों से जोड़ने का प्रयास कर रही हैं। फिर भी, केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। धरोहर संरक्षण को जनआंदोलन बनाना होगा। जब तक स्थानीय समुदाय स्वयं इन स्थलों को अपनी पहचान का हिस्सा नहीं मानेंगे, तब तक संरक्षण के प्रयास अधूरे रहेंगे। बिश्नोई जैसे समुदायों का उदाहरण यह दर्शाता है कि यदि समाज जागरूक हो तो वह प्रकृति और विरासत दोनों की रक्षा कर सकता है। भारत की कई ऐसी धरोहरें भी हैं, जो अभी यूनेस्को की सूची में शामिल नहीं हैं लेकिन उनकी महत्ता किसी भी दृष्टि से कम नहीं है। वाराणसी की प्राचीनता, मथुरा-वृंदावन की सांस्कृतिक जीवंतता, उज्जैन की धार्मिक परंपरा और लोकटक झील की पारिस्थितिक विशिष्टता यह दर्शाती है कि भारत की विरासत केवल सूचीबद्ध स्थलों तक सीमित नहीं है बल्कि हर क्षेत्र, हर संस्कृति और हर परंपरा में समाई हुई है। आज के समय में, जब वैश्वीकरण और उपभोक्तावाद के प्रभाव में समाज तेजी से बदल रहा है, यह आवश्यक हो जाता है कि हम अपनी जड़ों से जुड़े रहें। धरोहरें केवल अतीत का अवशेष नहीं बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाली प्रेरणा हैं। वे हमें यह सिखाती हैं कि विकास केवल आधुनिकता में नहीं बल्कि परंपरा और नवाचार के संतुलन में निहित है। भारत की धरोहरों में इतिहास पत्थरों में दर्ज है लेकिन उनका अर्थ जीवंत है। वे हमें हमारी पहचान, हमारी संस्कृति और हमारी सामूहिक चेतना से जोड़ती हैं। इन्हें संरक्षित करना केवल अतीत को बचाना नहीं बल्कि भविष्य को संवारना है। यह जिम्मेदारी जितनी सरकार की है, उतनी ही समाज की भी है। यही वह संवाद है, जो धरोहरों को अमर बनाता है। भारत की 44 विश्व धरोहरें इसी अमर संवाद की प्रतीक हैं, एक ऐसा संवाद, जो अतीत से वर्तमान और वर्तमान से भविष्य तक निरंतर प्रवाहित हो रहा है।

भारत का फार्मा सेक्टर : युवाओं के लिए नया आकाश

हम उद्योग-अकाद. मिक साझेदारी को मजबूत कर रहे हैं। इसी दिशा में, शिक्षा और उद्योग के बीच तालमेल बिठाने के लिए नाईपर और उद्योग के बीच 356 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। साथ ही स्किल डेवलपमेंट मिशनों के माध्यम से छात्रों को सीधे कंपनियों के साथ जुड़ने के मौके दिए जा रहे हैं। इससे न केवल युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ेगी, बल्कि भारत एक ग्लोबल इना. `वेशन हब बनेगा।

भारत आज दुनिया की श्फार्मेसीश् के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर चुका है, और माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के विजन के अनुरूप अब हम केवल जेनेरिक दवा बनाने वाले देश से आगे बढ़कर एक श्नवाचार-आधारितश वैश्विक शक्ति बनने की दिशा में अग्रसर हैं। हमारी सरकार का उद्देश्य ऐसी नीतियां बनाना है जिससे देश के हर नागरिक कम कीमत में गुणवत्तापूर्ण दवाएं से मिल सकें। साथ ही सरकार निरंतर अनुसंधान और विकास को बढ़ावा दे रही है और भारतीय फार्मा उद्योग को वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए काम कर रही है। भारत की अब तक की सफलता उसकी उत्पादन क्षमता, लागत दक्षता और गुणवत्ता मानकों पर आधारित रही है। विश्व की लगभग 20 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं और 60 प्रतिशत वैक्सीन आपूर्ति के साथ देश ने वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसको देखते हुए भारत सरकार ने 8 से 10 वर्षों में देश को उच्च-मूल्य, नवाचार-आधारित बायोफार्मा और उन्नत चिकित्सीय उत्पादों का वैश्विक केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा है। इसकी आधारशिला के रूप में हालिया केंद्रीय बजट में घोषित रुपये 10,000 करोड़ की 'बायोफार्मा शक्ति' पहल महत्वपूर्ण है। यह कार्यक्रम देश में वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार आधारित उद्योगों और अगली पीढ़ी की दवाओं के विकास को गति प्रदान करेगा। आर्थिक आंकड़े भी इस बात को दर्शाते हैं कि भारत का फार्मास्युटिकल उद्योग वर्तमान में 50 अरब डॉलर का है। जिस रफ्तार से हम आगे बढ़ रहे हैं, 2030 तक इसके 130 अरब डॉलर तक पहुंचने की पूरी संभावना है। इसे केवल संख्या नहीं, बल्कि देश के लाखों युवाओं के लिए बेहतर भविष्य के रोडमैप के तौर पर भी देखने की जरूरत है। वर्तमान में फार्मास्युटिकल उद्योग प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से 30 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दे रहा है। 2030 तक हेल्थकेयर और फार्मा क्षेत्र में 20 से 25 लाख नए रोजगार सृजित होंने की उम्मीद है। बायोफार्मा, मेडटेक और क्लीनिकल रिसर्च जैसे उभरते क्षेत्रों ने संभावनाओं के नए द्वार खोल दिए हैं।

हमारी सरकार का मानना है कि युवाओं की सफलता की नींव एक मजबूत शैक्षणिक ढांचे पर टिकी होती है। इसी विजन को ध्यान में रखते हुए, केंद्रीय बजट में फार्मा सेक्टर के लिए और भी कई क्रांतिकारी कदम उठाए गए हैं। सरकार ने देश में तीन नए राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही, वर्तमान में कार्यरत सात नाईपर संस्थानों को अपग्रेड किया जा रहा है। इन सात संस्थानों में श्सेंटर ऑफ एक्सीलेंसश की स्थापना की गई है, जो अनुसंधान और विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। इन केंद्रों के माध्यम से विशेष क्षेत्रों में अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा रहा है, नाईपर मोहाली में एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल दवाओं की खोज एवं विकास, नाईपर अहमदाबाद में मेडिकल डिवाइसेज, नाईपर हैदराबाद में बल्क ड्रग्स, नाईपर कोलकाता में फ्लो केमिस्ट्री और सतत विनिर्माण, नाईपर रायबरेली में नोबेल ड्रग डिलीवरी सिस्टम, नाईपर गुवाहाटी में फाइटोफार्मास्यूटिकल्स तथा नाईपर हाजीपुर में बायोलॉजिकल थेरैप्यूटिक्स पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए गए हैं। इन संस्थानों का सीधा लाभ हमारे विद्यार्थियों को मिलेगा। नाईपर केवल डिग्री देने वाले संस्थान नहीं रह जाएंगे, बल्कि वे ऐसे केंद्र बनेंगे जहां छात्र उद्योग की वास्तविक चुनौतियों पर काम करेंगे। इससे हमारे छात्र केवल जॉब सीकर नहीं बल्कि जॉब क्रिएटर और नवाचारी बनेंगे। बदलते दौर में काम करने के तरीके बदल रहे हैं। अनुमान है कि 2030 तक फार्मा सेक्टर के लगभग 30-35 प्रतिशत कार्यबल को री-स्किलिंग यानी नए कौशल सीखने की जरूरत होगी। केयर डिलीवरी, रिसर्च और मैन्युफैक्चरिंग की परिभाषाएं बदल रही हैं। डेटा विश्लेषण, डिजिटल हेल्थ और नियामक मामलों में उच्च कौशल वाले युवाओं की मांग तेजी से बढ़ेगी। हमारी सरकार का ध्यान इसी स्किल गैप को भरने पर है। हम चाहते हैं कि हमारे छात्र क्लीनिकल रिसर्च और अनुसंधान और विकास में विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त करें। शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी को कम करना हमारी प्राथमिकता है। जब तक हमारे कॉलेजों में पढ़ाया जाने वाला पाठ्यक्रम और उद्योग की जरूरतें एक समान नहीं होंगी।

-अनुप्रिया पटेल

(लेखक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री हैं)

नोएडा में अशांति : कारखाना मालिकों को सबक लेने की जरूरत

नोएडा के औद्योगिक क्षेत्र में बीते 13 अप्रैल को जो घटना घटी, वह केवल एक स्थानीय प्रदर्शन नहीं थी। फेज-2 के होजरी कॉम्प्लेक्स, सेक्टर 60, 62, 63 और आसपास के दर्जनों कारखानों के हजारों मजदूर वेतन वृद्धि, ओवरटाइम का दोगुना भुगतान, साप्ताहिक छुट्टी, बोनस और शिकायत निवारण समिति जैसी मांगों को लेकर सड़क पर उतरे। शुरू में शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन था, लेकिन जल्द ही पथराव, वाहनों में आगजनी, संपत्ति तोड़फोड़ और पुलिस के साथ टकराव का रूप ले लिया। पुलिस को आंसू गैस और लाठीचार्ज का सहारा लेना पड़ा। सैकड़ों लोग घायल हुए, दर्जनों वाहन जलाए गए और सैकड़ों मजदूरों की गिरफ्तारी हुई। उत्तर प्रदेश सरकार ने तुरंत न्यूनतम मजदूरी में 21 प्रतिशत की अंतरिम वृद्धि की घोषणा कर दी, लेकिन आग बुझने में समय लगा।यह घटना मात्र नोएडा की नहीं है। यह पूरे देश के लिए एक बड़े संदेश की तरह है। आज भारत मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन अगर श्रमिक-प्रबंधन संबंधों को नजरअंदाज किया गया तो नोएडा जैसी स्थिति कहीं भी दोहराई जा सकती है।

मुख्य वजह हरियाणा और उत्तर प्रदेश के बीच न्यूनतम मजदूरी का बड़ा अंतर था। हरियाणा सरकार ने हाल ही में अनुभवी मजदूरों के वेतन में करीब 35 प्रतिशत की वृद्धि कर दी। अकुशल श्रमिकों के वेतन को 14,000 रूपए से बढ़ाकर 19,000 रूपए तक कर दिया गया। नोएडा के मजदूरों को यही खबर मिली और उन्होंने मांग की कि उनका वेतन भी उसी स्तर पर हो। वर्तमान में

नोएडा में कई कारखानों में अनुभवी मजदूरों को 11-13 हजार रूपए मासिक मिल रहे थे, जबकि महंगाई, किराया, राशन, शिक्षा और स्वास्थ्य खर्च ने आसमान छू लिया है। साथ ही लंबे काम के घंटे, ओवरटाइम का सिंगल रेट, वेतन स्लिप न मिलना और यौन उत्पीड़न समिति जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी ने आक्रोश को भड़काया। सोशल मीडिया पर 'हरियाणा मॉडल' की खबरें तेजी से फैलीं। कुछ बाहरी तत्वों ने भी इसे भड़काने की कोशिश की, लेकिन मूल समस्या आर्थिक थी। तीन-चार दिन के शांत प्रदर्शन के बाद 13 अप्रैल को हिंसा भड़क गई। पुलिस ने न्यूनतम बल प्रयोग किया, लेकिन स्थिति बिगड़ चुकी थी। सरकार ने बाद में 1 अप्रैल से लागू होने वाली वेतन वृद्धि की घोषणा की, फिर भी कई मजदूर संतुष्ट नहीं हुए। यह अशांति अचानक नहीं आई है। पिछले कुछ वर्षों में देश भर में श्रमिकों के बीच असंतोष बढ़ा है। कारण कई हैं। महंगाई और वास्तविक आय में कमीरू खाने-पीने, आवास और परिवहन का खर्च तेजी से बढ़ा है, लेकिन वेतन वृद्धि धीमी रही। विशेषकर अनुबंधित और ठेकेदार मजदूर सबसे ज्यादा प्रभावित रहे।श्रम कानूनों का अधूरा कार्यान्वयनरू चार नए श्रम संहिताओं का उद्देश्य सुविधा देना था, लेकिन कई राज्यों में उन्हें पूरी तरह लागू नहीं किया गया। न्यूनतम मजदूरी की समीक्षा समय पर नहीं होती।प्रबंधन की उदासीनतारू कई कारखाने एमएसएमई क्षेत्र के हैं। मालिक लागत बचाने के चक्कर में वेतन, बोनस और सुरक्षा पर ध्यान नहीं देते। संवाद की कमी भी रहती है। जब हरियाणा में वेतन बढ़ा, तो नोएडा के मालिकों ने इसे 'स्थानीय मुद्दा' मानकर नजरअंदाज कर दिया। नोएडा जैसे क्षेत्रों में ज्यादातर मजदूर बिहार, उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों और पूर्वी राज्यों से आते हैं। वे परिवार को पैसा भेजने के लिए कम वेतन पर भी काम करते हैं, लेकिन महंगाई ने उनका सब्र तोड़ दिया। सोशल मीडिया और सूचना का प्रसार ऐसा होने लगा कि एक जिले की खबर दूसरे जिले में तुरंत पहुंचने लगी। जिस कारण तुलना आसान हो गई है। इसी तरह की घटनाएं पहले गुरुग्राम, चेन्नई, कोयंबटूर और अहमदाबाद में भी देखी गई हैं। सवाल उठता है कि क्या दोष किसी एक पक्ष का है? उल्लेखनीय है कि कई फैक्टरियां लाभ कमा रही हैं, लेकिन मजदूरों को न्यूनतम सुविधाएं भी नहीं दे पा रही। संवाद की जगह दमन का रवैया अपनाया जाता है। वहीं सरकार की बात करें तो उनके द्वारा न्यूनतम मजदूरी की समीक्षा में देरी करना। पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय की कमी।

श्रम विभाग की कमजोरनिगरानी, आदि जैसे कई कारण हैं जो सरकार को भी सवालों के घेरे में लाते हैं। वहीं मजदूरों की बात की जाए तो हिंसा कभी जायज नहीं होती। वाहनों में आग लगाना, पथराव और संपत्ति तोड़फोड़ से उनकी अपनी मांगें कमजोर होती हैं। ऐसे में कुछ बाहरी उकसावे वाले तत्व इन सब का फायदा उठा लेते हैं। कई जगह यूनियनें राजनीतिक रंग ले लेती हैं और संवाद की बजाय आंदोलन को बढ़ावा देती हैं। वास्तव में दोष 'व्यवस्था' का है, जिसमें त्रिपक्षीय संवाद (सरकार-प्रबंधन-श्रमिक) कमजोर हो गया है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

कर्मचारियों के हक

नोएडा से सबक लेकर देश भर के कारखाना मालिकों को तुरंत कुछ कदम उठाने चाहिए।

- **हर साल महंगाई के आधार पर 10 से 20 फीसदी वेतन बढ़ोतरी का फॉर्मूला तय करें।**
- **वेतन समय पर और स्लिप के साथ दें।**
- **ग्रेविएंस कमेटी, वर्कर्स वेलफेयर कमेटी बनाएं।**
- **मासिक बैठकें रखें।**
- **ओवरटाइम, पीएफ, ईएसआई, बोनस, छुट्टियां जैसे सभी नियमों का पालन करें।**
- **मजदूरों को ट्रेनिंग दें ताकि वे ज्यादा उत्पादक बनें व बेहतर वेतन का हकदार हों।**
- **काम का माहौल सुरक्षित और सम्मानजनक बनाएं।**
- **यौन उत्पीड़न समिति अनिवार्य रूप से सक्रिय रखें।**
- **राज्य और केंद्र सरकार के साथ मिलकर लंबी अवधि की मजदूरी नीति बनाएं।**

रजनीश कपूर

प्रयागराज। भीषण गर्मी में पानी के टैंकर के ऊपर से पानी की बोतलें भरता व्यक्ति।

मार्को रुबियों-एवेट कपूर के बीच युद्ध विराम व होर्मुज को लेकर चर्चा

लंदन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर के साथ अमेरिकी-ईरान युद्ध विराम और होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री सुरक्षा पर चर्चा की। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रधान उप प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि दोनों नेताओं ने युद्ध विराम के अगले कदमों की समीक्षा की और जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता बहाल करने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया, ताकि वाणिज्यिक जहाजों का सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हो सके। उल्लेखनीय है कि अमेरिका और ईरान के बीच वर्तमान संघर्षविराम 22 अप्रैल को समाप्त होने वाला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उल्लेख किया कि यह अभी भी अनिश्चित है कि युद्ध विराम को आगे बढ़ाया जाएगा या नहीं, लेकिन उन्होंने चल रही बातचीत के बारे में आशा व्यक्त की।

मैक्रों ने इजरायल व लेबनान युद्धविराम का समर्थन किया

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इजरायल और लेबनान के बीच दस दिनों के युद्धविराम का 'पूर्ण समर्थन' किया है। मैक्रों ने हालांकि इस समझौते को लेकर चिंता भी जताई। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि मैं इस बात को लेकर चिंतित हूं कि सैन्य अभियानों के जारी रहने से यह युद्धविराम कमजोर पड़ सकता है। मैं सीमा के दोनों ओर नागरिक आबादी की सुरक्षा की अपील करता हूं। हिजबुल्लाह को अपने हथियारों का त्याग करना चाहिए और इजरायल को लेबनान की संप्रभुता का सम्मान करते हुए युद्ध रोकना चाहिए। इजरायल और लेबनान दोनों ने इस युद्धविराम का स्वागत किया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे 'ऐतिहासिक शांति समझौता करने का अवसर' बताया है। यह समझौता फिलहाल दस दिनों के लिए है, जिसे बातचीत में प्रगति होने पर आगे बढ़ाया जा सकता है।

क्यूबा के राष्ट्रपति की ट्रम्प को दो टूक

अमेरिका ने सैन्य आक्रामकता दिखाई, तो लड़ाई लड़ेगा देश, हमें एक बार फिर गंभीर खतरों का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा

हवाना। क्यूबा के राष्ट्रपति मिगेल डियाज-कैनेल ने कहा कि क्यूबा नहीं चाहता कि अमेरिका उस पर सैन्य कार्रवाई करे। उन्होंने कहा, अगर ऐसा होता है तो उनका देश लड़ने के लिए तैयार है। डियाज-कैनेल ने यह बात एक रैली में कही, जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए थे।

यह रैली क्यूबा की क्रांति के 65 साल पूरे होने पर आयोजित की गई थी, जब क्यूबा ने खुद को समाजवादी देश घोषित किया था। डियाज-कैनेल ने कहा, यह बेहद चुनौतीपूर्ण समय है और हमें एक बार फिर गंभीर खतरों का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा, जैसे 16 अप्रैल 1961 को थे। इन खतरों में (संभावित) सैन्य हमला भी शामिल है। हम यह नहीं चाहते, लेकिन इससे बचने के लिए तैयारी करना हमारा कर्तव्य है और अगर यह टालना संभव न हो, तो हमें इसे हराना होगा। उन्होंने यह बात ऐसे समय में कही, जब

■ डियाज कैनेल ने यह बात एक रैली में कही, जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए थे

दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। अमेरिका की ऊर्जा नाकेबंदी के कारण क्यूबा का संकट और गहरा गया है। इस हफ्ते की शुरुआत में ट्रम्प ने कहा था कि ईरान के साथ जंग खत्म होने के बाद उनका प्रशासन क्यूबा पर फोकस कर सकता है। उन्होंने कहा कि हम इसे खत्म करने के बाद क्यूबा की ओर भी जा सकते हैं। उन्होंने क्यूबा को विफल देश बताया और कहा कि यह लंबे समय से खराब तरीके से चलाया जा रहा है। जनवरी के शुरुआत में ट्रम्प ने पहले भी क्यूबा में दखल की धमकी दी थी, जब अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला पर हमला किया और वहां से आने वाले तेल की आपूर्ति रोक दी। कुछ हफ्तों बाद ट्रम्प ने उन देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी दी, जो क्यूबा को तेल बेचते हैं या उपलब्ध कराते हैं। ट्रम्प और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के माता-पिता 1950 के दशक में क्रांति से पहले क्यूबा से प्रवास कर गए थे। दोनों ने क्यूबा की सरकार को अक्षम और दमनकारी बताया है। डियाज-कैनेल ने उन पर आरोप लगाया कि वे एक ऐसा 'कहानी' बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसका कोई आधार नहीं है। उन्होंने कहा क्यूबा असफल देश नहीं है। क्यूबा एक घिरा हुआ देश है। क्यूबा एक ऐसा देश है, जो कई तरह के हमलों का सामना कर रहा है। इनमें आर्थिक युद्ध, कड़ी नाकेबंदी और ऊर्जा नाकेबंदी शामिल हैं। उन्होंने कहा क्यूबा एक ऐसा देश है जिसे धमकाया जाता रहा है, लेकिन वह झुकता नहीं है। हर चीज के बावजूद समाजवाद की वजह से क्यूबा एक ऐसा देश है, जो संघर्ष करता है, आगे बढ़ता है और याद रखिए, यह देश जीतकर रहेगा। क्यूबा और अमेरिका दोनों ने माना है कि तनाव कम करने के लिए बातचीत चल रही है, लेकिन इसके बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की गई है।

संक्षिप्त समाचार

आईडीएफ ने लेबनान में हिजबुल्लाह के 380 से अधिक ठिकानों को बनाया निशाना

यरूशलेम। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि उसने पिछले 24 घंटों में लेबनानी शिया आंदोलन हिज्बुल्लाह के 380 से अधिक ठिकानों पर हमले किए। आईडीएफ ने टेलीग्राम पर कहा कि पिछले 24 घंटों में, आईडीएफ ने दक्षिणी लेबनान में सक्रिय जमीनी बलों के अभियानों का समर्थन करने के लिए हिजबुल्लाह आतंकवादी संगठन के 380 से अधिक ठिकानों पर हमले किए। आईडीएफ ने कहा कि हमलों में हिजबुल्लाह के सदस्यों, मुख्यालयों और लॉन्चरों को निशाना बनाया गया।

इंडोनेशिया के बोर्नियो द्वीप पर हेलीकॉप्टर क्रैश, आठ की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के बोर्नियो द्वीप पर एक बड़ा हादसा हुआ है। यहां पाम आयल के बागानों के बीच उड़ान भर रहा एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में हेलीकॉप्टर में सवार सभी आठ लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को इस घटना की जानकारी दी। यह हेलीकॉप्टर 'पीटी मैथ्यू एयर नुसंतारा' कंपनी का था और इसका माडल एयरबस एच130 था। इसने पश्चिमी कालीमंतन प्रांत के मेल्वी जिले से उड़ान भरी थी।

लव एंड वॉर 21 जनवरी 2027 को होगी रिलीज

मुंबई। रणबीर कपूर, विक्की कौशल और आलिया भट्ट की आने वाली फिल्म लव एंड वॉर 21 जनवरी 2027 को दुनियाभर में रिलीज होगी भव्य स्तर पर बनी लव एंड वॉर, संजय लीला भंसाली की अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। अपनी भव्य कहानी और इमोशनल गहराई के साथ, यह फिल्म भारत की सबसे बड़ी लव सागा और इंडियन सिनेमा की सबसे शानदार रोमांटिक फिल्मों में से एक बनकर उभर रही है।

ईरान से समझौते को खुद पाक जाएंगे ट्रम्प!

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहाः ईरान के साथ उनके रिश्ते बहुत अच्छे हैं, टिप्पणी को उनके यू-टर्न की तरह भी पेश किया जा रहा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ उनके रिश्ते बहुत अच्छे हैं। 40 दिनों से अधिक की जंग के बाद तनावपूर्ण शांति के बीच आई इस टिप्पणी को उनके यू-टर्न की तरह भी पेश किया जा रहा है। इसके अलावा उन्होंने भारत और अमेरिका के संबंधों पर भी टिप्पणी की। ट्रम्प ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना 'दोस्त' बताते हुए कहा कि मोदी के साथ फोन पर उनकी बातचीत 'बहुत अच्छी' रही।

पीएम मोदी ने भी ट्रम्प के फोन काल की पुष्टि की थी। गौरतलब है कि दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति और समुद्री सुरक्षा पर चर्चा की। उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला और सुरक्षित रखने पर जोर दिया। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भी दोनों नेताओं के बीच की बातचीत को सकारात्मक बताया। वहीं ट्रम्प ने यह भी कहा है कि अगर ईरान के साथ समझौता हो जाता है तो वह समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए पाकिस्तान जा सकते हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने भारत और ईरान से इतर इजरायल और लेबनान के बीच युद्धविराम पर भी बयान दिया। उन्होंने लेबनानी राष्ट्रपति जोसेफ आउन और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी बात की। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल में 10वां युद्ध रोकने में सफलता हासिल की है। डोनरो सिद्धांत जुमले का इस्तेमाल ट्रम्प की 2026 की विदेश नीति के संदर्भ में किया जाता है। इस धारा के तहत सरकार 'अमेरिका सबसे पहले और केवल अमेरिका' जैसे रुख पर जोर देती है। डोनरो सिद्धांत पूर्व राष्ट्रपति के दौर में इस्तेमाल 'मोनरो सिद्धांत' से प्रेरित है। दरअसल, 1823 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जेम्स मुनरो ने यूरोपीय उपनिवेशीकरण बंद करने का एलान किया था। उन्होंने कहा था कि अमेरिका में किसी भी हस्तक्षेप को अमेरिका के खिलाफ दुश्मनी बढ़ाने जैसे कृत्य के रूप में देखा जाएगा। बीते करीब 200 साल से अधिक समय से इस नीति को डोनरो सिद्धांत की तरह पेश किया जा रहा है। अब गाहे-ब-गाहे ट्रम्प की नीतियों को भी इसी जुमले के आधार पर पेश किया जाता है।

वहीं ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ बहुत जल्द जीत का दावा किया। उन्होंने ईरान की सैन्य क्षमताओं में भारी गिरावट का उल्लेख किया। ट्रम्प ने ईरान को कठिन, स्मार्ट देश बताया, पर कहा उसकी नौसेना खत्म हो चुकी है। उन्होंने दावा किया कि ईरान के 158 जहाज समुद्र में डूब चुके हैं। ट्रम्प ने ईरानी कमांडर घोलमरेजा सुलेमानी को निशाना बनाने का भी जिक्र किया। उन्होंने सुलेमानी को 'सबसे बुरे आतंकवादियों में से एक' बताया, उस पर अमेरिकी सैनिकों पर हमलों का आरोप लगाया। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच, ट्रम्प ने ईरान के साथ युद्धविराम विस्तार पर अनिश्चितता जताई। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई कि ईरान के साथ जल्द ही एक समझौता हो सकता है। उन्होंने दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना मुख्य लक्ष्य है। अगले दौर की वार्ता सप्ताहांत में होने की संभावना है।

■ मोदी के साथ फोन पर उनकी बातचीत 'बहुत अच्छी' रहीः ट्रम्प
■ दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति और समुद्री सुरक्षा पर चर्चा की

अमेरिका-ईरान के बीच पाकिस्तान में शांति वार्ता के दूसरे दौर की तैयारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान अगले हफ्ते अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली दूसरे दौर की महत्वपूर्ण शांति वार्ता की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है। इस बातचीत का मुख्य उद्देश्य पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को समाप्त करना है। इस युद्ध ने दुनिया भर में ऊर्जा की आपूर्ति को बुरी तरह प्रभावित किया है। पिछले हफ्ते हुई पहली सीधी बातचीत बिना किसी समझौते के खत्म हो गई थी। हालांकि, दोनों पक्ष अभी दो हफ्ते के अस्थायी युद्धविराम का पालन कर रहे हैं। यह युद्धविराम 22 अप्रैल को समाप्त होगा। पाकिस्तान इस मौके का फायदा उठाकर दोनों देशों को फिर से बातचीत की मेज पर लाने की कोशिश कर रहा है। अधिकारिक ने सूत्रों ने शुक्रवार को कहा, दोनों पक्षों को बातचीत की टेबल पर वापस लाने के लिए तेजी से डिप्लोमैटिक काम हुआ। इस शांति प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर काफी सक्रिय हैं।

ट्रम्प ने अपनी आर्थिक नीतियों का बचाव किया

■ ईरान के साथ जारी युद्ध के कारण बढ़ती ऊर्जा कीमतों पर अमेरिकी राष्ट्रपति दे रहे सफाई

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पश्चिम एशिया में ईरान के साथ जारी युद्ध के कारण बढ़ती ऊर्जा कीमतों के बीच गुरुवार को लास वेगास में एक कार्यक्रम के दौरान अपनी सरकार के आर्थिक रिकॉर्ड का बचाव किया। श्रम विभाग की हालिया रिपोर्ट में पिछले महीने महंगाई में 0.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखाई गई है, जो पिछले चार वर्षों में सबसे बड़ी उछाल है। ट्रम्प ने इस रिपोर्ट की सत्यता पर संदेह जताते हुए इसे ईंधन और ऊर्जा की कीमतों में अस्थाई वृद्धि का परिणाम बताया।

उन्होंने कहा कि यह मत भूलिए कि ईंधन और ऊर्जा की कीमतों के कारण हमें कुछ 'फर्जी महंगाई' का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि ये बढ़ी हुई कीमतें 'अल्पकालिक' हैं और उन्होंने अमेरिकियों से आने वाले सप्ताह के घटनाक्रमों पर नजर रखने का आग्रह किया। गौरतलब है कि खाड़ी क्षेत्र में ईरान के जवाबी हमलों के बाद ईंधन की कीमतों में यह उछाल आया था, जिससे होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से होने वाला तेल व्यापार प्रभावित हुआ था। हालांकि, ट्रम्प द्वारा शांति वार्ता के दौरान संघर्ष पर अस्थाई रोक लगाने की घोषणा के बाद ऊर्जा बाजारों में कुछ राहत देखी गई है। उल्लेखनीय है कि आम जनता के लिए खर्चों को वहन करने योग्य बनाना ट्रम्प के 2024 के राष्ट्रपति अभियान का मुख्य आधार था। आगामी मध्यावधि चुनावों में भी जीवन यापन की लागत से जुड़ी चिंताएं बड़ी भूमिका निभा सकती हैं। लास वेगास के इस कार्यक्रम में सरकार की 'नो टैक्स ऑन टिप्स' नीति पर प्रकाश डाला गया। इसे पिछले साल के 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट' के तहत लागू किया गया था, जो सेवा उद्योग की 60 से अधिक नौकरियों में मिलने वाली बख्शीश पर संघीय कर को समाप्त करता है। इस गोलमेज बैठक में वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट, सांसद टॉमी ट्यूबरविल और नेवादा के लेफ्टिनेंट गवर्नर स्टावरोस एंथोनी भी शामिल हुए।

नेपाल में भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे बड़ी जांच शुरू

■ सात पूर्व पीएम, तीन राष्ट्रपति, राजा की संपत्ति की जांच, 100 मंत्री और अधिकारी भी दायरे में

काठमांडू। नेपाल में भ्रष्टाचार के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री बालेन शाह की सरकार ने 5 सदस्यीय न्यायिक पैनल बनाया है, जो 2006 से लेकर 2025-26 तक सार्वजनिक पदों पर रहे लोगों की संपत्ति की जांच करेगा। जांच के दायरे में 2005-06 के बाद के सभी 7 प्रधानमंत्रियों को भी शामिल किया गया है।

इनमें सुशील कोईराला, पुष्प कमल दहल, माधव कुमार नेपाल, झलनाथ खनाल, बाबूराम भट्टराई, केपी शर्मा ओली और शेर बहादुर देउबा शामिल हैं। इसके साथ ही दो अंतरिम सरकारों के प्रमुख खिलराज रेग्मी और सुशीला कार्की भी जांच के दायरे में आएंगे। इसमें पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह भी आएंगे। इसके अलावा तीन राष्ट्रपति राम बरन यादव, विद्या देवी भंडारी और मौजूदा राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल भी जांच के घेरे में होंगे। यह जांच सिर्फ बड़े नेताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें मंत्री, संवैधानिक पदों पर बैठे 100 से ज्यादा लोग और वरिष्ठ नौकरशाह भी शामिल होंगे। यह जांच नेपाल में राजशाही खत्म होने के बाद के पूरे दौर को कवर करेगी। इसका मतलब 2006 के बाद का लगभग पूरा राजनीतिक नेतृत्व अब जांच के दायरे में आ गया है। खास बात यह है कि यह जांच शाह सरकार के अपने राजनीतिक दायरे तक भी जा सकती है।

अमेरिका में वैज्ञानिकों के लापता होने पर ट्रम्प बोलेः मामला गंभीर जांच का दिया आदेश

वाशिंगटन। अमेरिका में संवेदनशील राष्ट्रीय सुरक्षा रिसर्च से जुड़े वैज्ञानिकों के लापता या मृत होने की रिपोर्ट को लेकर चिंता बढ़ गई है। ट्रम्प ने इस मामले को 'गंभीर' बताया और जांच के आदेश दिए। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर बैठक की है और जल्द ही इसकी जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि कुछ बेहद महत्वपूर्ण लोग इससे जुड़े हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2023 के बाद से कम से कम 10 वैज्ञानिक या सरकारी कर्मचारी, जो एडवांस डिफेंस और एयरोस्पेस रिसर्च में काम कर रहे थे, लापता हो गए हैं या उनकी मौत हो गई है। इन मामलों में लास एलामोस नेशनल लैबोरेटरी, नासा की जेट प्रोपल्शन लैब और डप्ज के प्लाज्मा साइंस एंड फ्यूजन सेंटर से जुड़े लोगों का जिक्र किया गया है।

अमेरिकी सेना ने 12 साल बाद सीरिया छोड़ा

जॉर्डन लौट रहे सैनिक, सरकार बोलीः अब देश में एक ही प्रशासन चलेगा

दमिश्क। करीब 12 साल की सैन्य मौजूदगी के बाद अमेरिका ने सीरिया से अपने सभी सैनिक निकाल लिए हैं और सैन्य ठिकाने खाली कर दिए हैं। अप्रैल 2026 में हसाका के कसराक एयरबेस से आखिरी अमेरिकी काफिला निकल गया। इसके बाद सीरियाई सरकार ने सभी बेस अपने कब्जे में ले लिए।

सीरियाई विदेश मंत्रालय के मुताबिक, यह कदम देश को एकजुट करने और पूरे इलाके पर सरकार का नियंत्रण स्थापित करने की दिशा में बड़ा मोड़ है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने पुष्टि की कि करीब 2000 सैनिक जार्डन जा रहे है। अमेरिका ने हसाका, रुमैलान और देइर एज-जोर में मौजूद कम से कम सात बड़े ठिकाने खाली किए। आखिरी ठिकाना कसराक एयरबेस था। अब इस पर सीरियाई सेना का नियंत्रण है। हसाका प्रांत के ग्रामीण इलाके में स्थित कसरक

बेस है। अमेरिकी सेना की वापसी के बाद इसे सीरियाई सरकारी बलों को सौंप दिया गया। इस बीच, सीरिया सरकार और एसडीएफ के बीच हुए समझौते के बाद कुर्द लड़ाकों को राष्ट्रीय सेना में शामिल किया जा रहा है। हसाका और कामिशली जैसे शहरों में सरकारी बल तैनात हो चुके हैं और सीमाई इलाकों पर भी दमिश्क का नियंत्रण बढ़ा है। इसी साल दोनों पक्षों के बीच झड़पें भी हुई थीं, जिसके बाद मार्च में एक नया समझौता हुआ। इसके तहत एसडीएफ और कुर्द प्रशासनिक ढांचे को धीरे-धीरे राज्य में शामिल करने की प्रक्रिया शुरू हुई। सीरिया ने हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय एंटी-आईएसआईएल गठबंधन में शामिल होकर अपनी भूमिका बदली है। इससे अमेरिका के लिए सीरिया में सैन्य मौजूदगी का आधार कमजोर हुआ और अब वह क्षेत्र में अपनी रणनीति को नए सिरे से तय कर रहा है। एसडीएफ एक कुर्द-नेतृत्व वाला गठबंधन है, जिसे 2015 में बनाया गया था और इसमें कुर्द, अरब और दूसरे स्थानीय समूह शामिल हैं। सीरिया के गृहयुद्ध के दौरान जब सरकार कमजोर हुई, तब कुर्द लड़ाकों ने उत्तर-पूर्वी इलाकों पर कब्जा कर लिया। बाद में यही एसडीएफ के रूप में मजबूत ताकत बन गया। सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल शारा और सीरिया के विदेश मंत्री असद हसन अल शैबानी दमिश्क में एसडीएफ के नेता मजलूम अब्दी से मिले। फोटो 16 अप्रैल की है।

इजरायल-लेबनान के बीच युद्धविराम लागू

आक्रामक सैन्य अभियानों को रोकने पर सहमत हुए दोनों देश

तेल अवीव/बेरूत। इजरायल और लेबनान 10 दिनों के लिए संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं, जो पूर्वी समय अनुसार 16 अप्रैल शाम पांच बजे (भारतीय समयानुसार 17 अप्रैल तड़के 3:30 बजे) से प्रभावी हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर कहा कि लेबनान के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन हो सकता है।

अच्छी चीजें हो रही हैं। ट्रम्प ने फिर से दावा किया कि उन्होंने दुनिया भर में नौ युद्धों को सुलझाया है और यह दसवां होगा। उन्होंने कहा कि तो चलिए इसे पूरा करते हैं। इस अस्थाई युद्धविराम का उद्देश्य स्थाई शांति समझौते की दिशा में बातचीत के लिए अवसर प्रदान करना है। यह समझौता ट्रम्प द्वारा इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और लेबनानी राष्ट्रपति जोसेफ औन के साथ चर्चा के बाद कराया गया था। समझौते के अनुसार, इजरायल और लेबनान आक्रामक सैन्य अभियानों को रोकने पर सहमत हुए हैं। लेबनान ने हिजबुल्लाह को हमले करने से रोकने के लिए सार्थक कदम उठाने की प्रतिबद्धता जताई है। इस अवधि के दौरान इजरायली बल दक्षिणी लेबनान में 10 किलोमीटर के 'सुरक्षा क्षेत्र' में बने रहेंगे। भले ही युद्धविराम आधिकारिक तौर पर प्रभावी है लेकिन लेबनानी सेना ने आज सुबह दक्षिणी गांवों में इजरायल द्वारा कई हमलों की सूचना दी। इस बीच, इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने दावा किया कि उन्होंने पिछले 24 घंटों के दौरान लेबनान में हिजबुल्लाह के 380 से अधिक ठिकानों पर हमला किया। हिजबुल्लाह ने कहा कि वे तभी तक संघर्षविराम का 'पालन' करेंगे जब तक इजरायली हमले बंद रहेंगे। यह संघर्षविराम एक व्यापक क्षेत्रीय राजनयिक प्रयास का हिस्सा है जिसमें अमेरिका और ईरान के बीच अलग से चल रहा दो सप्ताह का युद्धविराम भी शामिल है।

■ लेबनान के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन हो सकता हैः ट्रम्प

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108

देश/विदेश से एम.बी.बी.एस, एवं स्टडी वीजा के लिए सम्पर्क करें
• रशिया • जॉर्जिया • कजाखस्तान • किर्गिज़स्तान • उज्बेकिस्तान • बांग्लादेश • नेपाल • चाईना • ईरान • इजिप्ट • यू.के. • कनाडा • यू.एस.ए. और भी देशों से
Since 2010
अन्जुम कलीम (एम.डी.) 8384872313 9457439020
M.B.B.S./M.D.
BDS, BAMS, BUMS, BEMS
Abroad Admission & Counselling For India
•Top Govt. Universities.
•MCI, WHO Approved Universities.
•Indian Hostel & Mess Available.
•Lowest Price Packages.
•Boys/Girls Hostels Are Separates Available.
अपना एम.बी.बी.एस. 25 से 27 लाख में पूरा करें
जिसमें ट्यूशन फीस, हॉस्टल फीस, खाना 3 टाईम (वेज/नॉनवेज), वीजा एक्सटेंशन, इंश्योरेंस, मेडिकल, ट्रांसपोर्टेशन, लॉन्ड्री, एफ.एम.जी. ई. कॉचिंग, 15 इंडियन बेस्ट फैकल्टी के द्वारा दी जा रही है
471 बच्चें जनवरी एफ.एम.जी.ई. एक्जाम में पास हुऐ (अन्य कोई खर्चा नहीं)
www.mbbsbijnor.com
ADD : MBBS ABROAD CONSULTANCY, MOIN KA CHAURAHA, CHAHSHIREEN JAMA MASJID, B-21, BIJNOR (U.P)